अर्थ शास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा-बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य - 10

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग - 11

संसद को कानून बनाने का अधिकार, वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं - 11

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा - 12

आज का मौसम
30.0⁰ अधिकतम तापमान
15.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.38
सूर्यास्त 06.12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी 08:43 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 28 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 24, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अचूक वार

राजस्थान के जैसलमेर जिले में पाकिस्तान सीमा के पास शुक्रवार को भारतीय वायु सेना ने वायु शक्ति अभ्यास के दौरान मिसाइलों से लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी उपस्थित थीं।

पाकिस्तान का खुली जंग का एलान, काबुल में किए हवाई हमले

अफगानिस्तान के खिलाफ की ऑपरेशन गजब लिल हक की घोषणा, दोनों देशों के बीच तेज हुई जंग

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के जवाबी हमले के बाद दोनों देशों में जंग तेज हो गई है। अफगानिस्तान की ओर से देर रात सीमा पर हमलों के बाद पाकिस्तान ने शुक्रवार तड़के ऑपरेशन गजब लिल हक की घोषणा करते हुए अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और दो अन्य प्रांतों में हवाई हमले किए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे को भारी नुकसान का दावा किया है।

अफगानिस्तान ने बृहस्पतिवार देर रात सीमा पार पाकिस्तान पर हमला किया था। जवाब में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने अफगानिस्तान के साथ खुली जंग का एलान किया है। शुक्रवार तड़के काबुल में कई विस्फोट हुए, लेकिन साफ नहीं हो पाया कि इनमें कितने लोग हताहत हुए हैं। सरकारी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के मुताबिक पाकिस्तान ने दक्षिण में कंधार और दक्षिण-पूर्वी प्रांत पकतिया में भी हवाई हमले किए हैं।

सीमा पर अफगानी लड़ाके

- दोनों देशों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का किया दावा

274 तालिबान लड़ाके मार गिराए

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने कहा कि सेना ने 274 तालिबान लड़ाकों को मार गिराया जबकि 400 घायल हुए हैं। पाकिस्तान के सिर्फ 12 सैनिक मारे गए, 27 घायल हुए और एक लापता हो गया। सीमा पर 73 अफगान चौकियां नष्ट हो गईं, 18 चौकियों पर कब्जा कर लिया गया। करीब 115 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोप नष्ट कर दी गईं। काबुल समेत 22 स्थानों पर हवाई हमलों में अफगान तालिबान कोर मुख्यालय, ब्रिगेड मुख्यालय, बटालियन मुख्यालय और हथियार डिपो भी नष्ट हो गए।

पाक सेना के दो मुख्यालय कब्जे में

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 55 सैनिकों को मार गिराया। पाकिस्तान के अंदर महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। पिछली रात पाकिस्तानी सेना की 19 चौकियों और दो मुख्यालयों पर कब्जा कर लिया गया। अफगान सेना ने हथियार, गोला-बारूद, एक टैंक और एक सैन्य परिवहन वाहन बरामद किया है। इस्लामी अमीरात के 13 सैनिक मारे गए और 22 घायल हो गए। अब किसी भी दुर्भावनापूर्ण कृत्य का जवाब इस्लामाबाद में देंगे।

पाकिस्तान ने की सऊदी अरब तुर्किए से बात, रूस-चीन ने जताई चिंता

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इस्हाक डार ने मौजूदा स्थिति पर तुर्किये और सऊदी अरब के अपने समकक्षों के साथ फोन पर बातचीत की। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने पिछले साल एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जिसके मुताबिक किसी तीसरे देश के हमले की स्थिति में एक-दूसरे की सहायता करने का वादा किया था। इस बीच चीन और रूस ने भी तनाव बढ़ने पर चिंता व्यक्त की और दोनों पक्षों से राजनयिक माध्यमों से अपने मतभेदों को सुलझाने का आह्वान किया।

ब्रीफ न्यूज

देवरिया की बीएसए शालिनी निलंबित

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने देवरिया की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शालिनी श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। देवरिया के डायट प्राचार्य अनिल कुमार को बीएसए का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह कार्रवाई देवरिया की जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की 23 फरवरी को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर की गई। मामला शिक्षक कृष्ण मोहन सिंह की आत्महत्या से जुड़ा है, जिसमें बीएसए की भूमिका को लेकर गंभीर आरोप सामने आए थे। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन द्वारा जारी आदेश में उन्हें बेसिक शिक्षा निदेशक, लखनऊ से संबद्ध कर दिया है।

ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में ईडी के समक्ष शुक्रवार को पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। एजेंसी ने यस बैंक से जुड़े धनशोधन मामले में उनका बयान दर्ज करने के लिए उन्हें तलब किया था। अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ टालने का अनुरोध किया। अनिल अंबानी से बृहस्पतिवार को उनकी समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में करीब नौ घंटे तक पूछताछ की गई थी।

केजरीवाल-सिसोदिया समेत सभी बरी

कोर्ट ने कहा- तय योजना के तहत बढ़ी सीबीआई की कहानी, हर किसी को फंसाया गया

आबकारी घोटाला

- आरोप पत्र पर नहीं लिया संज्ञान, आदेश को सीबीआई ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के कविता समेत सभी 23 आरोपियों को शराब नीति मामले में बरी कर दिया। अदालत ने आरोप पत्र का संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया और सीबीआई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह नाकाम रहा है। सीबीआई ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाते हुए कहा, इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी से किसी भी आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया भी कोई मामला नहीं बनता, और न ही कोई गंभीर शक है। इसलिए आरोपी संख्या 1 से 23 को उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से बरी किया जाता है। सिंह ने अपने आदेश में कहा कि ऐसा लगता है कि जांच पहले से तय रास्ते पर आगे बढ़ी है, जिसमें नीति बनाने या लागू करने से जुड़े लगभग हर व्यक्ति को फंसाया गया है, ताकि एक कमजोर कहानी को गहराई और भरोसे का भ्रम दिया जा सके।

अदालत का फैसला आने के कुछ ही घंटे बाद सीबीआई ने उसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दे दी। सीबीआई ने कहा कि निचली अदालत में जांच के कई पहलुओं की या तो अनदेखी की गई या उन पर सही से विचार नहीं किया गया। सीबीआई आप सरकार की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार की जांच कर रही है।

अदालत का फैसला आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रो पड़े अरविंद केजरीवाल।

न्यायिक प्रक्रिया किसी विमर्श के समर्थन के लिए नहीं

न्यायिक प्रक्रिया किसी सुविधाजनक परिणाम को सुनिश्चित करने या किसी खास विमर्श का समर्थन करने के लिए नहीं, बल्कि कानून के शासन को बनाए रखने के लिए है। यह अदालत एक गंभीर और बार-बार उत्पन्न होने वाली दुविधा का सामना कर रही है, जिसमें पीएमएलए के तहत शुरू किए गए मुकदमों के कारण किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में पड़ सकती है। किसी को गिरफ्तारी के बाद जमानत के लिए कठोर और दोहरी शर्तों को पूरा करना पड़ता है, ऐसे में मुकदमे से पहले ही उसे लंबे समय तक हिरासत में रहना पड़ता है। अक्सर मूल अपराध की जांच अधूरी रह जाती है और अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किया जाता है। **- अपने 598 पृष्ठों के आदेश में अदालत की टिप्पणी**

मीडिया के सामने रोए केजरीवाल बोले- मोदी-शाह ने की थी साजिश

फैसला आने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए केजरीवाल रो दिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलकर उनकी पार्टी को खत्म करने की राजनीतिक साजिश रची। एक मुख्यमंत्री को उसके घर से घसीटकर जेल में डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि वह भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें छह महीने और मनीष सिसोदिया को दो साल जेल में रहना पड़ा। टीवी चैनलों पर उनका चरित्र हनन किया गया। केजरीवाल ने कहा, आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है।

अब भी अनुत्तरित हैं कई प्रश्न: भाजपा

भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि शराब नीति से जुड़े कई सवाल अनुत्तरित हैं और कानूनी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। सचदेवा ने कहा कि मामले में अदालत ने अपने फैसले में सबूतों की कमी की बात कही है लेकिन जांच एजेंसी ने बार-बार कहा है कि केजरीवाल और सिसोदिया ने सबूत नष्ट किए हैं। जांच एजेंसी नष्ट किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया लंबी है। केजरीवाल के पास अब भी कुछ सवालों के जवाब नहीं हैं।

पंजाब-गुजरात में चुनाव हैं, इस कारण वाशिंग मशीन से धो दिया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा गुजरात और पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केजरीवाल को नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर पेश कर रही है ताकि चुनावों में मुख्य विपक्षी दल को कमजोर किया जा सके। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा एक 'इच्छाधारी नाग' है जो सिर्फ कांग्रेस को हराने के लिए अपना रूप बदलती रहती है। खेड़ा ने दावा किया कि कैसे कांग्रेस को कमजोर किया जाए, यही भाजपा का खेल है और इसमें कई खिलाड़ी और अंपायर बिके हुए हैं।

होली से पहले हर हालत में जारी किया जाए वेतन

- जापान से लौटते ही मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को दिए सख्त आदेश
- वेतन जारी करने के लिए शनिवार को घोषित किया गया कार्य दिवस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होली से पहले प्रदेश के राज्यकर्मियों को हर हालत में वेतन जारी किया जाए। सिंगापुर और जापान के दौरे लौटते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बारे में सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वेतन भुगतान में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आदेश का कड़ाई से पालन करें।

हालांकि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण नहीं देने वालों का जनवरी माह का वेतन भी नहीं मिलने से उनकी हालत और पस्त है। इस बीच कई विभागों के आदेशों में एकरूपता का अभाव था। शासन ने सभी विभागों को 28 फरवरी तक वेतन देने की बात कही थी, लेकिन महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कार्यालयों व निदेशालयों में कार्यरत स्थायी, संविदा, आउटसोर्स, शिक्षकीय एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की वेतन भुगतान प्राथमिकता के आधार पर दो मार्च से पहले हर हाल में जारी करने के निर्देश जारी किए थे।

इन स्थितियों की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार सुबह स्पष्ट निर्णय लिया कि शनिवार को किसी भी विभाग, बैंक या कोषागार की में छुट्टी नहीं होगी। इस दिन को कार्यदिवस घोषित करते हुए वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। योगी ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वेतन भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई या अनदेखी स्वीकार नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी ने विशेष तौर पर आउटसोर्सिंग कर्मियों, संविदाकर्मियों, सफाईकर्मियों समेत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों का भुगतान शनिवार को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दो, तीन व चार मार्च को होली अवकाश

प्रदेश सरकार ने होली पर्व के अवसर पर दो, तीन और चार मार्च को अवकाश घोषित किया है। इस दौरान राज्य सरकार के सभी कार्यालय बंद रहेंगे।

जज ने आदेश में लिखा- मैं भूखा-थका, इसलिए निर्णय लिखाने में असमर्थ हूं

- मुकदमों के बोझ से थककर बेहाल हुए लखनऊ पीठ के जज
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण शाम 7 बजे तक की सुनवाई

लखनऊ, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के एक जज ने मंगलवार को अपने सामने एक ही दिन में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामलों की लंबी सूची से परेशान होकर फैसला लिखवाने में असमर्थता व्यक्त की। जज ने आदेश में कहा, मैं भूखा, थका और निर्णय लिखाने में शारीरिक रूप से असमर्थ महसूस कर रहा हूं, इसलिए निर्णय सुरक्षित रखा जाता है।

जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने एक याचिका पर यह आदेश दिया जो 2025 में डीआरटी के एक आदेश के खिलाफ दायर की गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया था कि याचिका पर जल्द फैसला लिया जाए, बेहतर होगा कि छह महीने के अंदर। छह महीने का समय 24 फरवरी 2026 को खत्म होने वाला था। इस दिन जस्टिस विद्यार्थी के सामने 92 नए मामलों समेत 235 मामले सूचीबद्ध थे लेकिन वह शाम 4.15 बजे तक सिर्फ 29 नए मामलों की सुनवाई कर पाए।

इसी बीच जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा रिमांड पर लिए गए मौजूदा मामले के बारे में बताया गया तो उन्होंने शाम 4.15 बजे मामले की सुनवाई शुरू की। वादी और प्रतिवादी के वकीलों ने लंबी बहस की। मैराथन सुनवाई के बाद जस्टिस विद्यार्थी ने स्वयं को पूर्णतः थका हुआ बताते हुए कहा कि वे तत्काल निर्णय लिखाने की स्थिति में नहीं हैं और इसलिए उन्होंने फैसला सुरक्षित रख लिया।

लिखा- सूची में थे 235 मामले, 29 ही सुन पाया

निर्णय सुरक्षित रखते हुए जस्टिस विद्यार्थी ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि उस दिन 92 ताजा मामले, 101 नियमित मामले, 39 ताजा विविध आवेदन तथा अतिरिक्त सूची में तीन मामले सूचीबद्ध थे। केवल क्रम संख्या 29 तक के ताजा मामलों की ही सुनवाई हो सकी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए इस मामले की सुनवाई शाम सवा चार बजे प्रारंभ की गई जो सात बजकर दस मिनट तक चली। इसके बाद जस्टिस विद्यार्थी ने कहा कि वह स्वयं को भूखा, थका एवं शारीरिक रूप से निर्णय लिखाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं, इसलिए निर्णय सुरक्षित रखा जाता है।

दुबई में पकड़ा गया शाइन सिटी का सीएमडी राशिद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 60,000 करोड़ की ठगी के आरोपी पर है पांच लाख का इनाम, ईडी के आग्रह पर दुबई पुलिस ने दबोचा

अमृत विचार: हजारों लोगों से निवेश व भूखंड के नाम पर करीब 60 हजार करोड़ रुपये की ठगी करने वाला शाइन सिटी का सीएमडी राशिद नसीम गिरफ्तार हो गया है। ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर उसे दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया। दस वर्ष से दुबई में ठिकाना बनाए हुए राशिद पर यूपी सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

राशिद मूलतः प्रयागराज के करेली का रहने वाला है। उसके खिलाफ यूपी में 554 मामले दर्ज हैं। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उसके खिलाफ पीएमएलए के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। उसे अप्रैल 2025 में विशेष पीएमएलए कोर्ट ने आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत भगोड़ा घोषित किया था।

इसके बाद ईडी ने उसकी 127.98 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त कर दिया। राशिद के खिलाफ यूपी के अलावा दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और महाराष्ट्र तक निवेशकों ने एफआईआर दर्ज कराई हैं। कंपनी में 10 लाख से अधिक निवेशकों का रुपया फंसा था।

प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू : ईडी व ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तारी के बाद भारत राशिद के प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सारे जरूरी दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। इसमें ईडी व ईओडब्ल्यू की टीम अपनी रिपोर्ट भी तैयार कर रही है। दोनों एजेंसियां आरोपी के वित्तीय लेनदेन, शेल कंपनियों और देश-विदेश में मौजूद संपत्तियों की जांच कर रही हैं।

हाईकोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार करने पर लगाई रोक

- राज्य सरकार और आशुतोष पांडेय को जवाब दाखिल करने का आदेश
- शंकराचार्य के वकील ने कहा- सरकार के इशारे पर झूठे केस में फंसाया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बटुकों के कथित यौन शोषण मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार और वादी आशुतोष पांडेय को अपने जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया गया है।

न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के वकील दिलीप गुप्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता आशुतोष पांडेय कई आपराधिक मामलों में लिप्त रहे हैं और याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के इशारे पर झूठा फंसाया गया है।

सेंसेक्स 961 अंक लुढ़का, निवेशकों के 5 लाख करोड़ रुपये डूबे

- निफ्टी में भी 318 अंकों की गिरावट

मुंबई। कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 961 अंक लुढ़क गया, निफ्टी 318 अंक टूटा। निवेशकों की पूंजी पांच लाख करोड़ रुपये कम हो गई।

बीएसई का मानक सूचकांक 961.42 अंक यानी 1.17% लुढ़ककर 81,287.19 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 1,089.46 अंक यानी 1.32% गिरकर 81,159.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का सूचकांक निफ्टी 317.90 अंक यानी 1.25% गिरकर 25,178.65 पर बंद हुआ।

आह्वान

मोदी ने वित्तीय संस्थानों से व्यावहारिक समाधान प्रदान कर बाजार विश्वास को मजबूत करने का किया आग्रह

निवेश एवं नवाचार कर बजट घोषणाओं का लाभ उठाएं उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग से निवेश एवं नवाचार बढ़ाने का शुक्रवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आक्रामक पूंजीगत व्यय और बजट में लगातार अनुकूल नीतिगत माहौल बनाकर आधार तैयार कर दिया है और अब निजी क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने का समय आ गया है।

'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय पर बजट के बाद आयोजित 'वेबिनार' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 11 वर्ष पहले दो लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर केंद्रीय बजट 2026-27 में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसने विस्तार के लिए एक मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि अधिक आवंटन निजी क्षेत्र को नए जोश के साथ निवेश करने और 2026-27 के बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का संकेत देता है। मोदी ने कहा, भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए।

मोदी ने कहा, वित्तीय संस्थानों को व्यावहारिक समाधान तैयार करने और बाजार विश्वास बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत की मजबूत क्षमता दृढ़ विश्वास आधारित सुधारों और कारोबार सुगमता में निरंतर सुधार के प्रयासों से प्रेरित रही है। भारत ने प्रौद्योगिकी आधारित सुशासन को अपनाया है, संस्थानों को मजबूत किया है और आज भी देश सुधारों के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, सुधारों की तेज गति को बनाए रखने के लिए हमें केवल नीतिगत मंशा पर ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा। सुधारों का मूल्यांकन उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए।

सुधारों के बाद भी निजी क्षेत्र ने नहीं दिखाया जुझारूपन

प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार की ओर से निजी निवेश को आकर्षित करने और मध्यम अवधि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डिजिटल अवसंरचना तथा ऊर्जा नेटवर्क पर व्यय में तेज वृद्धि की गई है। हालांकि, निजी क्षेत्र ने अभी तक वह तथाकथित जुझारूपन (एनिमल स्पिरिट) पूरी तरह से प्रदर्शित नहीं किया है। उन्होंने सुधारों को ठोस परिणामों में तब्दील करने के लिए सरकार, उद्योग और ज्ञान क्षेत्र के भागीदारों के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया। मोदी ने कहा, हमें अवसंरचना में अधिक भागीदारी एवं वित्तीय मॉडल में नवाचार की आवश्यकता है, हमें परियोजना स्वीकृति पद्धतियों को मजबूत करना चाहिए और मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 28 फरवरी 2026

आयकर विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाया तो लपेटे में आ सकते हैं कई दिग्गज नेता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा विधायक के यहां तीसरे दिन भी जारी रही आयकर टीम की कार्रवाई
- छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के आफिस में मिली संपत्ति का हिसाब लगाते रहे अफसर

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित कंपनी के आफिस पर आयकर विभाग की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी रही। पूरे दिन अधिकारी बरामद नकदी, जेवर और जमीन और प्लाटों के दस्तावेज, लूज शीट, रसीदें आदि के जरिए कथित टैक्स चोरी की हिसाब किताब लगाते रहे। उधर सूत्रों का दावा है कि मिले दस्तावेजों से साफ हो रहा है कि विधायक के बसपा के साथ ही भाजपा और सपा के नेताओं से भी संबंध थे। साथ ही विभागों के आला अफसरों से सांठगांठ कर टेंडर प्राप्त किए जाते थे। अब आशंका इस बात की है कि यदि आयकर विभाग की टीमों ने जांच में विस्तार किया तो कई दिग्गज नेता भी दायरे में आ सकते हैं।

बलिया के रसड़ा से बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर बुधवार को सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। इसके साथ ही बलिया, सोनभद्र और कौशांबी समेत विधायक से जुड़ी कंपनियों और कई लोगों के यहां भी कार्रवाई जारी है। दावा है कि इस कार्रवाई में करीब 10 करोड़ की संपत्ति के साथ ही जेवर और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, लूज सीट, डायरां, हाथ से लिखे हिसाब, टेंडर भुगतान के कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। हालांकि आयकर विभाग ने इस बारे में को छापे की जड़ में उमाशंकर सिंह द्वारा बनाई गई सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी बताई जा रही है।

कंपनी की स्थापना उमाशंकर सिंह ने जनवरी 2009 में की थी। पहले वह खुद ही इसके निदेशक थे, लेकिन बाद में पत्नी को निदेशक बना दिया। छापे में साफ हुआ है कि छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईराम इंटर प्राइजेज बसपा, सपा और भाजपा सरकार में कई करोड़ों के ठेके लिए। सोनभद्र में खनन के मामले में कैग की रिपोर्ट में 60 करोड़ रुपये का घपला पकड़ा गया था। माना जा रहा है कि कैग की रिपोर्ट के आधार पर ही आयकर विभाग ने कार्रवाई की है।

आवास और आफिस में पसरा सन्नाटा

- विधायक उमाशंकर सिंह का आवास गोमती नगर के विपुल खंड में हैं। आवास से ही कुछ दूरी पर सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी का आफिस है। पहली बार जब बुधवार को छापा पड़ा था तो वहां पर समर्थकों और आसपास के लोगों की काफी भीड़ लगी रही, लेकिन दूसरे दिन भी कुछ लोग आते और जाते रहे। लेकिन तीसरे दिन शुक्रवार को आवास और आफिस पर सन्नाटा पसरा रहा। अंदर टीम जांच में जुटी है, वहीं बाहर महिला और पुरुष पुलिस कर्मी तैनात रहे।

न्यूज ब्रीफ

अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : सेवानिवृत वरिष्ठ आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी का मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में लगातार चौथी बार एक साल और कार्यकाल बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अवनीश अवस्थी भी सिंगापुर और जापान दौरे गए हुए थे और शुक्रवार को ही लौटे हैं। अवनीश अवस्थी फरवरी 2022 में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत होने के बाद ही उन्हें मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके बाद उनका कार्यकाल लगातार बढ़ता रहा है। अब तक उनका चार बार बढ़ चुका है। 1987 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी का जन्म 19 अगस्त 1962 में हुआ था। आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक हैं। वह गृह सचिव, सूचना विभाग के प्रमुख और यूपी एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के सीईओ भी रह चुके हैं।

हर्बल गुलाल संग 'लखपति दीदी' अभियान को रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिला स्वावलंबन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से होली पर राज्यव्यापी विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिससे स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं की आय बढ़ेगी। एसएचजी ग्रुप की दीदियां हर्बल गुलाल, पापड़, चिप्स, मिठाइयां, अगरबत्ती व अन्य हस्तशिल्प उत्पाद तैयार कर रही हैं। पलाश के फूल, चुकंदर और गेंदे से बना केमिकल-फ्री गुलाल "स्वस्थ होली-सुरक्षित होली" का संदेश दे रहा है। सभी जिलों में सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जा रहे हैं और ई-सरस समेत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था की जा रही है। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण महिलाओं को "लखपति दीदी" लक्ष्य से जोड़ने की दिशा में अहम कदम है।

10 दिवसीय 'कला अभिरुचि पाठ्यक्रम' संपन्न

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय 'कला अभिरुचि पाठ्यक्रम' के अंतिम दिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। अतिका वर्मा ने प्रथम, कशिश चौधरी ने द्वितीय और कुलदीप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रिया तिवारी और ऋचा मेहरोत्रा को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनकी रचनात्मकता और समर्पण की सराहना की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस तरह के पाठ्यक्रम युवाओं में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसका उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को प्रदेश की समृद्ध विरासत और परंपराओं से जोड़कर उनमें गर्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

कौशल विकास मिशन का छह संस्थाओं से एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान करने की दिशा में लगातार पहल कर रही है। लखनऊ स्थित मिशन मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मिशन निदेशक पुलकित खरे और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार की उपस्थिति में नॉन-फाइनेंशियल एमओयू साइन किए गए। यह पहल व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में की गई मिशन निदेशक ने बताया कि भारतेंदु नाट्य अकादमी के सहयोग से युवाओं को मंच कौशल और संवाद क्षमता का प्रशिक्षण मिलेगा, जबकि औरेकल द्वारा विकसित ऑनलाइन कोर्स मिशन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

फरवरी तक 1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह

आबकारी से 13 प्रतिशत अधिक आय, जीएसटी-वैट-परिवहन सहित हर क्षेत्र में बढ़ा राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अपने आवास पर राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के फरवरी महीने के अं तक की कर एवं करेत्तर राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा की। इसमें अब तक 1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह किया जा चुका है। आबकारी से 13 प्रतिशत अधिक आय के साथ जीएसटी-वैट-परिवहन सहित हर क्षेत्र में राजस्व बढ़ा है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। योगी ने होली के मद्देनजर पर अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई के साथ लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और बेहतर बस सेवाओं की पर जोर दिया।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीकरण, परिवहन, ऊर्जा, भू-राजस्व व खनन विभागों द्वारा प्रस्तुत लक्ष्यों और उपलब्धियों का आकलन करते हुए कहा कि राजस्व वृद्धि प्रदेश में विकास कार्यों की गति को निर्धारित करती है। उन्होंने सभी विभागों को पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार-आधारित कार्यप्रणाली के साथ लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिए कर-राजस्व का वार्षिक लक्ष्य 2.95 लाख करोड़ निर्धारित है, जिसके मुकाबले फरवरी 2026 तक 1,96,177 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व में निरंतर वृद्धि से प्रदेश में बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण योजनाओं, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। आबकारी विभाग का वार्षिक लक्ष्य 63,000 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 48,501 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13.2 प्रतिशत अधिक है। मार्च में करीब 9,050 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने होली पर्व को देखते हुए अवैध और जहरीली शराब के निर्माण व बिक्री पर शून्य सहनशीलता अपनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और रजिस्ट्री कार्यालयों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। परिवहन निगम की बसों की फिटनेस सुनिश्चित करने, नए रूट चिन्हित कर निजी क्षेत्र के सहयोग से बस सेवाएं शुरू करने और होली के दौरान कानून-व्यवस्था व आबकारी नियंत्रण को लेकर प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए।

जीएसटी-वैट से मजबूत योगदान

- राज्य कर (जीएसटी वैट) का वार्षिक लक्ष्य 1,75,725 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 1,03,770 करोड़ का संग्रह हुआ। इसमें जीएसटी से 75,195 करोड़ और वैट से 28,575 करोड़ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जीएसटी 2.0, एआई आधारित जोखिम विश्लेषण, ई-इनवॉइसिंग, ई-वे बिल की प्रभावी निगरानी और फर्जी आईटीसी पर नियंत्रण से कर अनुपालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रयासों से अब तक 3,117 करोड़ की अतिरिक्त वसूली की गई है।

स्टाम्प व परिवहन में भी मजबूती

- स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने लक्ष्य 38,150 करोड़ के सापेक्ष फरवरी तक 29,487 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की। परिवहन विभाग ने 14,000 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 11,005 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वहीं, खनन विभाग ने लक्ष्य 6,000 करोड़ के सापेक्ष फरवरी तक 3,597 करोड़ का संग्रह किया, जबकि मार्च में लगभग 600 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का अनुमान है।

76 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा अपना भवन

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आंगनबाड़ी ढांचे को पूरी तरह सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के बचे सभी 76 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को उनके स्वयं के भवनों में संचालित करने के लिए विस्तृत और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री-प्राइमरी शिक्षा की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए इनका वातावरण सुरक्षित, आकर्षक और शैक्षिक रूप से समृद्ध होना चाहिए।सीएम आवास पर हुई बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1.89 लाख से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से लगभग 76 हजार केंद्रों के पास अपना भवन नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन केंद्रों के भवन निर्माण में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) से सहयोग लिया जाए और आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार भी वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी की मजबूत बुनियाद हैं। प्रस्तावित नए भवनों में आधुनिक और समावेशी सुविधाओं का समावेश किया जाएगा। इनमें सुरक्षित पेयजल व विद्युत व्यवस्था, बाल-मित्र शौचालय और लो-हाइट वॉश यूनिट, खेल आधारित गतिविधियों के लिए पर्याप्त प्ले एरिया, किचन शेड व हॉट-कुक्ड मील की व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु पृथक कक्ष और रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और पोषण वाटिका जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाने को आज से लगेगी एचपीवी वैक्सीन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सर्वाइकल (गर्भाशय) कैंसर की रोकथाम के लिए आज से ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शुरू हो रहा है। अभियान के तहत प्रदेश की लगभग 46 लाख किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 14 वर्ष की आयु की किशोरियों को गार्डासिल-4 वैक्सीन की सिंगल डोज निःशुल्क दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक राजधानी लखनऊ में इसका शुभारंभ करेंगे। यह अभियान राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका शनिवार को प्रधानमंत्री अजमेर से शुभारंभ करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ.अरूण कुमार अरूण के अनुसार यह टीका सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध रहेगा। अभियान तीन माह तक प्रतिदिन संचालित होगा, इसके बाद नियमित टीकाकरण दिवसों पर भी यह वैक्सीन लगाई जाएगी।

अब मतदाता बनने के लिए बचे मात्र तीन दिन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दावे और आपत्तियां अब केवल अब छह मार्च तक ही स्वीकार की जाएंगी। ऐसे में नए मतदाताओं और नाम संशोधन कराने वालों के पास आवेदन करने के लिए केवल तीन दिन ही बचे हैं। दस अप्रैल को एसआईआर के तहत तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

निर्वाचन विभाग के अनुसार जो युवा एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे यदि छह मार्च तक आवेदन कर देते हैं तो उनका नाम 10 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार के बाद रविवार अवकाश रहेगा, जबकि सोमवार, मंगलवार और बुधवार को होली का सार्वजनिक अवकाश घोषित है। ऐसे में व्यावहारिक रूप से शनिवार के बाद पांच और छह मार्च को ही बीएलओ से संपर्क कर फार्म जमा करने का अवसर मिलेगा। हालांकि राहत की बात यह है कि जो लोग आनलाइन आवेदन करते हैं तो वह हो जाएंगे।

किसी का वोट एक से अधिक स्थान पर है तो स्वेच्छा से नाम कटवा लें

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को अलीगढ़ में एसआईआर के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम एक से अधिक स्थान पर है तो फार्म-7 भरकर स्वेच्छा से उसे कटवा लें। यह एक दण्डनीय अपराध है, जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित मतदाता का होगा। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को भी सम्मानित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अलीगढ़ में विधान सभा क्षेत्र कोल के सन्त फिदेलिस स्कूल के सुनवाई केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

ओबीसी योजनाओं का लाभ देने के लिए तैयार होगी जिलेवार रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बैठक लेते आयोग के पदाधिकारी।

अमृत विचार : उप्र. पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ओबीसी कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ ओबीसी वर्ग को मिल रहा है या नहीं, इसकी जिलेवार समीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

आयोग के अध्यक्ष, शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने योजनाओं की समीक्षा करते हुए जोर दिया गया कि उनका लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। इस दौरान नियुक्तियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को लेकर प्राप्त शिकायतों पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उत्थान से जुड़ी योजनाओं और आरक्षण संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा विभिन्न जातियों के सम्मेलन और निष्कासन से जुड़े प्रत्यावेदनों की भी समीक्षा की गई। आयोग ने स्पष्ट किया कि ओबीसी समाज के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आयोग ने भरोसा दिलाया कि वह पारदर्शिता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा, ताकि पिछड़ा वर्ग के अधिकारों और हितों की रक्षा हो सके। बैठक में उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली समेत आयोग के सदस्य मौजूद रहे।

आयुध कारखाना के पूर्व सीजीएम पर आय से अधिक संपत्ति की एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीबीआई की जांच में पाया गया आय से अधिक खर्च व पद के दुरुपयोग का मामला
- आयुध उपकरण कारखाना हरजतपुर फिरोजाबाद के मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह पर कार्रवाई

अमृत विचार: सीबीआई ने आयुध उपकरण कारखाना हजरतपुर फिरोजाबाद के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह पर आय से अधिक संपत्ति हासिल करने की रिपोर्ट दर्ज की है। सीबीआई जांच में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने व पद के दुरुपयोग कर अवैध कमाई की पुष्टि हुई।

मामले की जांच सीबीआई एसीबी गाजियाबाद के एएसपी अशोक कुमार को सौंपी गई है। सीबीआई के मुताबिक अमित सिंह 1 अप्रैल 2022 से 31 दिसंबर 2025 के बीच आयुध उपकरण कारखाना, हजरतपुर, फिरोजाबाद में महाप्रबंधक व मुख्य महाप्रबंधक के पद पर तैनात थे। इस अवधि के दौरान उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। जांच में करीब 55,58,471 रुपये (73.28 प्रतिशत) की अनुपातहीन संपत्ति का मामला सामने आया है।

अमित सिंह भारतीय आयुध कारखाना सेवा (बैच 1998) के अधिकारी हैं। उन्होंने 7 सितंबर 1998 को सेवा शुरू की थी। 30 जून 2022 को उन्होंने हजरतपुर स्थित आयुध उपकरण कारखाना में महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। यह कारखाना रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन संचालित टूप कम्फर्ट्स लिमिटेड की विनिर्माण इकाइयों में शामिल है। जो भारतीय सशस्त्र बलों, गृह मंत्रालय की सेनाओं और विभिन्न राज्य पुलिस बलों के लिए पैराशूट, बैग, वर्दी सहित रक्षा उपकरणों का उत्पादन करता है।

2023 में बने थे मुख्य महाप्रबंधक

- जांच एजेंसियों के अनुसार ओईएफ हजरतपुर में अमित सिंह सबसे वरिष्ठ अधिकारी थे। कारखाने के प्रशासन, संचालन, संसाधनों के उपयोग तथा मानव संसाधन प्रबंधन की समग्र जिम्मेदारी उनके पास थी। उन्हें वर्ष 2023-24 में मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया, लेकिन जिम्मेदारियां वहीं रहीं। 25 दिसंबर 2025 को उनका तबादला आयुध वस्त्र कारखाना, कानपुर कर दिया गया। वर्तमान में वे टूप कम्फर्ट्स लिमिटेड प्रशिक्षण अकादमी, कानपुर में तैनात बताए जा रहे हैं।

कमाई से 55.58 लाख रुपये किया अधिक खर्च

- सीबीआई की जांच में सामने आया कि जांच अवधि से पूर्व यानी 1 अप्रैल 2022 से पहले अमित सिंह के पास ज्ञात स्रोतों से अर्जित करीब 18,82,871 रुपये की चल-अचल संपत्ति थी। इसमें उनके और उनकी पत्नी नीलम सिंह के बैंक खातों की प्रारंभिक राशि तथा वर्ष 2007 में बरेली में पत्नी के नाम खरीदे गए मकान का मूल्य शामिल है। जांच अवधि के अंत, 31 दिसंबर 2025 तक अमित सिंह और उनके परिवार के पास कुल 37,33,567 रुपये की संपत्ति पाई गई। इसमें वर्ष 2023 में लखनऊ में पत्नी के नाम फ्लैट का भुगतान, बरेली स्थित मकान का मूल्य, म्यूचुअल फंड निवेश और बैंक खातों में जमा राशि शामिल है। आरोपी अधिकारी को 75,57,303 रुपये का शुद्ध वेतन और 28,220 रुपये का ब्याज प्राप्त हुआ। जिससे कुल ज्ञात आय 75,85,523 रुपये पायी गई। इस दौरान अमित सिंह ने परिवार पर कुल 1,12,93,298 रुपये खर्च किया।

सीपीआर देकर यात्री को बचाने वाले 13 कर्मचारी सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने कहा कि यदि पुलिस सतर्क और सक्रिय रहेगा तो अपराध रोकने में सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान उन्होंने पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बरेली में यात्री को सीपीआर देकर बचाने वाले सिपाही हरिओम और कानपुर के सेंट्रल स्टेशन पर दो साल के चोरी हुई बच्ची को बचाने वाले समेत दर्जन भर से अधिक पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में बरेली जीआरपी में तैनात हरिओम, दो साल के बच्चे को केवल चार घंटे में तलाश कर परिजनों से मिलाने वाले कानपुर के डिप्टी एसपी दुष्यंत कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह, दारोगा मोहित कुमार, सिपाही सत्येन्द्र सिंह, शिवेन्द्र सिंह, दीपक यादव को सम्मानित किया गया। इसी तरह जीआरपी टूंडला के एसओ मोनू कुमार आर्य, एसआई सतेन्द्र कुमार, सिपाही मनोज कुमार के साथ ही जीआरपी कर्वी की महिला एसआई शालिनी सिंह भदौरिया, हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह और सिपाही हरिकेश मौर्य को भी सम्मान से नवाजा गया।

शासनादेश | सोलर फेंसिंग परियोजना के लिए किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि की मजबूती को मिले 30 .47 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि को मजबूती देने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बुंदेलखंड पैकेज के अंतर्गत कृषि विभाग की एकीकृत कृषि विकास योजना (सोलर फेंसिंग) के लिए 30.47 करोड़ रुपये की शेष धनराशि स्वीकृत करते हुए शासनादेश जारी किया गया है। यह धनराशि पूर्व में स्वीकृत कुल 74.53 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के सापेक्ष बची हुई राशि के रूप में जारी की गई है।

शासनादेश के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस परियोजना के लिए प्रथम किस्त के रूप में 50 करोड़ रुपये जारी किए गए थे, जिसे विभाग द्वारा व्यय न करते हुए समर्पित कर दिया गया था। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में 44.06 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई, जिसका पूर्ण उपयोग करते हुए कृषि विभाग ने उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया। अब परियोजना के शेष कार्यों के लिए 30.47 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

सोलर फेंसिंग से किसानों को राहत

- बुंदेलखंड क्षेत्र में जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सोलर फेंसिंग परियोजना को बेहद अहम माना जा रहा है। इस योजना के तहत खेतों की सुरक्षा के लिए सौर ऊर्जा आधारित बाड़ लगाई जाएगी, जिससे किसानों की फसल सुरक्षित रहेगी और उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र में टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा।

वित्तीय अनुशासन और सख्त शर्तें

- शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाएगा। राशि को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अथवा राष्ट्रीयकृत बैंकों में ही रखा जाएगा और यदि कोई ब्याज अर्जित होता है तो उसे राजकोष में जमा कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही परियोजना से संबंधित वित्तीय और भौतिक प्रगति की मासिक रिपोर्ट प्रत्येक माह की 7 तारीख तक नियोजन विभाग को भेजनी होगी।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के लिए 98.28 करोड़ जारी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना के निर्माण से जुड़े ऋण के मूलधन की अदायगी के लिए 98.28 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इसे यूपीडा को निर्धारित शर्तों के अधीन अवमुक्त किया जाएगा। यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 में लिए गए ऋण की अदायगी हेतु जनवरी से मार्च 2026 की अवधि के लिए स्वीकृत की गई है। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि जारी की गई धनराशि सीधे उसी बैंक खाते में जमा कराई जाएगी, जहां से संबंधित वित्तीय संस्थाओं का ऋण लिया गया था। इसे किसी अन्य खाते में रखने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही धन के उपयोग को लेकर सख्त वित्तीय नियमों और बजट मैनुअल का अनुपालन अनिवार्य किया गया है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र और कार्य का सत्यापित लेखा निर्धारित समयावधि में महालेखाकार कार्यालय और शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जिम्मेदारी यूपीडा की होगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में मजबूत कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास का प्रमुख आधार मानी जा रही है। ऋण के मूलधन की समय पर अदायगी से परियोजना की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी और भविष्य की अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए निवेशकों का भरोसा और मजबूत होगा।

टमाटर, भिंडी, कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद ने जारी किया मौसम आधारित कृषि परामर्श

अमृत विचार : उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि जायद फसलों, टमाटर, भिंडी, लोबिया व कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। बसंतकालीन गन्ने की उन्नत किस्मों के प्रयोग पर जोर देते हुए उन्होंने लाल सड़न रोग से प्रभावित 0238 किस्म न बोने की हिदायत दी गई है। गन्ने के साथ उर्द, मूंग या लोबिया की अंतःफसल से आय बढ़ाने की सलाह भी दी गई।

परिषद के महानिदेशक, सभाकक्ष में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2025-26 की 24वीं बैठक संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमानों के आधार पर प्रदेश के कृषकों को आगामी दो सप्ताह के लिए कृषि प्रबंधन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव और परामर्श जारी किए गए हैं। अनुमान है कि प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा और तापमान में क्रमिक वृद्धि होगी।

विशेषज्ञों ने रबी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए सायंकाल हल्की सिंचाई की सलाह दी है। देर से बोए गए गेहूं में दाना भरने की अवस्था पर पोटैशियम नाइट्रेट का पर्णीय छिड़काव तथा गेरूई व पत्ती धब्बा रोग नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल के प्रयोग की संस्तुति की गई है।

चने में फलीबेधक कीट और अरहर में फल मक्खी से बचाव के लिए उचित कीटनाशक उपयोग की सलाह दी गई है। उद्यानिकी में आम के बौर को कीट व खर्रा रोग से बचाने के उपाय बताए गए। पशुपालकों को एफएमडी टीकाकरण और मत्स्य पालकों को कॉमन कार्प व पंगेशियस बीज संचय की सलाह दी गई है। विस्तृत परामर्श उपकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर जी"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

पिकप में लदा 760 किलो खोवा नष्ट कराया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एफएसडीए की टीम ने गुरुवार रात को बंथरा में पकड़ी पिकप
- 700 किग्रा बर्फी और 180 किग्रा मिल्क केक की बिक्री रोकी

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गुरुवार रात बंथरा में संदिग्ध पिकप से 760 किग्रा खोवा, 700 किग्रा बर्फी और 180 किग्रा मिल्क केक बरामद किया। चालक के पास खाद्य सुरक्षा लाइसेंस, बिल समेत अन्य अभिलेख न मिलने पर बंथरा पुलिस की अभिरक्षा में दे दिया। शुक्रवार को जांच में खोवा खराब मिलने पर नष्ट किया। साथ ही बर्फी और मिल्क केक के सैंपल लेकर कोल्ड स्टोरेज में रखे गए।

सहायक आयुक्त (खाद्य) विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में रात 1 बजे करीब टीम ने बंथरा में लखनऊ-कानपुर हाईवे पर संदिग्ध लगने पर पिकअप रोककर चेक की। उसमें भारी मात्रा में खोया, मिल्क केक और बर्फी लदी पाई गई। जो बाजार में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। टीम ने चालक से खाद्य सुरक्षा का लाइसेंस और उन खाद्य पदार्थों से संबंधित बिल या अन्य जरूरी अभिलेख मांगे तो नहीं मिले। पिकप बंथरा थाने में पुलिस अभिरक्षा में दे दी। संबंधित मालिक और खाद्य कारोबारी नहीं पहुंचे। इसके बाद शुक्रवार की दोपहर टीम ने कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए खाद्य पदार्थों की जांच की। 760 किग्रा खोया जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2,66,000 रुपये मानव उपभोग के लिए पूरी तरह से अनुपयुक्त पाया। टीम ने जेसीबी से गड्ढा खोदकर खोवा नष्ट किया।

साथ ही पैक्ड 700 किग्रा बर्फी और 180 किग्रा मिल्क केक कीमत लगभग 1,34,000 रुपये की गुणवत्ता संदिग्ध होने पर बिक्री रोक दी। इनके सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। रिपोर्ट आने तक खाद्य पदार्थ स्वरूप कोल्ड स्टोरेज में रखे गए। इसके अतिरिक्त टीम ने फूड सेफ्टी वैन से ठाकुरगंज खोयामंडी में जागरूकता अभियान चलाया।

बंथरा में संदिग्ध पिकप से मिला खोवा नष्ट कराते अधिकारी।

फर्जी डीएम बनकर किसान से ठगे नौ लाख

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- जमीन का लालच देकर फंसाया जेवर बेचकर पीड़ित ने दिए रुपये
- पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, पूछताछ जारी

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में जिलाधिकारी तो कभी दरोगा बताकर जालसाज ने किसान मोतीलाल को 400 बीघा जमीन दिलाने का झांसा देकर नौ लाख रुपये वसूल लिए। आरोपी की हकीकत सामने आने पर पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो धमकाया गया। पीड़ित की शिकायत पर बख्शी का तालाब पुलिस आरोपी को पकड़कर पूछताछ कर रही है।

इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित किसान मोती लाल दिनकरपुर झलौवा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने तहरीर देकर बताया कि दो महीने पहले उनकी मुलाकात मुलाकात चंदाकोडर गांव निवासी राजेश कुमार रावत से हुई थी। राजेश ने किसी तरह उनका मोबाइल नंबर हासिल किया तो बातचीत करने लगा। आरोपी ने फोन पर खुद को जिलाधिकारी बताया। सरकारी कार्रवाई का भय दिखाकर रुपये की मांग करने लगा। आरोपी ने अपनी शासन प्रशासन में ऊंची पहुंच का हवाला दिया।

मोतीलाल ने बताया कि राजेश ने उनसे कहा कि कागजों में उनके नाम 400 बीघा जमीन दर्ज है, लेकिन उसमें कुछ त्रुटियां हैं। आगे चलकर बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। अभी वह जिलाधिकारी हैं इस लिए सारे मामले हर करा सकते हैं। वह रुपये दे दें तो कागजी कार्रवाई पूरी कर जमीन उनके नाम करा दी जाएगी। आरोपी की चिकनी-चुपड़ी बातों और लालच में फंसे मोती लाल ने पहले पत्नी के सोने-चांदी के जेवर बेच दिए और बाद में अपनी जमीन बेचकर भी आरोपी को रुपये दे दिए। आरोप है कि 23 फरवरी को आरोपी ने दोबारा फोन कर खुद को दरोगा बताते हुए रुपयों की मांग की। शक होने पर पीड़ित ने रुपये देने से मना कर दिया। धमकी के दौरान पीड़ित ने कॉल रिकार्ड कर ली। रुपये वापस मांगने पर राजेश ने धमकाया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सुयश बिल्डर्स के निदेशकों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

■ अमृत विचार, मोहनलालगंज: रियल एस्टेट कंपनी सुयश बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के दो डॉयरेक्टर के खिलाफ डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के आदेश पर मोहनलालगंज पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हैवतमऊ मवैया द्वारिकापुरी कॉलोनी निवासी शुचिता श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने मोहनलालगंज की साई ग्रीन प्लाटिंग में सुयश बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 2013 में दो हजार वर्ग फिट के दो प्लॉट की रजिस्ट्री करायी थी। डायरेक्टर सुनील कुमार श्रीवास्तव व संजय कुमार श्रीवास्तव ने रजिस्ट्री के एक साल के भीतर प्लॉट पर कब्जा देने का वादा किया था 13 साल बीतने के बाद भी कब्जा नहीं मिला। मोहनलालगंज पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सुनील कुमार श्रीवास्तव व संजय कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

दो आईएएस को अतिरिक्त प्रभार, एक का तबादला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त दायित्व सौंपे हैं, जबकि एक अधिकारी के तबादले के आदेश जारी किए गए हैं। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण व रेशम विभाग के अपर मुख्य सचिव बाबू लाल मीना को खाद्य प्रसंस्करण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह होमगार्ड्स विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण और निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांजन सुभाष शर्मा 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अपर आयुक्त, उद्योग एवं प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम कानपुर के पद पर तैनात राजकमल यादव को विशेष सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग भेजा गया है। शासन ने तीन पीसीएस अफसरों का भी तबादला किया है। राजेश कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे/ग्रामीण जलापूर्ति) ललितपुर से अपर आयुक्त गोरखपुर मंडल, संजय मिश्रा उप जिलाधिकारी अंबेडकरनगर से अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) ललितपुर और ललित कुमार मिश्रा उप जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर से उप जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर बनाए गए हैं।

भौंदरी में वृहद पशु आरोग्य मेला आज

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज ब्लॉक अंतर्गत मजरा गनियार ग्राम पंचायत भौंदरी में शनिवार को मंडलस्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य मेला/शिविर आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक करेंगे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि सुबह 8 बजे मेला शुरू होगा। शिविर में रोगी पशुओं का अति विशिष्ट उपचार एवं औषधि वितरण, रोग ग्रस्त पशुओं की अल्ट्रासाउंड, मशीन द्वारा जांच, पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान एवं बांझपन समस्या का निवारण, पशुओं की लघु शल्य चिकित्सा, नि :शुल्क पशु टीकाकरण, पशुपालकों को पशुओं के पशुधन बीमा की सुविधा तथा पशुपालकों को पशुओं की उन्नत तकनीक की वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त नि :शुल्क कृमिनाशक दवापान, खनिज लवण तथा सकेन्द्रित पशु आहार उपलब्ध कराया जाएगा।

गुमटी तोड़कर सामान व नकदी चोरी

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र में के नारायणपुर हाइवे स्थित पलेहन्दा गांव चौराहा के सामने बनी मार्केट के पास रखी गुमटी तोड़कर चोर सारा सामान उठा ले गए। पीड़ित रामबाबू ने बताया कि गुमटी में पान-मसाला, कोल्डड्रिंक, पानी, नमकीन व अन्य सामान था। चोरों ने सारा सामान और रुपये चोरी कर लिए। पीड़ित ने काकोरी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

दामाद के हमले से घायल बुजुर्ग ने दम तोड़ा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र में दामाद के हमले में घायल ससुर रामनरेश (61) की गुरुवार देर रात ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। घटना बंथरा थाना क्षेत्र के चक गांव की है। पूजा के पिता रामनरेश पर 22 फरवरी को दामाद संदीप कुमार व उसके घरवालों ने फावड़े से हमला किया था। हमले में वे बुरी तरह घायल हो गए थे। मामले में पुलिस पूर्व में ही संदीप को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। रामनरेश की मौत के बाद पुलिस अब मामले में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ा रही है।

निर्माणाधीन मकान से चोरी, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : आशियाना में एक निर्माणाधीन मकान में घुसे चोरों ने बिजली के तार और मशीनें चोरी कर ली। आरोपियों की करतूत मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सेक्टर एम-वन निवासी नितिन सिंह का दूसरा मकान इलाके में ही सेक्टर-के1 में है।

पीड़ित ने बताया कि 23 फरवरी की रात करीब पौने दो बजे चार चोर उनके निर्माणाधीन मकान में घुसे। चोर मकान में लगे बिजली के तार और वहां रखी कई मशीनें चोरी कर ले गए।

धनवारा स्थित राइजिंग सन विजडम स्कूल के वार्षिकोत्सव में नृत्य प्रस्तुत करते बच्चे।

स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

अमृत विचार, मोहनलालगंज: मोहनलालगज क्षेत्र के धनवारा स्थित राइजिंग सन विजडम स्कूल का वार्षिकोत्सव शुक्रवार को मनाया गया।मुख्य अतिथि कर्नल ए. के. शुक्ला ने सीईओ मानवेन्द्र सिंह व प्रधानाचार्य सुप्रीत सिंह ने का शुभारंभ किया। गणेश वंदना और स्वागत गीत के बाद प्ले ग्रुप के बच्चों ने "चंदा ने पूछा तारों से सबसे प्यारा कौन हैपापा मेरे पापा" गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने 'कलयुग', 'महाभारत', 'नारी शक्ति', 'चाइल्ड लेबर' तथा 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर नाटकों की प्रस्तुति दी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य ने काला फीता बांध किया सत्याग्रह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रादेशिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा संघ के आवाहन पर शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में चिकित्साधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर सांकेतिक सत्याग्रह किया है।

इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और कोर्ट आदि में तैनात चिकित्साधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवि भारती ने बताया कि 1992 से लागू मुख्य सचिव समिति के आदेश और प्रमुख सचिव सुनीता कांडपाल के अधिष्ठान संबंधी आदेश के बावजूद अभी तक संवर्ग के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण पिछले 20 वर्षों से इस संवर्ग के अधिकारियों को प्रोन्नति नहीं मिली है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चिकित्साधिकारी वर्तमान में दो विभागों के बीच फंसे हुए हैं और सरकार की निष्क्रियता से यह स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। सत्याग्रह के माध्यम से चिकित्साधिकारियों ने सरकार से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की और अपने हक एवं संवर्गीय हितों के लिए एकजुटता दिखायी। इस विरोध प्रदर्शन में राज्यभर के प्रमुख जिलों से अधिकारी शामिल हुए और अपने अधिकारों एवं प्रोन्नति से जुड़े मुद्दों को सार्वजनिक मंच पर उठाया।

कथित नेता ने हड़पी स्कूटी, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : खुद को भाजपा में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव बताने वाले व्यक्ति पर एक युवक ने स्कूटी हड़पने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर हसनगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। डालीगंज निवासी पंकज गौतम का आरोप है कि खुद को भाजपा में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव बताने वाले जीशान खां निवासी भदेवां बाजारखाला ने जाति सूचक गालियां दी। सजावट के सिलसिले में जीशान से मुलाकात हुई थी। व्यवसाय के लिए अनुदान दिलाने का झांसा दे दस्तावेज पर साइन कराकर स्कूटी खरीद ली थी।

भाजपा का एक गिरोह देश को चला रहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राजनीतिक दल नहीं गैंग है। भाजपा की राजनीति चालाकी से प्रेरित है। भाजपा कम्युनल और नफरत की वाहक है। भाजपा का एक गिरोह देश को चला रहा है। इस गैंग से छुटकारा का रास्ता यूपी से ही निकल सकता है। भाजपा ने सत्ता का दुरूपयोग करने के सिवाय कुछ नहीं किया।

सपा प्रमुख, शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में सपा इन्टलेक्चुअल फोरम की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कारण देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तहस-नहस हो रही है। भाजपा ने नई पीढ़ी को अंधेरे में धकेल दिया है। प्रगतिशील समाज में पाखंड और अंधविश्वास का कोई स्थान नहीं हो सकता है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र पूरी तरह से बर्बाद है। मुख्यमंत्री विदाई पर्यटन पर हैं और अब जो एमओयू हो रहे है उनका क्या भविष्य है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीति भ्रामक और वीभत्स है। भाजपा सरकार ने पूरा बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। भारत के बाजार और जमीन पर विदेशियों की नजर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बताएं कि आजादी के समय देश का क्षेत्रफल कितना था और आज क्षेत्रफल कितना है। बैठक में बुद्धिजीवी और शिक्षाविद ने कहा कि भाजपा ने बुद्धिजीवियों समेत समाज के सभी वर्गों को घोर निराशा में फंसा दिया है। भाजपा ने देश को ऐसे भंवर में फंसा दिया है, जिसका कोई ओर छोर नहीं है। आधुनिक समाज के संदेश वाहक अखिलेश पर ही देश को भरोसा है।

हेड कांस्टेबल के मकान में लाखों की चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता, सरोजनीनगर

- आरोपियों के पास से लाखों के जेवर व रुपये बरामद

अमृत विचार: हेड कांस्टेबल के मकान में तीन माह पहले हुई लाखों की चोरी का खुलासा करते हुए सरोजनीनगर पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से रुपये व लाखों के जेवर बरामद हुए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

मूल रूप से प्रतापगढ़ जिले के कोतवाली देहात स्थित सराय आनादेव निवासी कृष्ण प्रताप सिंह वर्तमान में अयोध्या में हेड कांस्टेबल के पद पर हैं। वह सरोजनीनगर के अमौसी स्थित गंगानगर में परिवार संग रहते हैं। 22 नवंबर को वह परिवार के साथ अपने पैतृक गांव गए थे। 24 नवंबर को जब वह वापस लौटे तो घर का मेन गेट का ताला टूटा था। चोरों ने कमरों और अलमारी के ताले तोड़कर करीब 25 लाख रुपये के गहने चोरी कर लिए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पड़ताल शुरु की। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि छानबीन के दौरान सरोजनीनगर पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा।

शिविरों में 66 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- छह जिलों में आउटरीच कार्यक्रम के तहत सुनी गई समस्याएं

अमृत विचार: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ ने लखनऊ के अलावा रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर खीरी में जिला स्तरीय आउटरीच कार्यक्रम 'निधि आपके निकट 2.0' का आयोजन किया।

इन शिविरों में 88 शिकायतें आईं जिसमें 66 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। इस माह 'कर्मचारी नामांकन अभियान' के तहत नियोक्ताओं को कर्मचारियों का ईपीएफ सामाजिक सुरक्षा दायरे में नामांकन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। ई-नामांकन प्रक्रिया, उसके लाभ और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। सदस्यों को यूएएन एक्टिवेशन, डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) और उमंग ऐप के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। नियोक्ताओं व श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। प्रयास' पहल के तहत फरवरी में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके अंतिम कार्यदिवस पर ही पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) सौंपे गए। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने कहा कि यह पहल संगठन की पारदर्शिता और समयबद्ध सेवा के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाती है

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पीपीओ सौंपते क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता।

कार सवार का सिर फोड़ा

अमृत विचार, लखनऊ: सुशांत गोल्फ सिटी स्थित किसान पथ पुल के नीचे मामूली टक्कर लगने के बाद कार सवार धर्मेंद्र पाठक को बाटी-चोखा के दुकानदारों ने पीटकर सिर फोड़ दिया। बवाल की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को सीएचसी गोसाईगंज भेजा। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई के बजाए साक्ष्य मांगने लगी। पीड़ित ने थाने में शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

समीक्षा

उप मुख्यमंत्री ने ग्रेटर नोएडा में बैठक लेकर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानी

गुणवत्तापरख स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चिकित्सालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर, मूलभूत सुविधाएं, साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, साइनेज और सिटीजन चार्टर को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्रवार को गौतम बुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर मंडलों की विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अस्पतालों में मरीजों के तीमारदारों के लिए रैन बसेरा, पर्याप्त दवाएं और मानकानुसार उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सभी जिला अस्पतालों में एमआरआई, आईसीयू, सीटी स्कैन और डायलिसिस सेवाओं को दुरुस्त रखने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने हेल्थ एटीएम की क्रियाशीलता, फायर एक्सटिंग्विशर की उपलब्धता और नियमित फायर ऑडिट सुनिश्चित करने को कहा। एंबुलेंस सेवाओं की सक्रियता, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की निगरानी और स्टाफ की यूनिफॉर्म अनिवार्यता पर भी निर्देश दिए गए।

ब्रजेश पाठक ने बताया कि 29 अक्टूबर 2025 से प्रदेश में मंडलीय समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अब तक आठ मंडलों में समीक्षा हो चुकी है। हाल ही में मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर मंडलों के 14 जनपदों की 2437 चिकित्सा इकाइयों का निरीक्षण 117 टीमों द्वारा किया गया, जिनमें जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। निरीक्षण में मिली कमियों पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है

त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

■ अमृत विचार, लखनऊ: होली पर आमजन की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रदेशभर में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश मुख्यमंत्री द्वारा परिवहन विभाग-निगम के अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद जारी किए गए। उन्होंने कहा, त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिवहन मंत्री ने शुक्रवार को निर्देश दिए कि बसों की संख्या और फेरों को बढ़ाया जाए, विशेषकर 28 फरवरी से 9 मार्च तक, ताकि यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा मिल सके। लम्बी दूरी की बसों में दो ड्राइवर अनिवार्य होंगे और प्रत्येक रूट पर अतिरिक्त बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। परिवहन निगम की सभी बसों में ईटीएम की शतप्रतिशत उपलब्धता अनिवार्य होगी। उन्होंने अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष जांच अभियान चलाने, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और बिना हेलमेट-सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों पर निगरानी रखने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में तैनात रहें और आमजन के फोन अवश्य उठाएँ। बस स्टेशनों में शुद्ध खान-पान, निर्धारित पार्किंग, और वैकल्पिक बसों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे होली का पर्व उत्साह और सौहार्द के साथ मनाएं, लेकिन यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता दें। बैठक में अपर मुख्य सचिव परिवहन अर्चना अग्रवाल, प्रबंध निदेशक परिवहन निगम प्रभु एन सिंह, परिवहन आयुक्त किंजल सिंह और विशेष सचिव परिवहन खेमपाल सिंह उपस्थित रहे।

मारपीट भाजपा नेता समेत 30 पर एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जमीन के विवाद में हुई थी दो पक्षों में मारपीट

अमृत विचार: मोहनलालगंज के हुलाखेड़ा में जमीन के विवाद में गुरुवार को दो पक्ष भिड़ गये। मामले में पीड़ित ने भाजपा नेता हंसराज समेत 30 लोगों के खिलाफ डकैती, बलवा व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हितांश शुक्ला हुलासखेड़ा स्थित फार्म हाउस पर अपने परिचित क्षितिज त्रिपाठी व कार चालक सुनील के साथ मौजूद थे। कुछ लोग जमीन बेचने का दबाव बना रहे है। फार्म हाउस पर प्रवेश सिंह, भाजपा नेता हंसराज सहित 25 से तीस लोगों ने हमला कर दिया। आरोप है कि मारपीट कर उनके पचास हजार रुपये, मोबाइल फोन छीन लिया गया।

वहीं, भाजपा नेता हंसराज के मुताबिक दूसरे पक्ष को जमीन का चार करोड़ से अधिक रुपया दे रखा है वह लोग जमीन की रजिस्ट्री नही कर रहें है। गुरुवार को सिर्फ कहासुनी हुई थी। उन पर डकैती का फर्जी रिपोर्ट दर्ज करवा दिया है। उन्होने भी तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नही किया। इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 28 फरवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति ने की चेयरमैन के बयान की निंदा

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन द्वारा तकनीकी संवर्ग के संबंध में दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन का प्रबंधन पूर्णत: निरंकुश रवैया अपना रहा है। आरोप लगाया कि विशेष रूप से चेयरमैन का मनमाना आचरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। तकनीकी संवर्ग जैसे जिम्मेदार और समर्पित कर्मचारियों के बारे में गलत शब्दों का प्रयोग करना अशोभनीय तो है, बल्कि पूरे कर्मचारी वर्ग का अपमान भी है। मांग की है कि चेयरमैन अपने इस असंवेदनशील बयान को वापस लें।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर रोक से सत्य की जीत : अजय राय

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से धर्म और सत्य की जीत हुई है। अदालत ने संविधान और विधि के अनुरूप निष्पक्ष निर्णय देकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। शंकराचार्य का अपमान पूरे सनातन धर्म का अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रदर्शन किया था। कांग्रेस इस लड़ाई को सड़क से लेकर सदन तक पूरी ताकत के साथ लड़ेगी। संत समाज के सम्मान पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मृतक आश्रितों को अगले तीन माह में नौकरी

अमृत विचार, लखनऊ : सरकारी विभागों में अनुकंपा में मिलने वाली नौकरी को लेकर बेवजह विलंब किए जाने की शिकायतों को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है और मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी प्रकरणों का निस्तारण अधिकतम तीन माह के भीतर पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सभी विभागों को पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि परिवारों को राहत मिल सके। कार्मिक अनुभाग-2 की ओर से शुक्रवार को जारी आदेश सभी अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को भेजा गया है। शासन ने स्पष्ट किया है कि मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती (यथासंशोधित) नियमावली-1974 का उद्देश्य आकस्मिक मृत्यु के बाद परिवार को आर्थिक संकट से उबारना है।

मनरेगा कर्मियों को होली पर भी मानदेय नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मनरेगा के तहत कार्यरत कर्मियों को सात माह से मानदेय नहीं मिला है। कई जिले ऐसे हैं जहां 10 माह से बकाया है। इनमें अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, लेखा सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर जिला व ब्लॉकों पर तैनात हैं। सबसे अधिक संख्या ग्राम रोजगार सेवकों की 44 हजार के आसपास है। मनरेगा की सोशल ऑडिट सेल का हाल भी खराब है। यहां तैनात सदस्यों को आठ माह से मानदेय नहीं मिला है। दिवाली पर भी इन्हें मानदेय नहीं मिला था और होली पर भी भुगतान होने की कोई उम्मीद या प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। ऐसे में कर्मचारी बिना मानदेय काम कर रहे हैं। कई की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है न भरण-पोषण कर पा रहे न ही बच्चों की पढ़ाई और उपचार करा पा रहे। श्रमिकों को भी मजदूरी नहीं मिली है। मनरेगा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश संयोजक भूपेश कुमार सिंह ने बताया कि बराबर मानदेय के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सुनवाई कहीं पर नहीं हो रही है।

तस्करों के खिलाफ चलेगा आपरेशन प्रहार

अमृत विचार, लखनऊ : डीजीपी राजीव कृष्ण ने नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ आपरेशन प्रहार चलाने के निर्देश दिए हैं। अभियान एक मार्च रविवार से 31 मार्च तक चलाया जाएगा। इस दौरान जिस जिले की पुलिस उत्कृष्ट कार्य करेगी, उसे सम्मानित भी किया जाएगा। डीजीपी ने कहा है कि अभियान के दौरान जहां बरामद नशीले पदार्थ को कानून सम्मत नष्ट किया जाय। नष्ट करने की प्रक्रिया की पूरी तरह से वीडियोग्राफी और फोटो भी कराए जाएं। साथ रही उसका कारोबार करने वाले तस्करों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा है कि आपरेशन दहन के माध्यम से थाने के मालखानों में लंबित नशीले पदार्थ का समयबद्ध निस्तारण करके भंडारण के जोखिमों को कम किया जाएगा। प्रदेश के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा प्रदेश भर में चलाए जा रहे इस अभियान की मानीटरिंग की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी ढेर

एसटीएफ और आगरा पुलिस की संयुक्त टीम की रणदीप भाटी और अमित कसाना गैंग के शूटर से हुई मुठभेड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट व आगरा पुलिस की संयुक्त टीम की 50 हजार के इनामी बदमाश से शुक्रवार देर शाम को मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ हुई फायरिंग में रणदीप भाटी व अमित कसाना गिरोह का शूटर पवन उर्फ कल्लू घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ आगरा के एकता थानाक्षेत्र में हुई।

एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक मृतक बदमाश पवन उर्फ कल्लू गाजियाबाद के लोनी स्थित सिरौली का रहने वाला था। पवन आगरा कमिश्नरेट के ताजगंज थाने में रंगदारी के मामले में फरार चल रहा था। उस पर आगरा कमिश्नरेट ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक पवन उर्फ कल्लू शासन द्वारा चिह्नित कुख्यात रणदीप भाटी व अमित कसाना गिरोह का शूटर था। उसके खिलाफ हत्या के चार, रंगदारी के दो समेत 18 आपराधिक मामले दर्ज थे। वर्ष 2021 में हत्या के मामले में उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस दौरान वह दिल्ली से गिरफ्तार होकर जेल गया था।

जेल से छूटने के बाद हुआ था सक्रिय

- पुलिस के मुताबिक जेल में रहने के दौरान पवन का संपर्क हरियाणा के कुख्यात हिमांशु भाऊ गिरोह से संपर्क हो गया। वर्ष 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने बड़े पैमाने पर रंगदारी मांगनी शुरू कर दी। वह हिमांशु भाऊ गिरोह के साथ मिलकर दिल्ली व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के फिराक में था। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने पवन के पास से कारतूस व असलहे बरामद किये है। एसटीएफ और आगरा पुलिस पवन के करीबियों की तलाश में दबिश दे रही है।

आरोपी पवन

तुर्किए से टेरर फंडिंग कराने वाला गिरफ्तार

- **अमृत विचार, लखनऊ :** एटीएस ने गुरुवार देर शाम को अमरोहा से तुर्किए से टेरर फंडिंग कराने वाले आरोपी अल्तमश फरीदी को गिरफ्तार किया है। वह नेपाल भागने के फिराक में था। इस मामले में एटीएस ने उसके साथी फरहान नबी सिद्दीकी को पिछले वर्ष नोएडा से गिरफ्तार किया था। उसी समय एटीएस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया था। एटीएस के मुताबिक गिरफ्तार अल्तमशन फरीदी अमरोहा के रजबपुर का रहने वाला है। उसके बारे में फरहान नबी ने जानकारी दी थी। एटीएस की जांच में सामने आया कि फरहान और अल्तमश ने तुर्किए में ''एचईवाईडी'' नाम से एक वेबसाइट बनाई थी। जिसके जरिए तुर्किए के नागरिकों से कट्टरपंथी गतिविधियों के लिए धन जुटाया जाता था। आरोपियों के बैंक खातों का इस्तेमाल तुर्किए से हवाला एवं अन्य माध्यमों से आये धन को मेसर्स इस्तानबुल इंटरनेशनल प्रा. लि. कंपनी के खातों एवं अन्य आरोपियों के खातों में घुमाने करने के लिए किया जा रहा था। जिसका प्रयोग भारत की आंतरिक सुरक्षा को खतरे में डालने तथा विभिन्न समूह के बीच धार्मिक वैमनस्यता फैलाने के लिये किया जा रहा था। इनके माध्यम से भड़काऊ इस्लामिक साहित्य बांटे जाते थे। अल्तमश ने रजबपुर में एक अवैध मदरसे की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मदरसे का प्रयोग इसी उद्देश्य के लिए किया जा रहा था। आरोपी के पास से मोबाइल, आधार कार्ड व पैन कार्ड बरामद हुआ। एटीएस अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

आरोपी अल्तमश

संविदा पर 225 एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती रद्द की गई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 241 विशेषज्ञों की नई भर्ती के लिए विज्ञापन जारी

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में तैनाती की उम्मीद लगाए 225 एमबीबीएस अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है। स्वास्थ्य विभाग ने अनुबंध (संविदा) के आधार पर की जा रही भर्ती को निरस्त कर दिया।

स्वास्थ्य महानिदेशालय ने 19 से 21 जनवरी के बीच एमबीबीएस डॉक्टरों के साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। इसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। प्रक्रिया पूरी होने के बाद 225 डॉक्टरों ने विभिन्न जनपदों में रिक्त पदों के अनुसार सीटें लॉक कर दी थीं। अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि नियुक्ति पत्र जल्द जारी होंगे, लेकिन 26 फरवरी को स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण ने भर्ती प्रक्रिया निरस्त करने के आदेश जारी कर दिया। भर्ती रद्द होने पर अभ्यर्थियों का कहना है कि सीट लॉक करने के बाद ऐसा फैसला समझ से परे है। कई अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए हैं और स्पष्ट कारण बताने की मांग की है।

महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण ने कहा कि अनुबंध के आधार पर एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती निरस्त कर दी गई है। 241 पदों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। इसका विज्ञापन निकाला गया है। इससे अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर होगी।

पांच वर्ष में अरबों समेट दुबई भागा था राशिद नसीम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दुबई के बुर्ज खलीफा में बनाया ठिकाना, वहीं संचालित कर रहा था सिंडिकेट

अमृत विचार : प्रयागराज के करेली की गलियों से निकलकर रियल एस्टेट कंपनी शाइन सिटी संचालित करने वाला राशिद नसीम महज पांच वर्षों में अरबों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया। बिना भूखंड के हजारों लोगों से रुपये ठगे। जब वसूली व कब्जे के लिए दबाव बना तो पहले यूपी छोड़ दिल्ली गया। इसके बाद दुबई निकल गया। वहां बुर्ज खलीफा में ठिकाना बनाया। फिर सिंडिकेट का संचालन शुरू कर दिया। लगातार दर्ज हो रहे मामलों से पुलिस पर दबाव बढ़ा। शासन ने मामले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन को सुपुर्द कर दिया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक प्रयागराज में करेली का रहने वाला राशिद नसीम शाइन सिटी की स्थापना 2013 में की। पहला कार्यालय प्रयागराज में खोला। इसके छह माह के अंदर ही उसने गोमतीनगर के एसआरएस मॉल के सामने लग्जरी कार्यालय खोला। जहां चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों की नजर व निजी सुरक्षाकर्मियों की निगरानी रहती थी। यहीं से पूरे सिंडिकेट को संचालित करना शुरू किया। महज तीन वर्ष में पूरे देश में अपने एजेंटों के जरिये नेटवर्क फैलाया। अरबों रुपये भूखंड पर निवेश कराये। पुलिस के मुताबिक 2016 में राशिद नसीम लखनऊ छोड़ दिया। उसके कार्यालय पर निवेशकों और भूखंड खरीदने वालों का प्रदर्शन शुरू हो गया। इसके बाद कुछ दिनों तक वह दिल्ली में रहा। लगातार एफआईआर दर्ज होने लगे। पूरे प्रदेश में ताबड़तोड़ पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। हालांकि किसी भी जिम्मेदारों को गिरफ्तार करने के बजाए पुलिस एजेंटों को भेजकर अपनी पीठ थपथपाती रही। दबाव बढ़ा तो राशीद ने दुबई का रुख कर लिया।

अब तक 63 आरोपी जा चुके हैं जेल

- शाइन सिटी ग्रुप से जुड़े फर्जीवाड़े में पुलिस और ईओडब्ल्यू ने अब तक 63 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें सीएमडी राशिद नसीम, उसका भाई एमडी आसिफ नसीम, मनीष जायसवाल (उपाध्यक्ष) की सितंबर 2024 में गिरफ्तारी की गई। ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, मोहम्मद अकरम, शशि बाला, अभिषेक सिंह, दुर्गा प्रसाद, उद्धव सिंह, अमिताभ श्रीवास्तव, मीरा श्रीवास्तव समेत कई लोग शामिल हैं। जांच में सामने आया कि रेरा में सिर्फ 58 भूखंडों का रजिस्ट्रेशन था, लेकिन शाइन सिटी ने तीन हजार से अधिक की बुकिंग दिखाई थी। अब तक कुल 266.70 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गईं, जिनमें लखनऊ के मोहनलालगंज में 24 कृषि भूमि (47.80 करोड़), बाराबंकी में 6 आवासीय भूखंड (16.5 करोड़), हरियाणा के रेवाड़ी में स्प्रिंगडेल प्रोजेक्ट में कॉमर्शियल संपत्तियां (9.27 करोड़), बिहार के पटना में 20 करोड़ की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं।

स्पीक एशिया के एजेंट से बन गया 36 कंपनियों का मालिक

इंद्र भूषण दुबे, लखनऊ

- किसानों से किराए पर भूखंड ले अपना बता कराया अरबों का निवेश
- एजेंटों को टारगेट पूरा करने पर टीम को देता था लग्जरी कारें

अमृत विचार: शाइन सिटी ग्रुप का सीएमडी राशिद नसीम ने जालसाजी व निवेश के नाम पर ठगी का धंधा स्पीक एशिया नाम की कंपनी से सीखा। वह इस कंपनी में करीब पांच वर्ष तक मामूली एजेंट की तरह काम करता रहा। इसके बाद कंपनी निवेशकों के रुपये हड़पकर भाग गई। फिर राशिद ने रियल एस्टेट कंपनी की स्थापना की। राशिद की कंपनी शाइन सिटी के पास मात्र कुछ बीघा ही जमीन रजिस्ट्री थी। वह किसानों से किराये पर भूखंड लेकर अपना बताता था। जिस पर निवेशकों से रुपये वसूलता था। एजेंटों का बड़ा नेटवर्क खड़ा किया। टारगेट पूरा करने पर उनको कमीशन के अलावा लग्जरी कारें तक गिफ्ट में दी।

राशिद नसीम दो दशक पहले मल्टी लेवल मार्केटिंग कंपनी स्पीक एशिया का एक मामूली एजेंट था। कंपनी की ठगी की योजनाएं समझने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी और लखनऊ आ गया। यहां उसने हजरतगंज के डालीबाग इलाके में स्थित ग्रैंड न्यू अपार्टमेंट में एक पेंट हाउस खरीदा। जनवरी 2013 में उसने शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से रियल स्टेट कंपनी शुरू की। कंपनी का ऑफिस गोमतीनगर के आर स्क्वायर मॉल में बनाया। सस्ते दाम में प्लाट का झांसा देकर उसने ठगी का मायाजाल फैलाना शुरू किया। राशिद ने किसानों से कुछ जमीनें ही रजिस्ट्री कराई थी। इसके बाद राजधानी के सटे जिलों में अपना नेटवर्क खड़ा करना शुरू किया। राजधानी के आउटर इलाकों में किसानों से उनके खेत कंपनी के नाम पर किराए पर लेता। एग्रीमेंट में उनको 25 से 50 हजार रुपये हर माह का किराया दिखाता था। किराये पर लिये गये खेतों में अपनी कंपनी के होर्डिंग व बोर्ड लगाकर एजेंट तैनात किए। किसान भी आसानी से खेती करने के साथ ही किराया मिलने के कारण तैयार हो जाते थे। राशिद ने पूरे प्रदेश और फिर देश के कई राज्यों में नेटवर्क फैलाया। आकर्षक कमीशन का लालच देकर उसने छोटे-छोटे जिलों और शहरों में अपने एजेंट तैयार किए। इन एजेंट के जरिए उसने लोगों से निवेश में मुनाफा, प्लॉट और मकान देने के नाम पर सैकड़ों करोड़ रुपया इकट्ठा किया। वहीं, निवेशकों को योजनाएं बताकर सालभर के बाद लाभ देने की बात कहता। शुरूआत में निवेशकों को लाभ दिया। जिसके कारण भरोसा भी बढ़ने लगा। दो वर्ष के अंदर ही राशिद ने अपना असली रुप दिखाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मुनाफा देना बंद किया। निवेशक उसके कार्यालय के चक्कर काटने लगे। हर बार कोई बहाना बनाकर टाल देता था। इसे लेकर कई बार प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शन का दौर शुरू हुआ तो राशिद व उसके भाई आसिफ ने कार्यालय आना बंद कर दिया। करीब 3 वर्ष में कंपनी बंद कर दिया। पर, कागजों व एजेंटों के भरोसे संचालित होता रहा। इसके बाद दोनों भाई दुबई भाग गए।

तीन दर्जन से अधिक कंपनियां खोली

- इसी दौरान राशिद नसीम ने दुबई से ही कई नई कम्पनियां शुरू कीं. उसने शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड, शाइन सिटी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी इरेक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी डवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी कॉलोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी चैरटीयर्स ऑफ रिलायबल सर्विसेजज प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी फूड्स एंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, शाइन जॉइन ज्वेलरी ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड, क्लिक फॉर लाइफ यात्रा प्राइवेट लिमिटेड, शाइन ऐमार इंश्योरेंस मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, शाइन केम्फलो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गीत ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड, शाइन सिटी अकेडमी ऑफ एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, अराइज इंफ्रा प्रॉपर्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के अलावा इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेस, इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस, पर्सनल केयर उत्पादों की कम्पनियां और वर्चुअल करेंसी एसवीसी का काला कारोबार शुरू किया।

टारगेट पूरा करने पर टीम को देता था लग्जरी कारें

- राशिद अपनी टीम के लोगों और निवेशकों से संपर्क कर लगातार उनकी रकम वापस देने का भरोसा दिलाता रहा। साथ ही और निवेश के लिए प्रोत्साहित करता रहा. टीम के सदस्यों के लिए उसने आकर्षक स्कीमें भी लांच की। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट और अन्य अफसरों के लिए 75 लाख का टारगेट पूरा करने पर एक एसयूवी और दुबई में दो रातों और तीन दिन का पैकेज देता था। इसी तरह 50 लाख के टारगेट पर लग्जरी कार, 25 लाख के टारगेट पर सामान्य कार और फॉरेन टूर के अलावा 15 लाख रुपये के टारगेट पर सिर्फ फॉरेन टूर देता था।

दुबई से कई देशों में शुरू किया कारोबार

- सूत्रों के मुताबिक राशिद नसीम ने दुबई जाकर खुद को ग्लोबल ब्रांड घोषित कर दिया। साल 2018 में उसने यूएसए, लंडन, न्यूजीलैंड, कनाडा, डेनमार्क, स्वीडन, आयरलैंड, हांगकांग, सिंगापुर, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, मलेशिया, जॉर्जिया देशों में अपनी कम्पनियां शुरू करने का एलान किया। राशिद नसीम ने रियल एस्टेट में ग्रुप हाउसिंग, फ्लैट, कामर्शियल प्रॉपर्टी, आवासीय और व्यावसायिक प्लॉट, रो हाउसिंग के प्रोजेक्ट बनाए. इलेक्ट्रॉनिक्स में उसने एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव ओवन, मिक्सर-ग्राइंडर, पंखे समेत अन्य घरेलू उत्पाद लांच किए। इसके अलावा राशिद ने बढ़ती उम्र को रोकने के लिए जल क्रांति के स्लोगन के साथ अल्कलाइन वॉटर कंपनी केम्फलो लांच की। शाइन केम्फलो नाम की कंपनी अल्कलाइन वॉटर प्योरिफायर सिस्टम और मशीन के अलावा अल्कलाइन वॉटर पॉट्स, अल्कलाइन वाटर जग, बॉटल, स्टिक बनाती थी। काफी महंगी मशीन वो सिर्फ 1650 रुपये में बेचता था।

गीत ज्वैलरी के नाम खोली कंपनी, किया हीरों का कारोबार

- राशिद ने गुजरात के एक कारोबारी के साथ मिलकर साल 2017 में हीरों का कारोबार शुरू किया। उसने गीत ज्वैलरी का नाम से कंपनी शुरू की। उसके ज्यादातर क्लाइंट कम्पनी के ही अधिकारी-कर्मचारी और एजेंट थे। राशिद सबको उनकी परफार्मेंस के आधार पर प्वाइंट्स देता था और फिर ज्वैलरी खरीदने पर प्वाइंट्स रिडीम कराता था। इससे जहां लोगों को ज्वैलरी काफी कम दामों में मिल जाती थी। वहीं, राशिद को खूब बिजनेस मिलता था। वहीं, राशिद ने कंपनी से जुड़े लोगों के लिए 50 परसेंट रेट पर लग्जरी कारों की स्कीम शुरू की थी। कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को इन्वेस्टमेंट के टारगेट पूरे करने पर उन्हें प्वाइंट्स मिलते थे। लग्जरी कार लेने वालों को वो प्वाइंट्स रिडीम करने पर कार की कीमत में 50 परसेंट छूट देता था। आधे दाम पर लग्जरी कार पाने के लिए कम्पनी के लोगों ने उसे खूब बिजनेस दिलाया।

554 एफआईआर के आधार पर ईडी ने शुरू की जांच

- शाइन सिटी ग्रुप ने रियल एस्टेट योजनाओं मल्टी-लेवल मार्केटिंग स्कीम के जरिए लोगों को में लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर करीब 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश कराया। इसके बाद कंपनी बंद कर सभी जिम्मेदार फरार हो गये। दुबई से करीबी लोगों के जरिये कारोबार संचालित कर रहा था। उसके खिलाफ यूपी में 554 मामले दर्ज हैं। इसी आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच शुरू की। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने सस्ते प्लॉट, फ्लैट और आसान किस्तों के नाम पर निवेशकों से धन लिया, लेकिन वादे के अनुरूप परियोजनाएं जमीन पर नहीं उतारी गईं।

मीन महोत्सव में केंद्रीय और प्रदेश सरकार के मंत्रियों के साथ लोग।

मत्स्य पालन में विज्ञान व तकनीक का उपयोग करें: डॉ.संजय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में पहली बार आयोजित हुआ 'मीन महोत्सव-2026'

अमृत विचार : मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि राज्य में मत्स्य विकास दर 115.5 प्रतिशत है। उन्होंने अमृत सरोवरों को मछली पालन योग्य बनाने, तालाबों के पट्टे समय से दिलाने, मत्स्य पालन में विज्ञान एवं तकनीक के उपयोग पर विशेष बल दिया।

उन्होंने अनुदान के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान देकर मत्स्य पालकों के विकास एवं सशक्तीकरण पर जोर दिया। मत्स्य विकास मंत्री, शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दो दिवसीय मीन महोत्सव-2026 (एक्वा एक्सपो) का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में पिछले छह वर्षों में दोगुनी वृद्धि हुई है और प्रदेश भारत का तीसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक राज्य बन चुका है। इस अवसर पर मौजूद केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायतीराज राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने आधुनिक तकनीकों और केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से किसानों को समृद्ध बनाने का यह एक समन्वित मंच है। कार्यक्रम में देश-प्रदेश के लगभग 1000 मत्स्य पालक शामिल हुए, जबकि 50 प्रतिष्ठित कंपनियों ने औद्योगिक प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाये। महोत्सव में फिश फूड कोर्ट, प्रोटीन जागरूकता कार्यक्रम और लाइव तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इसमें मत्स्य बीज उत्पादन, कैट फिश फार्मिंग, झींगा पालन, केज कल्चर और आर्नामेंटल फिश फार्मिंग पर विशेषज्ञों द्वारा प्रजेंटेशन दिया गया। इस आयोजन के माध्यम से किसानों को आधुनिक तकनीकों, योजनाओं और बाजार से सीधे जुड़ाव का अवसर मिला। कार्यक्रम में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में मत्स्य उत्पादन पिछले छह वर्षों में दोगुना होकर 13.3 लाख मीट्रिक टन हो गया है और राज्य में मत्स्य विकास दर 115.5 प्रतिशत है। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए बिजली आपूर्ति और एनएफडीबी सेंटर खोलने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव मत्स्य मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि इस महोत्सव से मत्स्य पालन को औद्योगिक स्तर पर विकसित करने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

समझौता | लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड के साथ साइन किया एमओयू

बलरामपुर चीनी मिल्स को मिला इंस्टीट्यूशनल ऑर्डर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड के पीएलए वर्टिकल, बलरामपुर बायोयुग ने लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड से अपना पहला ऑफिशियल इंस्टीट्यूशनल ऑर्डर हासिल किया है, जो भारत के उभरते बायो-बेस्ड मटीरियल इकोसिस्टम के लिए मील का पत्थर है। इस ऑर्डर में कम्पोस्टेबल कचरा बैग, 300 एमएल बायो-बेस्ड पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) बोतल, थ्रीडी-प्रिंटेड पीएलए कम्पोस्टेबल पेन और पीएफए फोल्डर शामिल हैं।

यह ऑर्डर बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड द्वारा कुंभी उप्र में बनाई गई भारत की पहली घरेलू इंडस्ट्रियल-स्केल पीएलए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के चालू होने से पहले आया है। इसे अक्टूबर 2026 में चालू किया जाएगा। इस संबंध में गुरुवार को बलरामपुर चीनी मिल्स ने लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड से एमओयू किया। लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ अभिषेक राठौर ने कहा कि लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड ने वेस्ट मैनेजमेंट के तरीकों को सिस्टेमेटिक तरीके से मजबूत किया है और हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक आइटम पर बैन लगाया है।

बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अवंतिका साराओगी ने कहा कि लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड का यह ऑर्डर सिर्फ एक प्रोक्योरमेंट माइलस्टोन से कहीं ज्यादा है क्योंकि यह भारत की उभरती बायोपॉलिमर क्षमताओं में इंस्टीट्यूशनल भरोसे का संकेत देता है। ऑपरेशनल कैटेगरी में कम्पोस्टेबल पीएलए प्रोडक्ट को अपनाना दिखाता है कि सस्टेनेबल मटीरियल अब एक्सपेरिमेंटल विकल्प नहीं हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर इंस्टीट्यूशनल इस्तेमाल के लिए भरोसेमंद, परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड सॉल्यूशन हैं।

5 जून को वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पर होगा कार्यक्रम

वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पांच जून को बायोयुग और लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड मिलकर लखनऊ कैंटोनमेंट में एक खास इवेंट करेंगे। कार्यक्रम भारत सरकार के डिफेंस मिनिस्ट्री के रिप्रेजेंटेटिव और दूसरे खास स्टेकहोल्डर्स की मौजूदगी में होगा, जो एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, जिम्मेदार मटीरियल ट्रांजिशन और डिफेंस जगहों में सिंगल-यूज प्लास्टिक को कम करने के लिए एक जैसी कमिटमेंट पर जोर देगा।

200 करोड़ के निवेश पर सहमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी की रेल अवसंरचना को मिलेगी वैश्विक तकनीक
- केशव मौर्य ने रेलवन से किया एमओयू, यूके निवेशकों से भी सहमति

अमृत विचार: प्रदेश में आधुनिक बुनियादी ढांचे और वैश्विक निवेश को मजबूती देने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जर्मनी दौरे के दौरान अग्रणी रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी रेलवन के साथ करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति बनी है।

उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने जर्मनी स्थित रेलवन के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का दौरा किया, जहां अत्याधुनिक रेलवे ट्रैक और कंक्रीट स्लीपर निर्माण प्रणाली का गहन अध्ययन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को लेकर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। इस सहयोग से उत्तर प्रदेश को उच्च गुणवत्ता वाली रेल इंफ्रास्ट्रक्चर तकनीक और अंतरराष्ट्रीय अनुभव का लाभ मिलने की संभावना है। जर्मनी प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री को सर्विस सेक्टर में निवेश की मजबूत संभावनाएं नजर आईं। ड्रोन तकनीक, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट सिटी, आईटी सेवाएं, स्किल डेवलपमेंट, हेल्थकेयर सपोर्ट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में जर्मन कंपनियों ने विशेष रुचि दिखाई।

प्रदेश में रेल अवसंरचना को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

- एमओयू के तहत उत्तर प्रदेश में आधुनिक रेल अवसंरचना के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत परिवहन नेटवर्क को गति मिलेगी। इससे न केवल औद्योगिक गतिविधियों को बल मिलेगा, बल्कि रोजगार सृजन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भी व्यापक सुधार की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश निवेशकों के लिए पूरी तरह तैयार है और सरकार हर स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करेगी।

अमृत विचार

शादी में रोड़ा देखकर फंदे से लटक गए प्रेमी युगल, जांच शुरू

सूरतगंज, बाराबंकी: मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में एक बंद पड़े मकान में युवक व किशोरी के फांसी के फंदे से लटकते शव मिलने से सनसनी फैल गई। यह दोनों प्रेमी युगल बताए जा रहे, वहीं इनके परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि परिजनों ने चुप्पी साध रखी है। घटना थाना क्षेत्र के लालपुर करौता गांव की है। यहां बंद पड़ी एक राइस मिल के पीछे मारूफ का मकान है। बताया जा रहा कि मारूफ परिवार सहित पिछले 20 वर्षों से बाराबंकी शहर में रह रहे हैं। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों ने मकान परिसर में लगे अमरूद के पेड़ से दुपट्टे के सहारे युवक और युवती के शव लटकते देखे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान दसवंतपुर गांव निवासी 22 वर्षीय हसनैन पुत्र उस्मान और लालपुर गांव निवासी 17 वर्षीय सीबा पुत्री पीर मोहम्मद के रूप में हुई।

परिजनों के अनुसार दोनों गुरुवार शाम करीब चार बजे से लापता थे। स्थानीय चर्चा है कि किशोरी के परिजन विवाह के लिए तैयार नहीं थे। हालांकि, दोनों परिवारों की ओर से एक-दूसरे पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाया गया है। घटनास्थल पर पेड़ के झुके होने और शवों के पैर जमीन से छूने को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। कुछ लोग आत्महत्या तो कुछ हत्या कर शव लटकाए जाने की बात कह रहे। वहीं थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा, हालांकि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है।

वृद्ध की जेब से उड़ाए एक लाख

निन्दूरा, बाराबंकी: दिनदहाड़े एक टेम्पो पर सवार सीतापुर के वृद्ध की जेब काटकर अज्ञात बाइक सवार एक लाख रुपये लेकर फरार हो गए। बदमाशों का पीछा करते समय वृद्ध सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची लेकिन वह इसे चोरी बता रही है। जानकारी के अनुसार यह घटना बड्डूपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महमूदाबाद कुर्सी मार्ग पर त्यागी दास कुटी के पास शुक्रवार की दोपहर हुई। सीतापुर जिला महमूदाबाद थाना क्षेत्र के कंडारी गांव निवासी रामेश्वर रावत किसी कार्यवश कुर्सी कस्बा आए थे। यहां से वापस जाने के लिए वह एक टेम्पो पर सवार हो गए, इसी बीच बाइक सवार तीन बदमाश टेम्पो के पास पहुंचे और बुजुर्ग की जेब काटकर एक लाख रुपये निकाल लिए।

11 वर्षीया किशोरी की संदिग्ध हालात में मौत, शव जलाया

हरदोई, अमृत विचार: 11 साल की किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने किसी को भनक भी नहीं लगने और पुलिस को बताये बिना शव भी जला दिया। इस बारे में पिता ने तबियत खराब होने की बात कही है। वहीं ग्रामीणों में एक युवक के साथ पकड़ने के बाद परिजनों द्वारा किशोरी की पिटाई की चर्चा है, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने ऐसी किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया है। कासिमपुर थाने के एक गांव में गुरुवार की देर रात 11 साल की किशोरी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शुक्रवार की भोर होने से पहले घर वाले उसका शव गांव के पूरब आरआरसी सेंटर के पास उठा ले गए और वहां लकड़ियां रखकर शव फूंक दिया। सुबह जब लोगों को पता चला तो चर्चा शुरू हो गई। कुछ ग्रामीणों के अनुसार किशोरी का एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गुरुवार की रात दोनों को एक साथ पकड़ा गया था। गुस्साये परिजनों ने किशोरी को घर ले जाकर इतनी बेरहमी से पिटाई कर दी कि उसकी मौत हो गई।

पुलिस की 7 मार्च तक छुट्टियां निरस्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: होली और रमजान को देखते हुए पुलिस की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने आदेश जारी किया है कि प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की एक मार्च से 7 मार्च तक छुट्टियां निरस्त रहेंगी। ये निर्देश प्रदेश के सभी डीजी, एडीजी आईजी और डीआईजी के साथ एसएसपी को भी जारी कर दिए गए हैं।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 18 श्रद्धालु घायल

सफीपुर, उन्नाव: मंदिर निर्माण के बाद उसमें मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व गंगा स्नान कराने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे 18 लोग दबकर घायल हो गए। पीछे चल रहे अन्य श्रद्धालुओं ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बता दें कि फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के कुजिगवां गांव में राधाकृष्ण मंदिर के पास ही ग्रामीणों के आपसी सहयोग से शिव मंदिर का निर्माण कराया गया है। जिसमें मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा है। शुक्रवार दोपहर करीब 7 ट्रैक्टर-ट्रालियों व निजी वाहनों से श्रद्धालु शिव-पार्वती, गणेश, नंदी व हनुमान जी की मूर्तियों को गंगा स्नान कराने बिठूर के लिए निकले थे। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी थे। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के मुख्यमार्ग ककरौरा गांव के पास एक ट्रैक्टर-ट्राली सड़क किनारे पलट गई। हादसा होते देख पीछे चल रहे भक्तों ने ट्राली के नीचे दबे लोगों को निकाल कर सफीपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने 14 को जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं 4 का इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना संख्या	1207–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ दिनांक 27.02.2026
कार्य का नाम	वाराणसी स्टेशन पर विभागीय यांत्रिक लॉन्ड्री के विस्तार/उन्नयन के संबंध में विद्युत कार्य।
अनुमानित लागत	रु.56,19,146.46/– (छप्पन लाख उन्नीस हजार एक सौ छियालीस रूपये एवं छियालीस पैसे मात्र)
ई–निविदा की कीमत	शून्य
बयाना राशि	रु. 1,12,400/– (एक लाख बारह हजार चार सौ रूपये मात्र)
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 24.03.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर चैक की जा सकती है।

सूचना सं0 1207–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ
दिनांक : 27.02.2026 679/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सूचना

भूखण्ड सं0–13, टाईप–ए, रकबा –288 वर्ग0 मी0 स्थित– बसंतकुंज योजना, सेक्टर –बी, हरदोई रोड, लखनऊ, में है। उपरोक्त सम्पत्ति को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अनूप कुमार के पक्ष में आंवटन जारी किया गया है। उपरोक्त सम्पत्ति का मूल आंवटन पत्र मेरे द्वारा कही खो गया है। जिसका प्रयोग किसी व्यक्ति या अन्य द्वारा अवैध माना जायेगा। **वर्तमान सम्पत्ति स्वामी अनूप कुमार**

सूचना

मैने अपना नाम लालता प्रसाद (LALTA PRASAD) से बदलकर लालता प्रसाद मौर्य (LALTA PRASAD MAURYA) रख लिया है। जबकि मेरी जॉब सर्विस बुक (रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक कैंट लखनऊ) में मेरा नाम लालता प्रसाद (LALTA PRASAD) दर्ज है। मेरा सही नाम लालता प्रसाद मौर्य (LALTA PRASAD MAURYA) ही है अब मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाता है। **लालता प्रसाद मौर्य पुत्र स्व छोटे लाल मौर्य निवासी– ग्राम इब्राहिमपुर, पोस्ट थावर (माल), थाना माल, लखनऊ।**

कार्यालय – प्रबन्धक / प्रधानाचार्य आर0 आर0 इण्टर कालेज

नघेटा रोड़ जनपद – हरदोई

पत्रांक–ए/परस/एक/निविदा/11841/2025–2026 दिनॉक– 27–02–2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विधायक निधि योजनांतर्गत आर0आर0 इण्टर कालेज, हरदोई में फर्नीचर कार्य हेतु 4.739 लाख रु0 की लागत (G.S.T सहित) से कार्य होने है। इस हेतु इच्छुक फर्मो से कोटेशन की निविदा सील बंद लिफाफे में आमंत्रित किये जाते है। जिसका शुल्क 1500 रु0 (G.S.T सहित) है। कोटेशन निर्धारित समय सीमा दिनाँक 27–02–2026 से दिनॉक 13–03–2026 तक सायं पांच बजे तक जमा किये जा सकते है।

पत्रांक– 1605 / परि0/ वि0नि0यो0 / 2025–26

प्रधानाचार्य
आर0 आर0 इण्टर कालेज हरदोई

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: 03-DYCEGA-2026

उप मुख्य इंजीनियर (गोरखपुर क्षेत्र), पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई–निविदा आमंत्रित करते है:–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरण: गोरखपुर में:– स.न.ई./उत्तर के कार्यक्षेत्र में नाली के निर्माण/मरम्मत का कार्य। अनुमानित लागत (रू.में.): ₹ 3,72,86,980.10, बयाने की राशि (रू.में.): ₹ 3,36,400/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में.): ₹ 0.00, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य की समापन तिथि/समय: 10 माह, **क्रम सं.-2,** कार्य का विवरण: गोरखपुर में:– स.न.ई./दक्षिण के कार्यक्षेत्र में नाली के निर्माण/मरम्मत का कार्य। अनुमानित लागत (रू.में.): ₹ 2,68,70,542.76, बयाने की राशि (रू.में.): ₹ 2,84,400/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में.): ₹ 0.00, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य की समापन तिथि/समय: 12 माह, **क्रम सं.-3,** कार्य का विवरण: गोरखपुर में:– स.न.ई./दक्षिण के कार्यक्षेत्र में असुरक्षित लोकेशन पर अतिक्रमण से बचाव हेतु चहारदीवारी का निर्माण। अनुमानित लागत (रू.में.): ₹ 2,38,40,351.22, बयाने की राशि (रू.में.): ₹ 2,69,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में.): ₹ 0.00, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य की समापन तिथि/समय: 08 माह, **क्रम सं.-4,** कार्य का विवरण: गोरखपुर में:– द्वितीय बटालियन रे.सु.ब. रजहीं कैम्प के परिसर में 100 अदद सीसीटीवी कैमरा का प्रावधान तथा 20 अदद दो बिस्तर वाले प्रसाधन सहित सब आर्डिनेट रेस्ट रूम का निर्माण। अनुमानित लागत (रू.में.): ₹ 2,27,69,573.19, बयाने की राशि (रू.में.): ₹ 2,63,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में.): ₹ 0.00, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य की समापन तिथि/समय: 10 माह,

कुल योग: ₹ 11,07,67,447.27

(1) ई–निविदा के खुलने की तिथि दिनांक 20-03-2026 को 11:00 बजे। **(2)** ई–निविदा की बिडिंग तिथि 06-03-2026 से 20-03-2026 समय 10:59 बजे तक। **(3)** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है। **(4)** यदि निविदा सूचना के हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण में अन्तर होता है तो निविदा सूचना के अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे.,
मुजाधि/डब्लू-486 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, चारबाग लखनऊ–226005 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मद के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	56265146	Traction Motor type IM 3302AZ complete with pinion as per BHEL Drg No 04450009051. Make: BHEL or equivalent	04 Nos	26.03.2026

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं. ईपीएस/56/2026 672/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लखनऊ नगर निगम

3, त्रिलोकनाथ मार्ग, लालबाग, लखनऊ. ई-मेल: nnlko@up.nic.in

निविदा सू0सं0: D-111/CE(E/M) **मार्ग प्रकाश विभाग** दिनांक: 26.02.2026

अति-अल्पकालिक निविदा सूचना

मार्ग प्रकाश विभाग, नगर निगम, लखनऊ द्वारा निम्न तालिका में अंकित कार्य हेतु निदेशालय विद्युत सुरक्षा उ0प्र0 के कार्यालय से विद्युत कार्यों के लिए निर्गत 'क' श्रेणी के लाईसेन्स धारक फर्मों/ठेकेदारों से दिनांक 07.03.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक सीलबन्द निविदाएं नगर निगम, लखनऊ के मुख्यालय में अपर नगर आयुक्त (एल0के0) महोदय के कार्यालय कक्ष एवं मुख्य अभियन्ता (वि0/यॉ0) केन्द्रीय कार्यशाला एवं आर0आर0 विभाग, एल्डिको ग्रीन, गोमती नगर, लखनऊ के कार्यालय में रखे निविदा बाक्स में आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक सायंकाल 4:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी। जिससे सम्बन्धित निविदा प्रपत्र दिनांक 06.03.2026 को सायंकाल 3:00 बजे तक 3–त्रिलोकनाथ मार्ग लालबाग स्थित नगर निगम लखनऊ मुख्यालय में फार्मकीपर से किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा से सम्बन्धित शर्तें एवं आवश्यक प्रपत्रों का विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित होगा तथा जिसकी जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है। प्रश्नगत कार्यों की जमानत की धनराशि, कार्यावधि, निविदा मूल्य इत्यादि का विवरण निम्नवत् तालिका में अंकित है :–

क्र सं.	कार्य का नाम	आगणक की धनराशि	जमानत की धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	जी.एस.टी. 18 प्रतिशत	कुल निविदा मूल्य
1	नगर निगम के जोन–05 स्थित वी0आई0पी0 रोड पर स्थित बैकुण्ठ धाम में स्थापित विद्युत शवदाह हेतु स्थापित नवीन मशीन को ऊर्जीकृत कराये जाने हेतु केबलिंग इत्यादि का कार्य।	293378.00	29340.00	15 दिवस	294.00	53.00	347.00

मुख्य अभियन्ता (वि0/यॉ0)

कार्यालय नगर पालिका परिषद नवाबगंज जनपद–गोण्डा।

पंत्राक: /815/नोटिस/न0पा0प0न0/2026 दिनांक 27.02.2026

सार्वजनिक सूचना

नोटिस अन्तर्गत धारा 143 (1), 147 (2) उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम 1916

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद नवाबगंज गोण्डा के कार्यालय में सम्पत्ति के नामान्तरण के सम्बन्ध में प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर पंजीकृत बैनामा, के रूप में सम्पत्तियो पर अपना नाम दर्ज कराना चाहते है, जिनका विवरण निम्नवत है:–

क्र0 सं0	आवेदन कर्ता का नाम	विक्रेता/अध्यासी/सम्पत्ति धारक का नाम	सम्पत्ति का विवरण	सम्पत्ति का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	वर्तमान में निकाय अभिलेखों मे सम्पत्ति किसके नाम दर्ज है	दावा आपत्ति का समय
1	2	3	4	5	6	7
01	श्रीमती उर्मिला पत्नी जयप्रकाश	श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र सूरज लाल	मोहल्ला कहरान मकान सं0–419 (बैनामा)	42.42 वर्ग फुट	श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र सूरज लाल	30 दिन
02	श्रीमती सलिमुन निशा पत्नी मो0 नसीम व मो0 वसीम, मो0 शमीम, मोहसिन खान पुत्रगण मो0 नसीम	श्री मो0 नसीम पुत्र मो0 यासीन	मोहल्ला पोख्तादरवाजा मकान सं0–42 (वरासत)	394.73 वर्गफुट	श्री मो0 नसीम पुत्र मो0 यासीन	30 दिन
03	श्रीमती तारा देवी पत्नी राधेश्याम व दुर्गेश कुमार, संतोष कुमार पुत्रगण राधेश्याम	श्री राधेश्याम पुत्र राम समुझ	मोहल्ला शुगरमिल पश्चिमी मकान सं0–17 (वरासत)	66.91 वर्ग मी0	श्री राधेश्याम पुत्र राम समुझ	30 दिन
04	श्री मो0 शकील पुत्र कलूट	श्री कलूट पुत्र मो0 हुसैन	मोहल्ला कहरान मकान सं0–31 (वरासत)	200.40 वर्ग मी0	श्री कलूट पुत्र मो0 हुसैन	30 दिन
05	श्रीमती किश्मतुल निशा पत्नी मो0 उमर व अनवर अली, बरकत अली पुत्रगण मो0 उमर	श्री मो0 उमर पुत्र बकरीदी	मोहल्ला चाईटोला मकान सं0–372 (वरासत)	34.31 वर्ग मी0	श्री मो0 उमर पुत्र बकरीदी	30 दिन
06	श्री नियामत उल्ला पुत्र मो0 उमर	श्री मो0 उमर पुत्र बकीदी	मोहल्ला चाईटोला मकान सं0–101 (वरासत)	11.41 वर्ग मी0	श्री मो0 उमर पुत्र बकीदी	30 दिन
07	श्रीमती साजिदा बानों पत्नी नन्कन व नौसाद अंसारी पुत्र नन्कन	श्री नन्कन पुत्र बकरीदी	मोहल्ला संचरही मकान सं0–471 (वरासत)	58.16 वर्ग मी0	श्री नन्कन पुत्र बकरीदी	30 दिन
08	श्रीमती विनीता कालरा पत्नी राकेश कालरा व सागर कालरा पुत्र राकेश कालरा	श्री राकेश कुमार पुत्र हरबंश लाल	मोहल्ला पड़ाव मकान सं0–268 (वरासत)	37.17 वर्ग मी0	श्री राकेश कुमार पुत्र हरबंश लाल	30 दिन
09	श्रीमती विनीता कालरा पत्नी राकेश कालरा व सागर कालरा पुत्र राकेश कालरा	श्री राकेश कुमार पुत्र हरबंश लाल	मोहल्ला संचरही मकान सं0–357 (वरासत)	190.06 वर्ग मी0	श्री राकेश कुमार पुत्र हरबंश लाल	30 दिन
10	श्री ओमप्रकाश पुत्र अयोध्या प्रसाद	श्री ओमप्रकाश पुत्र अयोध्या प्रसाद	मोहल्ला कहरान मकान सं0–नया (वरासत)	26.44 वर्ग मी0	श्री ओमप्रकाश पुत्र अयोध्या प्रसाद	30 दिन
11	श्री किशुन देव, सुभम गुप्ता पुत्रगण हरिशंकर	श्री हरिशंकर पुत्र हनोमान, किशन देव पुत्र राम शंकर	मोहल्ला कन्जड़ान मकान सं0–61 (वरासत)	122.67 वर्ग मी0	श्री हरिशंकर पुत्र हनोमान, किशन देव पुत्र राम शंकर	30 दिन
12	श्रीमती प्रिया गुप्ता पत्नी किशन देव गुप्ता	श्री हरिशंकर पुत्र हनोमान व किशन देव पुत्र राम शंकर	मोहल्ला पड़ाव मकान सं0–600 (वरासत)	160.68 वर्ग मी0	श्री हरिशंकर पुत्र हनोमान व किशन देव पुत्र राम शंकर	30 दिन
13	श्री सुनील कुमार पुत्र गंगा प्रसाद	श्री गंगा प्रसाद पुत्र मनोदत्त	मोहल्ला संचरही मकान सं0–185 (वरासत)	48.57 वर्ग मी0	श्री गंगा प्रसाद पुत्र मनोदत्त	30 दिन
14	श्रीमती शान्ती देवी पत्नी राम कृपाल, अनमोल, अंचल पुत्रगण राम कृपाल	श्री राम कृपाल पुत्र किशोरी लाल	मोहल्ला शुगरमिल पूर्वी मकान सं0–93 (वरासत)	13.94 वर्ग मी0	श्री राम कृपाल पुत्र किशोरी लाल	30 दिन
15	श्री संतोष कुमार, छेदीलाल पुत्रगण नन्द किशोर	श्रीमती शिवकुमारी पत्नी नन्द किशोर	मोहल्ला चाईटोला मकान सं0–430 (वरासत)	48.84 वर्ग मी0	श्रीमती शिवकुमारी पत्नी नन्द किशोर	30 दिन
16	श्रीमती शोभा देवी पत्नी मोहन व राज करन पुत्र मोहन	श्री मोहन पुत्र विशुन	मोहल्ला शुगरमिल पूर्वी मकान सं0–230 (वरासत)	165.40 वर्ग मी0	श्री मोहन पुत्र विशुन	30 दिन
17	श्रीमती राम लली पत्नी अशोक कुमार	श्री अशोक कुमार पुत्र पारसनाथ	मोहल्ला कहरान मकान सं0–263 (वरासत)	57.58 वर्ग मी0	श्री अशोक कुमार पुत्र पारसनाथ	30 दिन
18	श्री सुशीला देवी पत्नी फूल चन्द व आकाश, विकास पुत्रगण फूल चन्द	श्रीमती उषा देवी पत्नी मदन गुप्ता, विशाल कुमार पुत्र मदन गुप्ता	मोहल्ला कहरान मकान सं0–350 (वरासत)	12.80 वर्ग मी0	श्रीमती उषा देवी पत्नी मदन गुप्ता, विशाल कुमार पुत्र मदन गुप्ता	30 दिन
19	श्रीमती नाजमीन बानों पत्नी मो0 नियाज	श्रीमती सलमा खातून पत्नी करीमुल्ला	मोहल्ला मुठ्ठीगंज गाटा सं0–3580 (बैनामा)	43.08 वर्ग मी0	श्रीमती सलमा खातून पत्नी करीमुल्ला	30 दिन
20	श्रीमती अफरोज जहाँ पत्नी फिरोज	श्रीमती रूखसाना बानों पत्नी इनायत उल्ला	मोहल्ला पड़ाव गाटा सं0–2596,97, 98 (बैनामा)	97.95 वर्ग मी0	श्रीमती रूखसाना बानों पत्नी इनायत उल्ला	30 दिन

अतः उपरोक्त क्रेता के नाम सम्पत्ति अंकित करने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस निकाय कार्यालय में अपनी आपत्ति अभिलेखीय साक्ष्यों सहित 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत करने हेतु उक्त धाराओं के अन्तर्गत एक माह के लिए नोटिस दिया जाता है। निर्धारित समय–सीमा के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा तथा उक्त सन्दर्भित सम्पत्ति पर स्वामित्व के रूप में जो सम्पत्ति कॉलम–04 से 07 पर अंकित है, पर आवेदिका/आवेदको का नया नाम नगर पालिका परिषद नवाबगंज, गोण्डा के अभिलेखो मे दर्ज कर दिया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद नवाबगंज
गोण्डा।

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक (एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक)

पंजीकृत कार्यालय : द फेयरवे, ग्राउंड एवं प्रथम तल, सर्वे नं. 10/1,11/2 एवं 12/2बी, ऑफ डोमलुर कोरमंगला इनर रिंग रोड, EGL बिजनेस पार्क के पास, चल्लाघट्टा, बेंगलुरु 560071

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं ने कई बार स्मरण कराने के बावजूद निर्धारित समय के भीतर ऋण का भुगतान कर स्वर्ण आभूषणों को छुड़ाया नहीं है। उक्त ऋण खातों के अंतर्गत गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों को बैंक की शाखा परिसर में दिनांक 25.03.2026 को प्रातः 10:30 बजे सार्वजनिक/ऑनलाइन/निजी नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति संबंधित शाखा से संपर्क करें। बैंक को किसी भी बोली को बिना कोई कारण बताए स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है। कृपया ध्यान दें कि यदि नीलामी उसी दिन पूर्ण नहीं होती है तो वह आगामी दिनों में समान नियम एवं शर्तो के अंतर्गत जारी रहेगी। यदि ग्राहक का निधन हो चुका है तो नीलामी से संबंधित सभी शर्ते नामित व्यक्ति/वैधानिक उत्तराधिकारी पर लागू होंगी। उधारकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे नीलामी की तिथि से पूर्व अद्यतन ब्याज एवं अन्य सहायक व्यय का भुगतान कर दें, अन्यथा गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों को बेच दिया जाएगा तथा यदि कोई शेष राशि बकाया रहेगी तो उसे ब्याज एवं लागत सहित वसूल किया जाएगा। किसी भी प्रश्न एवं नियम व शर्तो की जानकारी हेतु शाखा से संपर्क करें। शाखा के पते की जानकारी के लिए वेबसाइट देखें:– www.janabank.com

क्र0 सं0	ऋण खाता संख्या	ऋणकर्ता/सह-ऋणकर्ता का नाम	गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों का कुल वजन
1	30688740002403	शहजाद एस	46.15
2	30688740002264	खलील	12.99
3	30688740002241	नीतेश कुमार	14.3
4	30688730065361	मीनाक्षी विपिन कुमार	7.4
5	30688730065180	मोहन पाल	8.2
6	30688730065154	शालू चौहान	8.3
7	30688730064878	उदय वीर	45
8	30680670000241	पूजा गोयल	365.8
9	30680670000139	नपीस नपीस	101.04
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक, ग्राउंड एवं प्रथम तल, भवन सं0 3, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001	
10	49198730000020	प्रमोद कुमार	11.28
11	49190670000022	नयना जैन	618
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक, प्लॉट नं0 एच1ए/26, ग्राउंड फ्लोर सेक्टर -63 नोएडा उत्तर प्रदेश 201301	
12	32898730088904	उर्मिला	4
13	32898730088294	विनोद कुमार	4.2
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, प्रथम तल, बिल्डिंग नं0 10-ए, बलराम नगर लोनी, गाजियाबाद - 201102, भारत	
14	40168730000087	राम सिंह यादव	29.83
15	40168730000048	अभिषेक कुमार अग्रहरी	12.24
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड एवं प्रथम तल, प्रॉपर्टी बियरिंग नं. 8/2/25 रेकाबागंज फैजाबाद, अयोध्या, उत्तर प्रदेश तहसील सदर जिला अयोध्या 224001	
16	46108740000140	आदित्य शर्मा	42.1
17	46108740000127	सीपीयान पाल	8.51
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर, नं. जी-01, साइबर हाइट्स विभूति खण्ड, गोमती नगर, उत्तर प्रदेश - 226010 भारत	
18	30738730018389	सादीक	31.76
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर, नगर पाली नं. 3/2120, खान आलमपुरा, हदुद नगर पालिका, जनक नगर, साहरनपुर - 247001, भारत	
19	46078740000902	सुधा सिंह	28.86
20	46078740000881	सृष्टि त्रिपाठी	12.92
21	46078740000750	धन कुमार कुशवाहा	30.2
22	46078740000737	शालिनी गुप्ता	38.22
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर, नं. बी-16, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग सिविल स्टेशन, इलाहाबाद - 211002 भारत	
23	30858740000169	आबिद मलिक	47.68
24	30858740000104	रजनीश कुमार	9.81
25	30858740000070	शाहरूख अहमद	18.79
26	30858730005511	लकी लकी	3.69
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर, शॉप नं. 11/262,263,264 दिल्ली रोड नियर टीवीएस एजेंसी रामपुर मनीहारन, उत्तर प्रदेश 247451 भारत	
27	31238740001751	सार्थक मालवीय	6.85
28	31238740001741	शैल श्रीवास्तव	8.22
29	31238740001652	सीतु शर्मा	28.4
30	31238740001534	रीना रावत	8.38
31	31238740001406	मनीषा गुप्ता	13.24
32	31238740001228	अनीता कुमारी	16.93
33	31238730015752	शिवा कान्त पाल	2.9
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, 326 ए/167ए, बाई का बाघ, इलाहाबाद - 211003 भारत	
34	32238730038636	विपिन कुमार	9.74
35	32238730038432	अनीता देवी	24.35
36	32238730038126	लावागी	16
37	32238730037889	अंकित श्रीवास्तव	30.9
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, प्रथम तल, मकान नं0 543, कोतवाली रोड, मोहल्ला बांस सामने सरकारी इण्टर कॉलेज, देवरिया - 274001, भारत	
38	31298740000862	आर्येन्द्र कुमार	45.64
39	31298730010890	नीलम राजकुमार	3.13
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, द्वितीय तल, 35-ए/8, रामपुर गार्डन, प्रभा सिनेमा के सामने, बरेली - 243001, उत्तर प्रदेश, भारत	
40	46058740000992	अमित कुमार	7.03
41	46058740000924	सचिन यादव	8.98
42	46058740000759	अंकित अंकित	9.84
43	46058740000631	उवैस हुसैन	12.99
44	46058730010021	शिवम दीक्षित	8.53
45	46058730009987	हिमांशु शर्मा	7.28
46	46058730009951	मोहम्मद रेहान कुरैशी	34.9
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, बी-7, बी-8 एवं जी-7, जी-8 बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोर से यूपी टावर, संजय पैलेस, आगरा - 282002	
47	46148730025138	नेहरू गुप्ता	7.35
48	46148730025125	सविता	3.43
49	46148730025088	सोनी पटेल	9.94
50	46148730025075	मंजू मंजू	23.27
51	46148730025000	रोशन सिंह	12.75
52	46148730024990	सुहानी सिंह	13.95
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, सी-33/2सी, शंकर टॉवर, अपर ग्रांउड फ्लोर सिगरा, विद्यापीठ, भारत माता मंदिर के सामने, वाराणसी - 221002	
53	46068740000152	नसीमा	11.2
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, जीएफ, प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नं0 14/121-ए, परेड कानुपर नगर उत्तर प्रदेश 208001 इंडिया	
54	49180670000017	संगीता नेगी	155.03
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर शॉप नं. 5 ब्लॉक एन, सेक्टर 18 नोएडा यूपी - 201301	
55	46628730021495	सोनू यादव	17.4
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर, खाता नं. 2045, प्लॉट नं. 2357 छावनी, पडौना, टप्पा पकड़ी गंगारानी, तहसील पडरौना, खुशीनगर जिला उत्तर प्रदेश - 274304, भारत	
56	32788740000561	गौरव उपाध्याय	34.63
57	32788740000545	गोपाल कुमार शाक्य	25.41
58	32788740000506	गौरव उपाध्याय	42.7
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, प्लॉट नं. 111 एवं 112, राजपूत मार्केट, बगवती विहार, बिचपुरी बोडला रोड, मौजा बोडला, अगरा 282007, भारत	
59	30828730010620	मो. साजिद	5.64
60	30828730010327	अशोक कुमार	2.23
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, ग्राउंड फ्लोर, शिवकॉलोनी, फतेहपुर भादो निकट पीएनबी देहरादून रोड, छुटमलपुर, सहारनपुर 247662, भारत	
61	31328740000982	विकाश कुमार गौतम	9.94
62	31328740000953	दीनानाथ शर्मा	14.15
63	31328740000927	प्रतिक श्रीवास्तव	17.72
64	31328740000838	शिवशंकर गुप्ता	21.32
		जना स्मॉल फाइनेंस बैक लि0, 16बी, 17, एल एन वाटिका बिल्डिंग, आगे ए यू स्माल फाइनेंस बैंक, बैंक रोड, गोरखपुर उत्तर प्रदेश 273001	

स्थान : उत्तर प्रदेश
दिनांक 28.02.2026

अधिकृत अधिकारी
जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

न्यूज ब्रीफ

चौपाल लगाकर लोगों की सुनी गईं समस्याएं

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। बर्डपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा बर्डपुर न0 4 मे शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम सचीव अजहरुद्दीन ने कहा कि सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाएं को लेकर पात्रों का नाम नोट किया जा रहा है, समस्याओं को सम्बंधित अधिकारियों द्वारा समस्या का निवारण किया जा रहा है। घर-घर जा कर लोगों को लाभ दिलाया जायेगा। इस दौरान ग्राम प्रधान माधुरी सिंह, आरोह फाउंडेशन के वित्तीय सलाहकार ,कृषी विभाग,आशा आंगनबाड़ी सहित सफाई कर्मचारी एंव ग्रामीण मौजूद रहे।

एक करोड़ की अफीम के साथ दो गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार : जिले में अवैध अफीम की खेती के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बीते एक सप्ताह के भीतर यह 5वां मामला सामने आया है। गुरुवार और शुक्रवार को पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों स्थानों से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य के कुल 78 .4 किग्रा अफीम के पौधे, फल और अन्य अवयव बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

सड़क हादसे में तीन की मौत, चार घायल

गोरखपुर से बारात से लौट रहे थे कार सवार सात लोग, तीन घायलों की हालत गंभीर

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में शादी समारोह से लौट रहे तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बीएमसीटी मार्ग पर अछिया मोहल्ला के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद एक मकान की दीवार में जा घुसी।

घटना गुरुवार-शुक्रवार की देर रात करीब 1 बजे हुई। कार में कुल सात युवक सवार थे, जो गोरखपुर जिले के मटियारी गांव से दुधारा थाना क्षेत्र के तिलजा गांव में गई बारात से लौट रहे थे। मृतकों की पहचान मेंहदावल थाना क्षेत्र के बढ़या ठाठर निवासी सर्वेश पांडेय उर्फ पिंटू (23), पिड़ारी कला निवासी दुर्गेश गुप्ता (25) और बिशनपुर निवासी श्रवण शर्मा (24) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी मेंहदावल पहुंचाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों ने तीनों युवकों को पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घायलों में कार चालक कन्हैया चौधरी, मनीष गुप्ता और अवनीश विश्वकर्मा की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर किया गया है, जबकि, इंद्रजीत यादव को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि जानकारी मिलते ही मौके पर मेंहदावल पुलिस ने पहुंचकर कर राहत और बचाव कार्य किया। कार में करीब सात लोग बैठे थे। सभी घायलों को सीएचसी मेंहदावल में भर्ती करवाया गया। इनमें से दुर्गेश गुप्ता, सर्वेश पांडेय और श्रवण शर्मा की मौत की सूचना मिली है।

तीनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जबकि, चार घायलों में से तीन को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

दुर्गेश, सर्वेश और श्रवण की फाइल फोटो।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे धनघटा विधायक गणेश चंद चौहान, सपा नेता जयराम पांडेय।

एक ही झटके में उजड़ गए तीन घर

संतकबीरनगर। मामा की शादी में शामिल होने गए तीन दोस्तों के परिवारों की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। मेंहदावल क्षेत्र के मटियारी से दुधारा के तिलजा गांव गई बारात में शामिल दुर्गेश गुप्ता की हादसे में मौत से परिवार टूट गया। पांच भाइयों में तीसरे नंबर पर दुर्गेश की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व महराजगंज जिले की प्रीति से हुई थी। दोनों से दस माह का बेटा सुंदरम अब पिता के साये से वंचित हो गया। दुर्गेश घर पर किराने की दुकान चलाकर परिवार संभाल रहे थे। हादसे में जान गंवाने वाले श्रवण शर्मा अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। मुंबई में फर्नीचर का काम कर परिवार चलाते थे और 15 दिन पहले ही गांव लौटे थे। सर्वेश पांडेय, तीन भाइयों में सबसे छोटे, स्नातक के बाद मुंबई जाने की तैयारी में थे। दर्दनाक घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मोर्चरी पहुंचे धनघटा विधायक गणेश चंद चौहान व सपा नेता जयराम पांडेय ने परिजनों को ढांढस बंधाया।

परीक्षा देने जा रहे दसवीं के छात्र की हादसे में मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद-धनघटा मार्ग स्थित चंद्ररौटी गांव के पास शुक्रवार की सुबह में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार दसवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल करीब 50 मीटर तक घसीटते चली गई। पुलिस ने छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। महुली थाना क्षेत्र के मुखलिसपुर गांव निवासी मोहम्मद ईशा का 17 वर्षीय पुत्र मोहम्मद हुसैन 10वीं का छात्र है। शुक्रवार को वह सुबह सात बजे अपने घर से साइकिल पर सवार होकर धोबखरा स्थित परीक्षा केंद्र पर हाई स्कूल की परीक्षा देने जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के समय बाइक पर करीब तीन लोग बैठे थे। वह भी काफी रफ्तार में गाड़ी चला रहे थे। अचानक बाइक ने साइकिल सवार छात्र मोहम्मद हुसैन को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से घायल छात्र को सीएचसी नाथनगर पर भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई। छात्र के सिर में काफी गंभीर चोट आईं थीं। हादसे के बाद दो युवक मौके से भाग गए।

2 अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए 15063/15064 रामनगर-चण्डीगढ़-रामनगर एक्सप्रेस तथा 15059/15060 लालकुआँ-आनन्द विहार टर्मिनल-लालकुआं एक्सप्रेस में चल रहे कन्वेंशनल रेक को आधुनिक एल.एच.बी. रेक से बदला जायेगा। फलस्वरूप साधारण श्रेणी के 02 अतिरिक्त कोच लगाये जायेंगे। परिवर्तित रेक संरचना के अनुसार इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, साधारण कुर्सीयान के 04, शयनयान श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित कुर्सीयान के 01 कोच सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे। कन्वेंशनल कोच के स्थान पर आधुनिक एल.एच.बी. कोच लगाये जाने के फलस्वरूप इस गाड़ी में साधारण श्रेणी में 149 अतिरिक्त सीट एवं विभिन्न आरक्षित श्रेणियों में कुल 51 बर्थ बढ़ जायेंगे।

होली अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 05125/05126 छपरा-गोरखपुर कैंट-छपरा होली अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन 01 से 31 मार्च तक सप्ताह में 05 दिन (गुरुवार एवं रविवार को छोड़कर) 23 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 12 कोच लगाये जायेंगे।

207 नव विवाहित जोड़े दांपत्य सूत्र बंधन में बंधे

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत राप्ती नदी तट मंगल भवन, नगर पंचायत डुमरियागंज में जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 207 जोड़े सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित हुए। हिन्दू समुदाय के 140 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 58 तथा मुस्लिम समुदाय के 09 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगों को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी, विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धर्मानुसार विवाह कराया गया।

होली पर पुलिस प्रशासन की रहेगी कड़ी चौकसी

कुशीनगर। अमृत विचार : जनपद में होलिका दहन (02 मार्च एवं होली पर्व 04 मार्च को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक प्रबंध किए हैं। त्योहार के मद्देनज़र विशेष सतर्कता बरतते हुए जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह तंवर द्वारा सुपर जोनल, जोनल तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तहसील व पुलिस चौकीवार तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र कसया, हाटा एवं तमकुहीराज हेतु अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया है। वहीं सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र पडरौना, खड्डा एवं कप्तानगंज के लिए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेम कुमार राय को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसी क्रम में कसया, हाटा, तमकुहीराज, पडरौना, खड्डा एवं कप्तानगंज तहसीलों के उप जिलाधिकारियों को उनके-अपने क्षेत्र का जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में 38 अधिकारियों की तैनाती की गई है। इनमें जनपद स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें पुलिस चौकीवार, कस्बा चौकीवार एवं प्रमुख चौराहों पर नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त 02 जोनल एवं 06 सेक्टर मजिस्ट्रेट रिजर्व में भी रखे गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी मजिस्ट्रेट अपने-अपने तैनाती क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर यह सुनिश्चित करेंगे कि कहीं भी कानून-व्यवस्था संबंधी विवाद उत्पन्न न हो। किसी भी प्रकार की शांति व्यवस्था में बाधा आने पर तत्काल पुलिस अधीक्षक एवं उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। संबंधित उप जिलाधिकारी एवं थाना प्रभारी से समन्वय बनाते हुए स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाएगी।

मौखिक सुनवाई के बिना विभागीय जांच अवैध

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी के एक लेखपाल की सेवा समाप्ति के आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि विभागीय जांच में आरोपी कर्मचारी को मौखिक सुनवाई का अवसर देना प्राकृतिक न्याय का आवश्यक अंग है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विभागीय कार्यवाही अर्ध-न्यायिक प्रकृति की होती है और आरोपित कर्मचारी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का उचित अवसर दिया जाना आवश्यक है। भले ही नियमों में मौखिक सुनवाई का स्पष्ट प्रावधान न हो, फिर भी यह उचित अवसर प्रदान करने का अनिवार्य तत्व है और जांच अधिकारी इस दायित्व से मुक्त नहीं हो सकता। कोर्ट ने यह भी पाया कि याची को मौखिक सुनवाई का अवसर दिए बिना ही जांच प्रतिवेदन तैयार कर लिया गया और उसी के आधार पर सेवा समाप्ति का आदेश पारित कर दिया गया, जिससे पूरी कार्यवाही विधि विरुद्ध हो गई। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने लेखपाल रामस्वरूप शुक्ला के खिलाफ 17 दिसंबर 2009 के बर्खास्तगी आदेश तथा 30 अप्रैल 2010 के अपीलीय आदेश को रद्द करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची वर्ष 1980 में लेखपाल पद पर नियुक्त हुए थे और वर्ष 2008 में झांसी में तैनात थे। उनके विरुद्ध राजस्व अभिलेख से आदेश पृष्ठ हटाने, आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने तथा ग्राम सभा भूमि के गलत वर्गीकरण की रिपोर्ट देने के आरोपों पर विभागीय कार्यवाही चलाकर सेवा समाप्त कर दी गई थी।

आरटीआई में देरी पर आईपीएस अधिकारी पर लगा जुर्माना रद

विधि संवाददाता, प्रयागराज। अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरटीआई आवेदन में सूचना देने में कथित देरी के मामले में एक आईपीएस अधिकारी पर लगाया गया 25,000 रुपये का जुर्माना और विभागीय कार्रवाई की संस्तुति रद्द करते हुए केंद्रीय सूचना आयोग के आदेशों को मनमाना, पक्षपातपूर्ण और कानून के विपरीत माना। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि आरटीआई अधिनियम की धारा 20 के तहत हर देरी पर दंड नहीं लगाया जा सकता। दंड लगाने से पहले यह स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक है कि अधिकारी ने बिना उचित कारण या दुर्भावनापूर्वक सूचना देने में देरी की। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने आईपीएस अधिकारी शैलेश कुमार यादव की याचिका को स्वीकार करते हुए की और सूचना आयुक्त द्वारा 8 फरवरी 2007 और 19 मार्च 2007 को पारित आदेशों को निरस्त कर दिया।

डीएम व एसपी ने कस्बा में किया पैदल गश्त

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के साथ आगामी त्योहार होली व रमजान माह ईंद-उल-फितर के दृष्टिगत व शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए थाना डुमरियागंज पुलिस के साथ कस्बा डुमरियागंज में पैदल गश्त, रुट मार्च किया गया। आम जनमानस को सुरक्षा का एहसास कराया गया तथा शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

बच्ची की पारिवारिक त्रासदी में आर्थिक लाभ प्राप्त करने के प्रयास को किया विफल

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में पारिवारिक त्रासदी झेल रही बच्ची को आर्थिक लाभ का जरिया समझने वाली पारिवारिक सदस्या के व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि एक बच्ची की पारिवारिक त्रासदी का उपयोग व्यक्तिगत लाभ के लिए करने का प्रयास गंभीर दुराचार है। कोर्ट ने मृतक शिक्षक की नाबालिग पुत्री के नाम पर अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए कथित रूप से झूठे तथ्यों के आधार पर दाखिल विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए इसे न्यायालय की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने राज कुमारी देवी की विशेष अपील खारिज करते हुए पारित किया और जिला मजिस्ट्रेट, बलिया को निर्देश दिया कि नाबालिग सौम्या उर्फ साक्षी के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उसके नाम से एक सुरक्षित बैंक खाता खुलवाया जाए, जिसे जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नामित अधिकारी संचालित करें और उसमें बीमा राशि 7 .68 लाख रुपये सहित पारिवारिक पेंशन तथा अन्य योजनाओं से प्राप्त समस्त धन जमा कराया जाए। कोर्ट ने यह भी निर्देशित किया कि अपीलकर्ता और उसके पति द्वारा प्राप्त धन का पूरा हिसाब लिया जाए।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में धरना

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय स्तर पर कई शिक्षक संगठनों से बने टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है।

टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर गुरुवार को शिक्षक और शिक्षिकाओं ने बीएसए कार्यालय पर धरना देने के उपरांत डीएम कार्यालय पर पहुंच अमित कुमार सिंह को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। टीएफआई के उपाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि सभी शिक्षक संघो ने एक मंच पर आकर टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए है आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। इस अव्यवहारिक निर्णय के कारण शिक्षक को सड़क पर उतरना पड़ रहा है। टीईटी कभी भी, किसी भी सूरत में स्वीकार नही है। इंद्रसेन सिंह ने कहा कि शिक्षकों की एकजुटता से ही टीईटी से मुक्ति मिलेगी। महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष सुषमा सिंह ने कहा कि इस निर्णय के कारण शिक्षकों के मान सम्मान को ठेस पहुंची है। जब कई नौकरियों के लिए अनुभव को आधार बनाया गया है तो इतने अनुभवी शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पूर्णतः अव्यवहारिक है।

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में ज्ञापन देते शिक्षक संगठन के पदाधिकारी।

संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

कुशीनगर, अमृत विचार: जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, की अध्यक्षता में रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अन्तर्गत जिला स्टेयरिंग कमेटी की बैठक विकास भवन सभागार में की गई। कुल 2 मामले समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये, जिसमें समिति द्वारा पाक्सो एक्ट के मामले में क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है तथा पाक्सो एक्ट के दूसरे मामले को साक्ष्य हेतु लम्बित रखा गया, 08 मामलो में रिपोर्ट प्राप्त करने के निर्देश दिये गये है। समिति द्वारा यह भी निर्देश दिया गया है कि पाक्सो एक्ट के मामलो में पीड़िताओं को मेडिकल जांच में सहयोग करें।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2009 व अनुक्रमांक नं0- 0435843 का मूल प्रमाणपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **आकांक्षा मिश्रा पुत्री धुपदेह मिश्रा निवासिनी - बी-2 ब्रहमपुरी, इन्दिरा नगर, लखनऊ।**

सूचना

मैने अपना नाम FATIMA से बदलकर FATEMA HUSAINI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **D/O-HUSAINI ALI ADD-108/190, MODEL HOUSE, TALAB GANGI SHUKLA,GPO, PS-KAISARBAGH DIST-LUCKNOW-226001(U.P)**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र पंकज कुमार पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी उपरोक्त को उसके खराब चाल-चलन व अमर्यादित व्यवहार, मारपीट व गाली गलौज करने के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनुचित कृत्य व लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **राजेश्वरी पत्नी स्व0 रामचन्द्र निवासिनी- ग्राम ढखवा थाना व परगना व तहसील मलिहाबाद, लखनऊ।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राजेश कुमार पुत्र श्री रामभरोसे, निवासी बैशोली अड्डा, अछल्दा तहसील बिधूना, जनपद औरैया है। मेरे आधार कार्ड संख्या 7298 9473 6059 में त्रुटिवश मेरा नाम राकेश कुमार अंकित हो गया है, जबकि मेरे समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों एवं अन्य अभिलेखों में मेरा सही नाम राजेश कुमार दर्ज है। मेरे आधार कार्ड में दर्ज नाम राकेश कुमार को संशोधित कर राजेश कुमार पुत्र श्री रामभरोसे किया जाए।

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने पुत्र मेराज अहमद के चाल चलन से काफी परेशान हूं। वह आये दिन विवाद करता है। जिसके चलते अपने बेटे को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य का परिवार के लोगों से कोई मतलब नहीं है। वह स्वयं जिम्मेदार है। **खदरू पुत्र लालू निवासी ग्राम काशीजोत, थाना व तहसील पयागपुर, जनपद बहराइच, यूपी।**

बेदखली सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र महेन्द्र उर्फ सुरेन्द्र को उसके खराब आचरण व मुझको व मेरे परिवार को प्रताड़ित करने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य व लेन-देन के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **श्रीलाल पुत्र गनपत निवासी ग्राम पलहीपुर परगना मीरानपुर तहसील सदर, थाना- कोतवाली नगर जिला- सुलतानपुर।**

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने छोटे पुत्र अमित चौहान की समाज विरोधी आदतों, नशे की आदत, एवं गलत चाल चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **मोहन लाल चौहान पुत्र स्व0 बाबूराम निवासी- चौक शहजादपुर, परगना व तहसील- अकबरपुर, जनपद- अम्बेडकरनगर, उ0प्र0।**

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने छोटे पुत्र शिवा को उसके गलत चालो चलन, अनैतिक क्रिया कलापों, व गलत कुकृत्यों से कारण अपने समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किये गये कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना-देना, वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **रामनरेश पुत्र जगदेव निवासी- ग्राम बख्त्यार नगर परगना व तहसील मलिहाबाद, जनपद- लखनऊ।**

सूचना

कुलदीप पुत्र राम औतार **निवासी ग्राम गाजू तहसील संडीला** ने भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमा कराया था। जिसमे मेरा नाम रजनीश कुमार लिखा है जबकि मेरा आधार कार्ड पैन कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में कुलदीप कुमार दर्ज है दोनों नाम मेरे है दोनों नाम से मुझे जाना एवं पहचाना जाता है मेरे गांव में मेरे नाम का और कोई नहीं है।

सूचना

सूचित हो कि, मैं Mohd Arman Khan पुत्र Mohd Ibrar Khan, निवासी:- म.न. एच एन 536/1/154, मदेगंज, निरालानगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश-226020 का हूँ, मेरा पूरा सही नाम Mohd Arman Khan हैं, पहले मेरा नाम हाई स्कूल सर्टिफिकेट एवं पासपोर्ट में Arman Khan था, जिसे मैंने बदलकर Mohd Arman khan कर दिया हैं, जो कि मेरे सारे दस्तावेजों आधार, पैन कार्ड में अंकित हैं, अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Mohd Arman Khan S/o- Mohd Ibrar Khan दर्ज किया जाये। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

कार्यालय- मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सिद्धार्थनगर

पत्रांक-मु0चि0अ0/विज्ञापन/2025-26/7850 दिनांक-27/02/2026

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रम

1. जिला संयुक्त चिकित्सालय सिद्धार्थनगर में प्रत्येक दिन मोतियाबिन्द का निःशुल्क आपरेशन किया जाता है।
2. 08 से 19 वर्ष के स्कूली बच्चो को निःशुल्क चश्मा का वितरण किया जाता है।
3. बुजुर्गो को निःशुल्क चश्मा का वितरण किया जाता है।

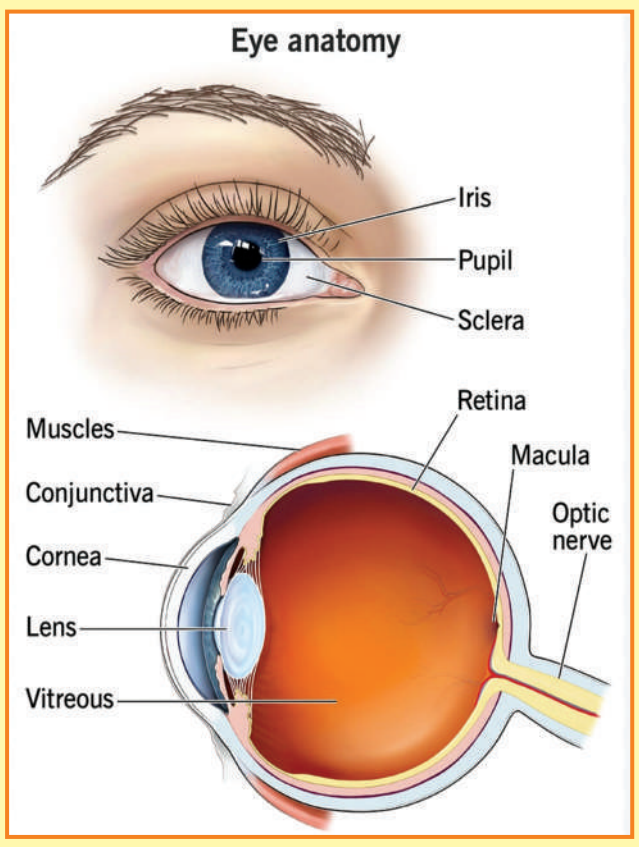

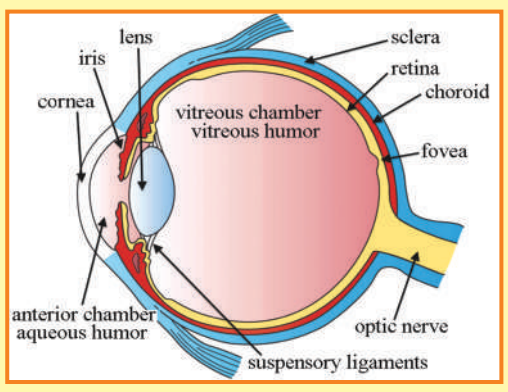

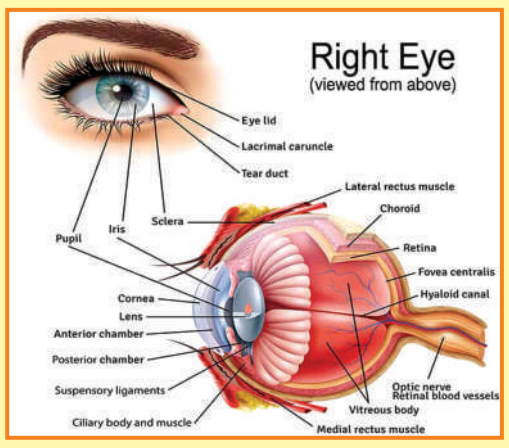

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सिद्धार्थनगर।

न्यूज ब्रीफ

पासपोर्ट कार्यालय को उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद। सूरत स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली जो बाद में झूठी निकली, लेकिन ई-मेल गलती से राज्य भर के डाकघरों में भेज दिया गया, जिससे दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त वी आर मल्होत्रा ने बताया कि सूरत पासपोर्ट कार्यालय को सुबह 5.55 बजे एक ई-मेल प्राप्त हुआ जिसमें धमकी दी गई कि दोपहर 12.10 बजे परिसर में आरडीएक्स विस्फोट होगा और इसे खाली करा लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उमरा थाने और बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंची लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस उपाधीक्षक दिव्यप्रकाश गोहिल ने बताया कि ई-मेल मूल रूप से एक आउटलुक आईडी से सूरत पासपोर्ट कार्यालय में प्राप्त हुआ।

दो लाख राशन कार्ड जारी करेगी सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार इस साल दो लाख नए राशन कार्ड जारी करेगी। अपनी सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर उत्तर पश्चिमी दिल्ली में आयोजित प्रवास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि पिछले कई वर्षों से दिल्ली में नए राशन कार्ड जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा, हम इस साल दो लाख राशन कार्ड जारी करने जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली में 17 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक हैं, जिनमें लगभग 73 लाख सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) लाभार्थी शामिल हैं। हाल में, दिल्ली सरकार के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा एक सत्यापन अभियान चलाया गया, जिसमें 2.76 लाख राशन कार्ड धारकों को नोटिस जारी किए गए।

दिवंगत अजित पवार को 25,000 करोड़ के घोटाले में क्लीन चिट

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को महाराष्ट्र प्रदेश सहकारी बैंक के कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और दिवंगत अजित पवार एवं अन्य आरोपियों को क्लीन चिट दे दी। अदालत की ओर से क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किए जाने का फैसला महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री पवार की बारामती में विमान दुर्घटना में मृत्यु के लगभग एक महीने बाद आया है। सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों से संबद्ध विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने ईओडब्ल्यू की 'सी-समरी' रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए कहा कि कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है।

कांग्रेस ने एआई सम्मेलन में न सिर्फ कपड़े उतारे बौद्धिक दिवालियापन भी दिखाया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा विपक्षी पार्टी चाहे जितना कपड़े फाड़े देश के विकास का जारी रहेगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''एआई इम्पैक्ट'' शिखर सम्मेलन में कांग्रेस की युवा इकाई के सदस्यों द्वारा कमीज उतारकर किए गए प्रदर्शन की शुक्रवार को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी चाहे जितने कपड़े फाड़ना चाहती है, फाड़ सकती है लेकिन उनकी सरकार देश के विकास के लिए काम करना जारी रखेगी।

मोदी ने एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने न सिर्फ विदेशी मेहमानों के सामने अपने कपड़े उतारे बल्कि अपना बौद्धिक दिवालियापन भी उजागर किया। उन्होंने रेखांकित किया कि मिलेनियल पीढ़ी ने देश की सबसे पुरानी पार्टी को सबक सिखा दिया है और अब जेन-जेड भी ऐसा ही करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष नए संसद भवन के ऊपर स्थापित बब्बर शेरों की प्रतिमा को देखकर नाखुश है, लेकिन उनके अपने बब्बर शेर आम जनता के जूतों का सामना करने के बाद भाग रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 24 फरवरी को कहा था कि उन्हें भारतीय युवा कांग्रेस के बब्बर शेरों पर गर्व है जिन्होंने एआई शिखर सम्मेलन में निडरता से अपनी आवाज उठाई। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के बब्बर शेर लोगों के जूते खाकर भाग गए।

प्रधानमंत्री ने एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में विरोध प्रदर्शन कर रहे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कुछ लोगों द्वारा रोके जाने की ओर इशारा करते हुए यह कहा। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने 20 फरवरी को दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट स्थल के हॉल नंबर पांच के अंदर सरकार विरोधी नारों से छपी टी-शर्ट को प्रदर्शित करते हुए अपनी कमीजें उतारकर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई। मोदी ने अपने 45 मिनट के भाषण में कहा, कांग्रेस चाहे जितने कपड़े फाड़ ले, लेकिन हम भारत के विकास के लिए काम करते रहेंगे।

विपक्ष का काम केवल सरकार का विरोध करना नहीं

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए हमेशा महात्मा गांधी का सहारा लेती है, लेकिन किसी भी अच्छे काम का श्रेय एक ही परिवार को देने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा, हमारे देश की जनता ने सरकार द्वारा उठाए गए हर अच्छे कदम का स्वागत किया लेकिन कांग्रेस को तो सिर्फ हर चीज का विरोध करना आता है। कांग्रेस के वोट चोरी नहीं होते<bha>:</bha> बल्कि लोग कांग्रेस को अपने वोट के लायक नहीं समझते। सबसे पहले मिलेनियल ने कांग्रेस को सबक सिखाया, अब जेन जेड भी ऐसा ही करने को तैयार है। मोदी ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकार के हर कदम का केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है और यही कारण है कि देश की प्रबुद्ध जनता अब कांग्रेस को सबक सिखा रही है।

कांग्रेस ने औपनिवेशिक मानसिकता बकरार रखा

मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस की हालत ऐसी है कि उसके पास सिर्फ चार राज्यों में 50 से अधिक विधायक हैं। पिछले 40 वर्ष में देश में युवा मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन कांग्रेस की लोकप्रियता में स्पष्ट रूप से गिरावट आई है। हाल में भारत द्वारा दूसरे देशों के साथ किए गए व्यापार समझौतों पर मोदी ने कहा कि देश ने अपनी अंतर्निहित शक्ति को पहचान लिया है और अपने संस्थानों को मजबूत किया है, जिसने विकसित देशों को आगे आकर भारत के साथ समझौते करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद भी, कुछ लोगों ने अपने फायदे के लिए औपनिवेशिक मानसिकता को बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि यदि हमने अपनी अंतर्निहित शक्ति को पहचान कर अपने संस्थानों को मजबूत न किया होता, तो कोई भी देश हमारे साथ व्यापार समझौते नहीं करता।

समीर वानखेड़े के खिलाफ कार्रवाई करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कॉर्डेलिया क्रूज मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दी अनुमति**

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2021 के कॉर्डेलिया क्रूज मादक पदार्थ मामले के संबंध में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ शुक्रवार को अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रखने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के उस आदेश के खिलाफ केंद्र की याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें इस मामले में वानखेड़े के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई को रद्द कर दिया गया था।

फैसला सुनाते हुए पीठ ने कहा कि याचिका स्वीकार की जाती है। केंद्र सरकार ने 19 जनवरी को पारित सीएटी के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा 18 अगस्त, 2025 को वानखेड़े को जारी किए गए चार्ज मेमोरेंडम (आरोपपत्र) को रद्द कर दिया गया था। वर्ष 2008 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी वानखेड़े उस समय सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने 2021 में मुंबई के स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) में अपने कार्यकाल के दौरान अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को कॉर्डेलिया क्रूज मादक पदार्थ कांड में फंसाने की धमकी देकर उनके परिवार से कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। सीएटी के समक्ष वानखेड़े ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा उनके खिलाफ की गई अनुशासनात्मक जांच को चुनौती देते हुए एक मूल आवेदन दायर किया। एनसीबी से कार्यमुक्त होने के बाद भी कथित रूप से उसके कानूनी विभाग से गोपनीय जानकारी मांगने के लिए अनुशासनात्मक जांच शुरू की गई थी। यह भी आरोप लगाया गया कि उन्होंने एनसीबी के विधिक अधिकारी से जांच की दिशा मोड़ने का आश्वासन भी मांगा था।

अपने फैसले में, अदालत ने कहा कि कार्यवाही के इस अपरिपक्व चरण में कैट द्वारा हस्तक्षेप अनुचित था। इसमें कहा गया कि आरोप पूरी तरह से वानखेड़े द्वारा स्वयं दर्ज किए गए दस्तावेजी साक्ष्यों पर आधारित थे।

भारत-चीन के बीच स्थित नेपाल को संतुलित नीति अपनानी चाहिए : थापा

ककरहवा, सिद्धार्थनगर

नेपाल में चुनावी सरगर्मियां अब अपने अंतिम दौर में पहुंच चुकी हैं। 5 मार्च को प्रतिनिधि सभा के लिए मतदान होना है। इसी क्रम में शुक्रवार को बुटवल में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए गगन थापा ने कहा कि भारत और चीन जैसे दो बड़े पड़ोसी देशों के बीच स्थित नेपाल को संतुलित और व्यवहारिक विदेश नीति अपनानी होगी। थापा ने कहा कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसे विशेष जिम्मेदारी भी देती है और चुनौती भी। हम भारत और चीन के बीच में हैं। केवल ऊंची आवाज़ में बोलने या तीखी बयानबाजी करने से काम नहीं चलेगा। हमें सभी को साथ लेकर चलना होगा और पड़ोसियों के बीच संतुलन बनाए रखना होगा, उन्होंने कहा। उनका इशारा इस ओर था कि नेपाल को अपनी विदेश नीति में परिपक्वता और दूरदर्शिता दिखानी होगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी निर्णय में देश की दीर्घकालिक स्थिरता और समृद्धि को ध्यान में रखा जाना चाहिए। नेपाल की भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए थापा ने कहा कि छोटे राष्ट्र के लिए संतुलन की नीति ही सबसे सुरक्षित मार्ग है।

थापा ने यह भी दावा किया कि देश के भीतर और बाहर सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की क्षमता नेपाली कांग्रेस में है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि आगामी 5 मार्च के चुनाव में उनकी पार्टी को पांच वर्षों के लिए स्पष्ट बहुमत दें, ताकि बिना किसी अवरोध के विकास कार्य आगे बढ़ाए जा सकें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी अपने घोषणापत्र में किए गए वादों को केवल कागज़ तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि हर महीने काम की प्रगति रिपोर्ट भी सार्वजनिक करेगी, जिससे जनता सीधे तौर पर सरकार की जवाबदेही तय कर सके।

चुनावी माहौल के बीच थापा का यह बयान नेपाल की विदेश नीति को लेकर एक स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है। अपने पड़ोसी देशों के बीच संतुलन साधते हुए राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना आने वाले समय में नेपाल की राजनीति का बेहतर कदम होगा।

मणिपुर से तीन अमूर फाल्कन सफलतापूर्वक अफ्रीका पहुंचे

इंफाल। प्रवासी पक्षियों के अध्ययन के लिए ट्रैक किए जा रहे तीन अमूर फाल्कन पक्षी मणिपुर से सफलतापूर्वक दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं और सुरक्षित तथा स्वस्थ हैं। मणिपुर अमूर फाल्कन ट्रैकिंग प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के तहत, आठ नवंबर 2025 को इन पक्षियों को सैटेलाइट ट्रांसमीटर के साथ टैग किया गया था। उल्लेखनीय है कि मणिपुर वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा चल रहे सैटेलाइट-आधारित प्रवास अध्ययन के हिस्से के रूप में इन पक्षियों को तामेंगलोंग जिले के चिउलुआन बसेरा स्थल में टैग करने के बाद छोड़ दिया गया था। तामेंगलोंग जिले के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी कि आहू, अपापंग और अलंग नाम के तीनों पक्षी अफ्रीका में अपने प्रवास में सुरक्षित हैं। टैग किए गए ये पक्षी लगभग नौ से दस दिनों के रिकॉर्ड समय में अफ्रीका पहुँच गए, जो इस प्रजाति की उल्लेखनीय लंबी दूरी की प्रवास क्षमता को प्रदर्शित करता है।

तमिलनाडु में एक चरण में हो सकता है विधानसभा चुनाव

चेन्नई, एजेंसी

- **राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का दिया है सुझाव**

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का सुझाव दिया है और इस पर सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। तमिलनाडु में हाल में संपन्न मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को कुमार ने देश के लिए एक आदर्श और बड़ी सफलता बताया और कहा कि इससे मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने कहा कि बेहतर व्यवस्था के मामले में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव, बिहार चुनाव से भी आगे रहेगा। उन्होंने कहा कि बिहार का अनुभव यह दिखाता है कि हाल के दशकों में वहां के चुनाव सबसे त्रुटिरहित रहे। मुझे सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और पूरी चुनावी मशीनरी समेत प्रवर्तन एजेंसियों ने आश्वस्त किया है कि तमिलनाडु के चुनाव नए रिकॉर्ड बनाएंगे और बिहार से कहीं बेहतर होंगे। तमिलनाडु में हाल में संपन्न एसआईआर का उल्लेख करते हुए कुमार ने इसे देश के लिए एक आदर्श बताया। कुछ राजनीतिक दलों की यह आलोचना कि इस प्रक्रिया के कारण मतदाताओं के नाम बड़ी संख्या में हटा दिए गए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जवाब में कहा कि इस प्रक्रिया से मतदाता सूची की शुचिता बनाए रखने में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

वीवीपैट की होगी अनिवार्य रूप से गिनती

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने राज्य के 75,000 मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मतगणना प्रक्रिया के संबंध में उन्होंने कहा कि 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) की अनिवार्य रूप से गिनती की जाएगी, साथ ही मतगणना पूरी होने के बाद भी कोई उम्मीदवार निर्धारित शुल्क जमा कर अगले सात दिन में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट का मिलान करा सकता है। नई पहलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण कदम यह है कि ईवीएम की गिनती से पहले दो दौर में डाक मतपत्रों की गिनती की जाएगी।

मुंबई पहुंचे कार्नी, प्रधानमंत्री मोदी से करेंगे वार्ता

मुंबई, एजेंसी

मुंबई हवाई अड्डे पर कनाडा के प्रधानमंत्री का किया गया स्वागत ● एजेंसी

- **हवाई अड्डे पर भारतीय अधिकारयों ने किया गर्मजोशी से स्वागत**

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। अगले दो दिनों में उनकी भारतीय और कनाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों, अन्वेषकों, शिक्षाविदों और पेंशन निधि निवेश प्रतिनिधियों से मिलने का कार्यक्रम है। कार्नी दो मार्च को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

यह 10 महीनों में कार्नी और मोदी के बीच तीसरी बैठक होगी, जो भारत-कनाडा रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिशों को प्रदर्शित करती है। यह जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर खालिस्तानी समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद उनके पहले के जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान पैदा हुए तनाव को खत्म करने की कोशिशों को भी दिखाती है।

कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि निज्जर की मौत से भारत सरकार के एजेंटों का कनेक्शन जोड़ने वाले भरोसेमंद सबूत हैं। इस आरोप को नयी दिल्ली ने पूरी तरह से गलत बताया था।

विदेशी महिला ने पोस्ट किया मुंबई में उत्पीड़न का वीडियो

मुंबई। विदेशी महिला पर्यटक ने अपने कटु अनुभवों को साझा करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जिसमें मुंबई में दो लोग लगातार उसका पीछा कर रहे हैं और मना करने के बावजूद तस्वीरें खिंचवाने को कह रहे हैं। इस मामले के बाद पुलिस ने दोनों लोगों के मामला दर्ज किया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना दक्षिण मुंबई में दिन के समय घटी, लेकिन उन्होंने घटना के समय और स्थान के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं दी।

पीड़ित महिला की पहचान इनेस फारिया के रूप में हुई है, जो एक यूट्यूबर है और पिछले दो महीनों से भारत का दौरा कर रही है।

68 बैंक खातों से निकाले गए 1600 करोड़

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **24 लाख के लूटकांड में हुआ करोड़ों के गोरखधंधे का खुलासा, शिवांग टेनरी की आईडी पर हैं 12 बैंकों में 68 खाते**

अमृत विचार : श्यामनगर में 24 लाख की लूट की क्राइम ब्रांच ने परतें खोलीं तो 1600 करोड़ के हवाला रैकेट का खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। लूटी गई रकम जाजमऊ के टेनरी कारोबारी महफूज की थी। लूट की जांच में टेनरी कारोबारी और उसके परिजनों के 68 बैंक खातों से करीब 1600 करोड़ के लेनदेन का खुलासा हुआ है। अकेले आईडीबीआई की सिविल लाइंस शाखा से 850 करोड़ की निकासी हुई, जो 14 खातों से ट्रांसफर हुई। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने हवाला, देशद्रोही गतिविधियों में रुपये लगाने की आशंका पर आरबीआई, आयकर, जीएसटी, सीबीआई और ईडी को पत्र लिखने बात कही है। पुलिस जांच में पता चला कि लूट के बाद लुटेरे जामा मस्जिद, कश्मीर, नेपाल भी गए थे। महफूज फरार है।

श्यामनगर में 16 फरवरी को हुई लूट के खुलासे में क्राइम ब्रांच, साइबर सेल व पुलिस की अलग-अलग छह टीमें लगी थीं। क्राइम ब्रांच टीम लुटेरों की तलाश में थी। गुरुवार देर रात अहिरवां में हीरामन पुरवा का यासीन व मुजाहिद को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर चमनगंज का लारेब सिद्दीकी, हीरामन पुरवा का मो. जीशान फिर मूलगंज मिश्री बाजार का अब्दुल रहमान, हीरामन पुरवा का शुभान खान को दबोचा गया। आरोपियों के पास से 10.73 लाख रुपये व तमंचा बरामद हुआ। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में पता चला कि मो. वासिद व उसका साथी अरशद रकम पहुंचाने का काम करते है। पुलिस जांच में वासिद ने फूलबाग स्थित आईडीबीआई बैंक से रुपये निकालने की बात कही थी। जब बैंक में जांच की गई तो पता चला कि वारदात के दिन जाजमऊ निवासी टेनरी कारोबारी महफूज के अकाउंट से 3.20 करोड़ रुपये निकाले गए। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि 2023 से 2025 तक आईडीबीआई बैंक के ही करीब 14 खातों से 850 करोड़ रुपये निकाले गए। सभी खाते जाजमऊ स्थित शिवांग टेनरी के है। आईडी जांच से पता चला कि महफूज और उसके परिजनों के शहर में 12 बैंकों में कुल 68 खाते हैं। इन्हीं खातों से ढाई साल में 1600 करोड़ रुपये निकाले गए हैं।

अवमानना केस में अमेठी डीएम ने किया सरेंडर

सुलतानपुर। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के अवमानना मामले में जारी जमानती वारंट पर अमेठी के जिलाधिकारी संजय चौहान ने शुक्रवार को सीजेएम कोर्ट में अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा के माध्यम से सरेंडर किया। सीजेएम नवनीत सिंह ने बंध पत्र दाखिल करने पर डीएम को रिहा कर दिया।हाईकोर्ट में याची धनंजय कुमार श्रीवास्तव ने रूपये अदायगी से जुड़े मामले में डीएम संजय चौहान की ओर से कार्रवाई नहीं होने पर उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है। आदेश के अनुपालन में लापरवाही पाए जाने और हाजिर नहीं होने पर पर हाईकोर्ट ने 18 फरवरी को डीएम के खिलाफ जमानती वारंट जारी कर नौ मार्च को व्यक्तिगत उपस्थिति व अनुपालन का हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

कुनो में मादा चीता गामिनी ने चौथे शावक को दिया जन्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- **देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 39 हुई**

दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने मध्यप्रदेश के कुनो राष्ट्रीय अभयारण्य में चौथे शावक को जन्म दिया है। इसी के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 39 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कुनो राष्ट्रीय अभयारण्य में मादा चीता गामिनी द्वारा चौथे शावक को जन्म देने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क्षेत्र और पशु चिकित्सा टीमों द्वारा गहन निगरानी के दौरान चौथे शावक की उपस्थिति की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा, चारों शावक फिलहाल स्वस्थ हैं और ठीक हैं। भारत में चीतों की संख्या अब 39 हो गई है, जिनमें 28 भारत में जन्मे शावक शामिल हैं। दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से दौड़ने वाले स्थलीय जानवर चीता को भारत को फिर से बसाने की योजना सितंबर 2022 में शुरू की गई।

एनएचआरसी ने दी नोटिस | **अमेरिकी एआई कंपनी और भारतीय एनजीओ मेंसमझौते पर जताई चिंता**

बच्चों की निजता के खतरों की जांच करें राज्य और केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

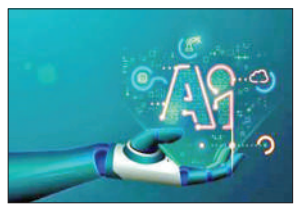

- **बच्चों के निजी जानकारी के स्थानांतरण को लेकर मिली है शिकायत**

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने अमेरिका स्थित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनी और एक भारतीय गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के बीच सहयोग से बच्चों की निजता को कथित रूप से खतरे में डालने को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ कुछ केंद्रीय सरकारी विभागों को नोटिस जारी किए हैं।

यह कार्रवाई उस शिकायत के बाद की गई है, जिसमें अमेरिका स्थित एंथ्रोपिक और भारत में बच्चों के लिए काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन प्रथम के बीच सहयोग को लेकर चिंता जताई गई थी। इस सहयोग में बच्चों की हस्तलिखित प्रतिक्रियाओं और शैक्षणिक डाटा को एनीटाइम टेस्टिंग मशीन (एटीएम) के माध्यम से संसाधित करने के लिए एआई प्रणाली का इस्तेमाल शामिल था। शिकायतकर्ता ने नाबालिगों के व्यक्तिगत डाटा के संग्रह, भंडारण और संभावित सीमा-पार स्थानांतरण से संबंधित चिंताओं को उठाया।

इस मामले में आयोग के हस्तक्षेप की मांग की गई थी, क्योंकि शिकायतकर्ता ने बच्चों के हित में डाटा संरक्षण और उचित सुरक्षा उपायों का अनुरोध किया था। यह शिकायत नमो फाउंडेशन द्वारा दायर की गई है, जिसने बच्चों की निजता खतरे में है? शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। यह शिकायत डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के तहत बच्चों की निजता और डाटा संरक्षण के लिए संभावित जोखिमों से संबंधित है।

सुनिश्चित करें कि डाटा का दुरुपयोग न हो

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बच्चों से संबंधित कोई भी डाटा डीपीडीपी अधिनियम, 2023 या किसी अन्य भारतीय कानून के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन न करे और ऐसे गैर-सरकारी संगठनों के साथ किए गए किसी भी समझौता ज्ञापन की समीक्षा करें। उच्च शिक्षा विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिवों और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव को भी नोटिस जारी किए गए हैं। आयोग ने नोटिस प्राप्त होने की तारीख से दो सप्ताह के भीतर की गई कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट मांगी है।

एप्स्टीन मामले में मैंने कुछ भी गलत नहीं किया: बिल क्लिंटन

वाशिंगटन, एजेंसी

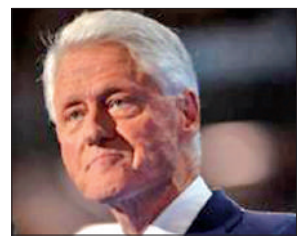

- **पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने सांसदों के सामने दी गवाही**

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने यौन उत्पीड़न के अपराधी जेफ्री एप्स्टीन संबंधी मामले की जांच कर रहे सांसदों के समक्ष अपनी गवाही देते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया और उन्हें एप्स्टीन द्वारा उत्पीड़न किए जाने का कोई संकेत नहीं दिखा। न्यूयॉर्क के चैप्पाक्वा में बंद कमरे में यह पहली बार हुआ जब किसी पूर्व राष्ट्रपति को संसद के सामने गवाही देने के लिए बाध्य होना पड़ा। यह घटनाक्रम क्लिंटन की पत्नी एवं पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन द्वारा सांसदों के सामने अपनी गवाही दिए जाने के एक दिन बाद हुआ है। बिल क्लिंटन पर भी किसी प्रकार के गलत काम का आरोप नहीं लगाया गया है। फिर भी सांसद इसे लेकर मंथन कर रहे हैं कि ऐसे समय में अमेरिका में जवाबदेही कैसे तय होनी चाहिए, जब एप्स्टीन के साथ संबंधों को लेकर दुनिया भर में कई पुरुषों को उनके उच्च पदों से हटा दिया गया है।

अमृत विचार

शनिवार, 28 फरवरी 2026

धर्म नाम है न्याय का और न्याय नाम है पक्षपात को छोड़ना।

–**स्वामी दयानंद सरस्वती**, आर्य समाज के संस्थापक

बहुआयामी दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इजराइल दौरा भारत की पश्चिम एशिया नीति के युगांतरकारी चरण का स्पष्ट संकेत है। प्रधानमंत्री ने न केवल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के 'जीरो टॉलरेंस' के रुख को दोहराया, बल्कि गाज़ा शांति प्रस्ताव का समर्थन कर परिपक्व कूटनीति का परिचय दिया। 'मानवता को संघर्ष का शिकार न बनने देने' का उनका आह्वान यह दर्शाता है कि भारत ऐसे मामलों में अब केवल मूक दर्शक नहीं हैं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के बारे में सक्रिय हितधारक की भूमिका निभा रहा है। इजराइली नेतृत्व के साथ हुई वार्ताओं के दौरान साफ हुआ कि भारत-इजराइल रक्षा संबंध अब केवल 'क्रेता-विक्रेता' तक सीमित नहीं हैं; मिसाइल, ड्रोन और साइबर सुरक्षा में सहयोग अब सह-उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण की दिशा में बढ़ रहा है। यह बदलाव 'मेक इन इंडिया' अभियान को सशक्त करेगा ही साथ ही सामरिक दृष्टि से भारत की आयात-निर्भरता को भी घटाएगा, हालांकि भारत इजराइल के इस बढ़ते रिश्ते के बीच अरब देशों और विशेषकर खाड़ी क्षेत्र के साथ संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। भारत ने बीते वर्षों में यह सिद्ध किया है कि वह इजराइल और अरब जगत, दोनों के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की क्षमता रखता है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जिसे 'आईमैक प्लस' के रूप में देखा जा रहा है, हमारे लिए यूरोप तक पहुंचने का एक क्रांतिकारी मार्ग है। यह गलियारा मात्र माल ढुलाई का रास्ता नहीं, बल्कि भविष्य की 'डिजिटल और ग्रीन हाईवे' है। प्रस्तावित फाइबर-ऑप्टिक केबल भारत को यूरोप से सीधे जोड़ेंगी, जिससे डेटा ट्रांसफर सस्ता होगा और फिनटेक एवं एआई जैसे उद्योगों को भारी लाभ होगा। साथ ही, ग्रीन हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा की साझेदारी भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को पुख्ता करेगी। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए अनिवार्य 'रेयर अर्थ मेटल्स' की आपूर्ति के लिए चीन पर निर्भरता कम करना भारत की बड़ी रणनीतिक जीत होगी। यदि मिस्र और अफ्रीकी नेटवर्क इस गलियारे से जुड़ते हैं, तो भारत की पहुंच स्वेज नहर से परे एक विशाल आर्थिक पट्टी तक हो जाएगी। यह आर्थिक, रणनीतिक मार्ग सस्ता और तेज तो है, पर जटिल भी है। संभव है भविष्य में कस्टम प्रक्रियाओं और रेल-नेटवर्क का पूर्ण डिजिटलीकरण, खाड़ी से भूमध्यसागर तक निर्बाध रेल संपर्क तथा कॉरिडोर की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकने वाली इस क्षेत्र की राजनीतिक अस्थिरता तथा तनाव पर नियंत्रण करने के लिये एक मजबूत सुरक्षा-ढांचा बन सके और यह रास्ता निरापद, आसान तथा सहज, लाभकारी हो सके।

इजराइल के साथ संभावित मुक्त व्यापार समझौता उच्च-तकनीक और कृषि में निवेश के नए द्वार खोलेगा, रोजगार के तमाम नये अवसर सृजित करेगा, बशर्ते घरेलू उद्योगों के हितों का ध्यान रखा जाए। कुल मिलाकर यह दौरा केवल द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं, बल्कि भारत की 'कनेक्टिविटी-डिप्लोमेसी' का नया चेहरा है। इससे तेज व्यापार और तकनीकी बढ़त की पूरी संभावना तो है, लेकिन क्षेत्रीय अस्थिरता और अधूरी अवसंरचना जैसे जोखिम भी उतने ही वास्तविक हैं।

प्रसंगवश

घर के अदृश्य संविधान में स्त्री का संशोधन

सुबह की रसोई में उबलती चाय की भाप के साथ एक और चीज़ उठ रही है- खामोश विद्रोह। यह विद्रोह दरवाज़े पटककर नहीं, बल्कि दरवाज़े धीरे से बंद करके होता है। महिलाएं अब घर छोड़ नहीं रहीं, नौकरी छोड़ नहीं रहीं, पर 'सब कुछ संभालने' की अदृश्य जिम्मेदारी से पीछे हट रही हैं। इसे ही घर से 'क्वाइट क्विटिंग' कहा जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, आत्मरक्षा है; असंवेदनशीलता नहीं, संतुलन की मांग है। दशकों से घर की दीवारों में कैद वह मानसिक बोझ, जिसे कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया गया था, अब प्रश्नों के कटघरे में है। यह नई लहर बिना नारों के, बिना मंचों के, सीधे रसोई और बैठक के बीच जन्म ले रही है।

'क्वाइट क्विटिंग' शब्द कार्यस्थल से आया, पर घर के भीतर इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। दफ्तर में कर्मचारी अतिरिक्त काम छोड़ता है, यहां महिला अतिरिक्त भावनात्मक और संज्ञानात्मक श्रम छोड़ रही है। मेंटल लोड वह अदृश्य सूची है, जो उसके दिमाग में हर समय चलती रहती है। बच्चों की परियोजना, सास की दवा, पति की मीटिंग, त्योहार की तैयारी, रिश्तों की मरम्मत। समय उपयोग सर्वेक्षण 2024 के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएं प्रतिदिन पुरुषों से कई घंटे अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। महिलाएं रोजाना 289 मिनट अनपेड घरेलू कामों पर और 137 मिनट देखभाल पर खर्च करती हैं, जबकि पुरुष केवल 88 और 75 मिनट। यह सिर्फ समय नहीं, ऊर्जा और पहचान की कीमत भी है। यही असमानता अब प्रतिरोध को जन्म दे रही है।

कृति जैन

लेखिका

महामारी ने इस असंतुलन को निर्वस्त्र कर दिया। घर ही दफ्तर बना, दफ्तर ही घर, और महिला दोनों की प्रबंधक। लैपटॉप की स्क्रीन के पीछे वह मीटिंग में थी और कैमरे के बाहर रसोई में। इसी दौर में सोशल मीडिया ने वैश्विक संवाद खोला। हजारों भारतीय महिलाएं लिखने लगीं कि वे 'परफेक्ट' होने की दौड़ से बाहर निकलना चाहती हैं। नई पीढ़ी की मिलेनियल और जेन-ज़ी महिलाएं अपनी माताओं की थकान को विरासत नहीं बनाना चाहतीं। वे समझ चुकी हैं कि त्याग का अनंत महिमामंडन असल में असमानता को स्थायी बनाता है, इसलिए यह बदलाव भावनात्मक जागरण से उपजा है।

व्यवहार में यह विद्रोह बेहद सूक्ष्म है। महिला चाय बनाएगी, पर सबके दिमाग का अलार्म नहीं बनेगी। वह याद दिलाना बंद कर देगी, आयोजन का बोझ साझा कर देगी, हर निर्णय की धुरी बनने से इंकार कर देगी। शुरुआत में परिवार चौंकता है, कभी नाराज़ भी होता है। 'तुम बदल गई हो' जैसे वाक्य तीर की तरह आते हैं, पर धीरे-धीरे घर के अन्य सदस्य भी जिम्मेदारी का स्वाद चखते हैं। बच्चे खुद अपना बैग तैयार करने लगते हैं, पति दवाइयों की सूची संभालने लगता है। यह बदलाव टकराव से नहीं, अभ्यास से आता है और यहीं इसकी शक्ति छिपी है।

इस खामोश क्रांति के सामाजिक प्रभाव दूरगामी हैं। परिवार की शक्ति-संरचना बदल रही है। पुरुष पहली बार समझ रहे हैं कि घर चलाना केवल शारीरिक श्रम नहीं, निरंतर मानसिक योजना भी है। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है, क्योंकि मां हर समस्या का तत्काल समाधान नहीं दे रही। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है; चिंता और थकान में कमी दिख रही है। जब वे हर समय 'ऑन' नहीं रहतीं, तब उनकी रचनात्मकता और पेशेवर दक्षता भी बढ़ती है। यह विद्रोह रिश्तों को तोड़ने नहीं, उन्हें अधिक न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में है। फिर भी यह राह बिल्कुल सरल नहीं। समाज अब भी आदर्श पत्नी और त्यागमयी मां के पुराने सांचे से बाहर सोचने को सहज नहीं है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

ज्यादा वेतन वाले कर्मियों में एआई का ज्यादा खौफ

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

एआई नौकरीपेशा लोगों के लिए खौफ का सबब बनता जा रहा है। कम आय वाले कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन वाले लोग अपनी नौकरी को लेकर ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज विस्तार ने रोजगार की दुनिया में एक नई बहस को जन्म दिया है। हाल में यह तथ्य उभरकर आया कि कम आय वाले कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन पाने वाले लोग अपनी नौकरी को लेकर ज्यादा चिंतित और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पहली नजर में यह निष्कर्ष चौंकाता है, क्योंकि आम धारणा यह रही है कि तकनीकी बदलाव का सबसे अधिक असर निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, परंतु वर्तमान दौर में एआई जिस तरह कामकाज की प्रकृति को बदल रही है, उससे यह समझ में आता है कि उच्च आय वर्ग की चिंता के पीछे ठोस कारण मौजूद हैं।

सबसे पहला कारण यह है कि एआई अब केवल साधारण और दोहराए जाने वाले कामों तक सीमित नहीं है। पहले मशीनों और सॉफ्टवेयर से मुख्य रूप से उत्पादन, डेटा एंट्री या ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में बदलाव की आशंका जताई जाती थी, लेकिन अब एआई वित्तीय विश्लेषण, कानूनी दस्तावेज तैयार करने, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, मेडिकल रिपोर्ट की व्याख्या, डिजाइनिंग और यहां तक कि संपादकीय सामग्री का प्रारूप तैयार करने जैसे काम भी करने लगा है। ये वे क्षेत्र हैं, जहां आम तौर पर अधिक वेतन पाने वाले पेशेवर कार्यरत होते हैं। जब तकनीक जटिल कार्यों को तेजी और सटीकता से करने लगे, तो इन पदों पर काम कर रहे लोगों में असुरक्षा की भावना स्वाभाविक रूप से बढ़ती है।

दूसरा बड़ा कारण कंपनियों पर बढ़ता लागत दबाव है। किसी भी संस्था में उच्च वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर कुल खर्च अधिक होता है। यदि एआई आधारित प्रणालियां कम लागत में समान या बेहतर परिणाम दे सकती हैं, तो प्रबंधन के सामने खर्च घटाने का विकल्प खुल जाता है। ऐसे में वरिष्ठ और महंगे पदों की संख्या घटाने या उनकी जिम्मेदारियां सीमित करने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। यह संभावना ही उच्च आय वर्ग के कर्मचारियों को असहज कर देती है।

तीसरा कारण बदलती कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया से जुड़ा है। आज कंपनियां डेटा आधारित निर्णयों पर अधिक भरोसा कर रही हैं। एआई बाजार की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर सकती है, जोखिम का अनुमान लगा सकती है और रणनीतिक सुझाव दे सकती है। पहले वरिष्ठ अधिकारियों का अनुभव और अंतर्ज्ञान महत्वपूर्ण माना जाता था, लेकिन अब अल्गोरिदम आधारित विश्लेषण को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे कई पेशेवरों को लगता है कि उनकी पारंपरिक विशेषज्ञता का महत्व कम हो रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है।

चौथा पहलू कौशल उन्नयन की चुनौती है। तकनीकी बदलाव की रफ्तार बहुत तेज है। उच्च आय वाले अधिकांश काम ज्ञान और डिजिटल दक्षता पर आधारित हैं। ऐसे में कर्मचारियों को लगातार नए उपकरण, नई प्रणालियां और नए सॉफ्टवेयर सीखने पड़ रहे हैं। जो लोग इस गति से तालमेल नहीं बैठा पाते, उन्हें पीछे छूटने का डर सताता है। इसके विपरीत, निम्न आय वर्ग के कई काम अभी भी मानवीय श्रम और भौतिक उपस्थिति पर आधारित हैं, जिनमें एआई का पूर्ण विकल्प बनना फिलहाल आसान नहीं है। इस कारण उच्च आय वर्ग को तात्कालिक खतरा अधिक महसूस होता है।

पांचवां कारण सामाजिक और आर्थिक जिम्मेदारियों से जुड़ा है। अधिक वेतन वाले कर्मचारियों की जीवनशैली अपेक्षाकृत महंगी होती है। घर का ऋण, बच्चों की शिक्षा, बीमा, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसे पहलू उनके आर्थिक ढांचे का हिस्सा होते हैं। यदि नौकरी पर संकट की आशंका उत्पन्न होती है, तो उसका प्रभाव व्यापक होता है। आय में थोड़ी सी कमी भी उनकी दीर्घकालिक योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए उनका डर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक भी होता है।

छठा कारण करियर की स्थिरता में आई अनिश्चितता है। पहले यह माना जाता था कि अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर करियर क्रमशः आगे बढ़ता रहेगा। अब एआई और डिजिटल तकनीक के कारण कौशल की मांग तेजी से बदल रही है। कई बार युवा और तकनीकी रूप से अधिक दक्ष कर्मचारी कम समय में बेहतर अवसर पा लेते हैं। इससे अनुभवी पेशेवरों को प्रतिस्पर्धा बढ़ती हुई दिखती है। उन्हें लगता है कि वर्षों का अनुभव अचानक कम मूल्यवान हो सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि एआई का प्रभाव केवल नौकरी खत्म करने तक सीमित नहीं है, बल्कि काम के स्वरूप को बदलने तक है। कई कंपनियां कर्मचारियों की संख्या घटाने के बजाय भूमिकाओं को पुनर्गठित कर रही हैं। ऐसे में कुछ पद समाप्त होते हैं, तो नए प्रकार के पद भी बनते हैं, लेकिन इस परिवर्तन के दौर में अस्थिरता स्वाभाविक है। अधिक आय वर्ग के लोग, जो पहले अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते थे, अब खुद को जोखिम में देख रहे हैं।

यह स्थिति पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर तकनीकी क्रांति ने नई संभावनाएं भी पैदा की हैं। औद्योगिक क्रांति से लेकर सूचना क्रांति तक, बदलाव के साथ नए रोजगार भी सामने आए। एआई भी डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल रणनीति और मानव मशीन सहयोग जैसे नए क्षेत्रों में अवसर पैदा कर रही है। जो पेशेवर अपनी रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता को तकनीक के साथ जोड़ते हैं, वे अधिक प्रभावी बन सकते हैं।

सरकारों और कंपनियों की जिम्मेदारी भी यहां महत्वपूर्ण है। यदि पुनः कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए, तो इस बदलाव का असर संतुलित किया जा सकता है। कर्मचारियों को यह भरोसा देना जरूरी है कि तकनीक उनका स्थान लेने नहीं, बल्कि उनके कार्य को बेहतर बनाने के लिए है। पारदर्शी नीति और संवाद से भी भय कम किया जा सकता है।

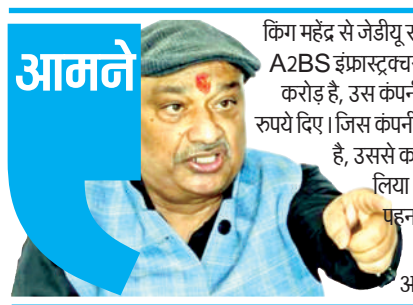

आमने

किंग महेंद्र से जेडीयू सालों तक पैसा लेता रही। A2BS इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसका टर्न ओवर 27 करोड़ है, उस कंपनी ने जेडीयू को 24 करोड़ रुपये दिए। जिस कंपनी का ऐसेट 10 हजार नहीं है, उससे करोड़ों रुपये जेडीयू ने चंदा लिया। सरकार हिरन का चोला पहनकर भेड़िया के रूप में है।

–सुनील सिंह

आरजेडी एमएलसी, बिहार

सामने

आरजेडी ने शराब कंपनियों से पैसा लिया। पश्चिम बंगाल की कंपनी से चंदा लिया। इलेक्टोरल बॉन्ड लेना गुनाह नहीं है, लेकिन आरजेडी ने बिहार में शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब कंपनियों से पैसा लिया। ये लोग कायर हैं।

–नीरज कुमार

जेडीयू के प्रवक्ता, बिहार

रेवड़ी कल्चर: शीर्ष अदालत की टिप्पणी व चिंता

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

न्यायालय ने राज्यों से पूछा है कि हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? क्या राज्यों का काम सिर्फ वेतन देना और मुफ्त उपहार बांटना रह गया है?

मुफ्त की रेवड़ी पर बीती 19 फरवरी को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को कड़ी फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए गंभीर सवाल उठाए। न्यायालय ने पूछा कि हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? क्या राज्यों का काम सिर्फ वेतन देना और मुफ्त उपहार बांटना रह गया है? पीठ ने कहा कि ऐसी नीतियों से लोगों में काम करने की इच्छा खत्म हो रही है और देश का 'वर्क कल्चर' खराब हो रहा है।

रेवड़ी संस्कृति देश की राजनीति के केंद्र में आ चुकी है। फ्रीबीज की शुरुआत सन् 1956 से हुई मानी जा सकती है, जब मध्याह्न भोजन योजना पहली बार वर्ष 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के कामराज द्वारा शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की दो रुपये किलो चावल योजना ने आज के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की नींव रखी थी। तेलंगाना की रायथु बंधु और ओडिशा की कालिया योजनाओं ने किसानों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अग्रदूत के रूप में कार्य किया है।

दक्षिण भारत से शुरू हुई इस प्रथा को अरविंद केजरीवाल ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। इसका बाद में दूसरे दलों ने अनुसरण किया। एक ओर अर्थशास्त्री और नीति विशेषज्ञ इस प्रथा की आलोचना करते हैं, तो दूसरी ओर कई नेता मतदाताओं के लिए मुफ्त चीजों की वकालत करते हैं। चुनाव में मुफ्त सुविधाओं के वादे और चुनाव अक्सर इस मायने में जुड़े होते हैं कि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्रों में इसका वादा करते हैं और सत्ताधारी दल अक्सर चुनाव से ठीक पहले उन्हें बांट देते हैं।

दीर्घकालिक दृष्टिकोण से यह जीवन की अच्छी गुणवत्ता से समझौता है, क्योंकि मुफ्त उपहारों की संस्कृति स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, अनुसंधान एवं विकास आदि जैसी अन्य जरूरी आवश्यकताओं पर कम पूंजीगत व्यय को दर्शाती है। साथ ही, यह बजटीय संकट को भी जन्म देती है। 2019 में, दिल्ली स्थित एक गैर-सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स द्वारा भारत के 543 संसदीय क्षेत्रों में एक सर्वेक्षण किया गया था। उस सर्वेक्षण के अनुसार, 42 फीसद से अधिक मतदाता किसी विशेष उम्मीदवार को वोट देने के पीछे उम्मीदवार की कल्याणकारी योजनाओं के बजाय नकदी, शराब और मुफ्त उपहारों के वितरण को एक महत्वपूर्ण कारण मानते हैं।

ताजा मामले में न्यायालय ने चिंता जताई कि अधिकांश राज्य पहले से ही 'रेवेन्यू डेफिसिट' में हैं, फिर भी वे मुफ्त बिजली, राशन और नकदी बांट रहे हैं। कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा कि इस कारण बुनियादी ढांचे यानी सड़क, स्कूल, अस्पताल के विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचता। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना भेदभाव के सबको मुफ्त सुविधाएं देना तुष्टिकरण की राजनीति है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि आखिर 'रेवड़ियां' बांटने का बोझ टैक्स देने वाले लोगों पर ही पड़ेगा। यदि 'रेवड़ियां' मिलती रहेंगी, तो काम कौन करेगा? आखिर हम यह कैसी संस्कृति बना रहे हैं? सरकारों को 'मुफ्तखोरी' के बजाय रोजगार-सृजन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। यदि कोई शिक्षा और बुनियादी जिंदगी का खर्च वहन नहीं कर सकता, तो ऐसे लोगों को सुविधा देना सरकार का दायित्व है, लेकिन 'मुफ्त रेवड़ियां' उनकी जेब में जा रही हैं, जो लोग मजे कर रहे हैं। क्या सरकारों को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए?

बहरहाल सर्वोच्च अदालत ने मौखिक टिप्पणी कर दी और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता कह रहे हैं कि वे शीर्ष अदालत की बात मानने को बाध्य नहीं हैं। ये 'रेवड़ियां' नहीं हैं, बल्कि कल्याणकारी योजनाएं हैं। हम कल्याणकारी लोकतंत्र हैं और जनता की मदद करना हमारा फर्ज है। सर्वोच्च अदालत के चिंता व्यक्त करने से क्या होगा? सर्वोच्च अदालत को संविधान ने विशेषाधिकार भी दिए हैं और उनका इस्तेमाल कर अदालत ने फैसले भी सुनाए हैं, तो मुफ्तखोरी पर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते? अदालत सरकारों को स्पष्ट निर्देश दे कि चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणा कब करें? 'रेवड़ियों' को भी परिभाषित करें। 11 अगस्त 2022 को 'रेवड़ी कल्चर' पर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह मुद्दा समाज और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि फ्रीबीज की वजह से इकोनॉमी पैसे गंवा रही है। हम इस बात से सहमत हैं कि फ्रीबीज और वेलफेयर के बीच अंतर है।

जमीनी हकीकत यह है कि देश के राज्यों पर कुल 104 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। देश पर भी 200.50 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कुछ विशेषज्ञ इसे 225 लाख करोड़ के करीब मानते हैं। इसके बावजूद रेवड़ियां बांटी जा रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

पाउलो की खामोश क्रांति

पाउलो फ्रेरे को गिरफ्तार किया गया, निर्वासित किया गया और उन्हें राष्ट्रीय खतरा घोषित किया गया, क्योंकि उन्होंने गरीब वयस्कों को इस तरह पढ़ना सिखाया कि उन्हें चुपचाप शासित करना असंभव हो गया। पाउलो फ्रेरे शुरू में क्रांतिकारी नहीं थे। वे एक शिक्षक के रूप में शुरू हुए, जिन्होंने भूख को अपनी आंखों के सामने सीखने की क्षमता को मिटाते देखा। 1950 के दशक के ब्राजील में उन्होंने देखा कि वयस्कों को अशिक्षित होने के लिए दोषी ठहराया जाता है, जबकि वे ऐसे तंत्र में जी रहे थे, जो उन्हें चुप रखने के लिए डिज़ाइन किया गया था। फ्रेरे ने कुछ खतरनाक बात नोटिस की। लोग स्कूल में असफल नहीं हो रहे थे। स्कूल उन्हें जानबूझकर असफल कर रहा था।

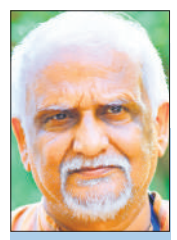

अफलातून अफलू

लेखक

इसलिए उन्होंने नियम बदल दिए। अलग-अलग अक्षरों को रटवाने के बजाय, फ्रेरे ने दैनिक अनुभव के माध्यम से पढ़ना सिखाया। शब्द उनके रोज़मर्रा के जीवन से आए। ज़मीन, काम, किराया, भूख, सत्ता। जैसे-जैसे वयस्क पढ़ना सीखते गए, वे उन ताकतों को नाम देना भी सीख गए, जो उनकी ज़िंदगी को आकार दे रही थी। साक्षरता जागरूकता बन गई। जागरूकता एजेंसी (स्वायत्तता) बन गई।

1963 में, फ्रेरे ने विधि से मात्र 45 दिनों में 300 गन्ना मजदूरों को पढ़ना सिखाया गया। ब्राज़ील सरकार ने इस कार्यक्रम का शुरू में समर्थन किया, यह मानते हुए कि साक्षरता देश को आधुनिक बनाएगी। उन्होंने गलत आकलन किया। नव-साक्षर नागरिक ऐसे सवाल पूछने लगे, जो मतपत्रों को खतरनाक बना देते हैं। ज़मीन किसकी है? चुप्पी से किसका फ़ायदा होता है? ज्ञान क्या मायने रखता है, यह किसका फैसला है?

1964 के तख्तापलट के बाद फ्रेरे को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें विध्वंसक घोषित कर जेल में डाल दिया गया। लोगों को आलोचनात्मक रूप से पढ़ना सिखाना अब वैचारिक युद्ध के रूप में पेश किया जाने लगा। उन्हें रिहा किया गया, लेकिन निर्वासन के लिए मजबूर कर दिया गया। वे ब्राज़ील छोड़कर केवल कुछ नोट्स और एक ऐसे विचार के साथ गए जो तानाशाही को डराने के लिए काफी था।

चिली में, फिर अफ्रीका और यूरोप में, फ्रेरे ने जो बाद में Pedagogy of the Oppressed बना, उसे परिष्कृत किया। उन्होंने शिक्षा को जमा करने और आज्ञाकारिता के रूप में खारिज कर दिया। शिक्षा मुक्ति के रूप में या फिर कुछ भी नहीं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोशल मीडिया और खबरों की सत्यता का बढ़ता संकट

कलम और कागज से शुरू हुई यात्रा आज कीबोर्ड, कैमरा और कोड तक पहुंच चुकी है। माध्यम बदलते रहेंगे, प्लेटफॉर्म बदलते रहेंगे, लेकिन यदि पत्रकारिता अपनी आत्मा सत्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी को सुरक्षित रखेगी, तो वह लोकतंत्र की सबसे मजबूत आवाज़ बनी रहेगी। आने वाला समय उसी पत्रकारिता का होगा, जो तेज भी हो, सटीक भी, आधुनिक भी हो और विश्वसनीय भी।

केंद्र सरकार ने हाल ही में फेक न्यूज पर लगाम कसने के लिए नए नियम जारी किए हैं। डीपफेक और भ्रामक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंटेंट के लिए केंद्र ने सख्त नियम बनाए हैं। आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम 2021 में संशोधन करते हुए सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अब आपत्तिजनक सामग्री तीन घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। यह संशोधित नियम 20 फरवरी, 2026 से लागू हो चुके हैं। अब अगर कोई फोटो, वीडियो या ऑडियो एआई की मदद से बनाया गया है, तो उस पर लेबल लगाना जरूरी कर दिया गया है। केंद्र के इस नियम से अब सोशल मीडिया पर फेक न्यूज पर लगाम लग सकेगी। नए नियम बता रहे हैं कि करीब ढाई सौ साल में कई बदलाव के बाद फेक न्यूज ने पत्रकारिता के समक्ष चुनौती खड़ी कर दी है।

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

असल में दशकों से पत्रकारिता विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। यह विश्वास आज के समय में डगमगाने लगा है। जब पत्रकारिता का शुरूआत हुई, तो विश्वसनीयता ही उसका सबसे बड़ा उद्देश्य था। पत्रकारिता केवल खबर लिखने या पढ़ने का माध्यम नहीं है, यह समाज की धड़कनों को शब्द देने की कला है। यह वह आईना है, जिसमें सत्ता, व्यवस्था और समाज तीनों का चेहरा दिखाई देता है। समय के साथ पत्रकारिता ने कई दौर देखे हैं। पहले पत्रकारिता मिशन हुआ करती थी। फिर प्रोफेशन में तब्दील हो गई। कलम और कागज से शुरू हुआ यह सफर आज डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक पहुंच चुका है। इन बदलावों ने जहां पत्रकारिता को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया है, वहीं नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं।

इस यात्रा में साधन बदले, माध्यम बदले, लेकिन मूल उद्देश्य कभी नहीं बदला। आज भी सत्य की खोज और जनहित ही पत्रकारिता का उद्देश है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका मूल कार्य सत्ता और समाज के बीच सेतु बनना, जनमत को दिशा देना और सच को सामने लाना है। इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह सत्ता से सवाल करती है, जनता की आवाज़ को मंच देती है और व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है।

भारत में पत्रकारिता की शुरुआत 1780 से मानी जाती है। इस साल शुरू हुआ बंगाल गजट एक अंग्रेजी का साप्ताहिक अखबार था। साथ ही ब्रिटिश शासन के दौर में निकला और उसने सत्ता की आलोचना करने का साहस दिखाया। उस समय समाचार संकलन की प्रक्रिया बेहद कठिन थी। संवाददाता घटनास्थल तक स्वयं पहुंचते, लोगों से बातचीत करते और चिट्ठियों या तार के माध्यम से सूचनाएं संपादकीय कार्यालय तक भेजते थे। छपाई तकनीक सीमित थी, वितरण व्यवस्था धीमी थी, फिर भी खबरों की विश्वसनीयता और तथ्यपरकता सर्वोच्च मानी जाती थी। एक खबर को प्रकाशित करने से पहले उसके कई स्तरों पर सत्यापन की परंपरा थी। आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता को बनाए रखने की है। सोशल मीडिया के अल्गोरिद्म अक्सर वही सामग्री आगे बढ़ाते हैं, जो भावनात्मक या विवादास्पद हो।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

दो दशक पहले तक उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की जनता के लिए आंखों के इलाज का पहला नाम था- 'सीतापुर आई हॉस्पिटल'। आज भले ही यह चिकित्सालय सुर्खियों से दूर हो गया हो, पर गुमनामी में भी अपनी मूल प्रतिबद्धता सेवा और उपचार को पूरी निष्ठा से निभा रहा है। 32 शाखाओं वाले इस एशिया के प्रसिद्ध संस्थान का पांच अस्पतालों तक सिमट जाना एक युग का परिवर्तन जरूर है, लेकिन इन दुर्दिनों ने ही यूपी में कॉरपोरेट सेक्टर के नेत्र चिकित्सालयों की नींव भी तैयार की। वर्तमान ट्रस्ट प्रबंधन का दावा है कि आने वाले वर्षों में यह अस्पताल फिर अपनी वही विश्वस्तरीय पहचान हासिल करेगा।

- पद्माकर पाण्डेय
फोटो ग्राफर शुभांकर चक्रवर्ती

मरीजों को रोशनी दे रहा 'सीतापुर आई हास्पिटल'

अत्याधुनिक इलाज बहुत सस्ते में

कॉर्पोरेट सेक्टर के नेत्र चिकित्सालयों में महंगे इलाज के सापेक्ष सीतापुर आई हॉस्पिटल में अत्यंत कम शुल्क में अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है। इस संबंध में केजीएमयू की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं सीतापुर आई हॉस्पिटल के **शिक्षण कार्य प्रभारी डॉ .विनीता सिंह** का कहना है कि अस्पताल सभी अत्याधुनिक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हैं, जो कार्पोरेट सेक्टर के अस्पतालों में महंगे दामों में उपलब्ध हैं। यहां पर मात्र 200 रुपये के शुल्क पर मरीज के आंखों की जांच के साथ परामर्श मिलता है। अतिरिक्त इलाज कॉर्पोरेट सेक्टर के शुल्क से करीब 50 फीसदी कम होता है, इसके अलावा दवाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। डॉक्टर बताती हैं कि जब उम्र या बीमारी से आंखों की रोशनी बहुत कम रह जाती है। ऐसे लोगों के लिए यह अस्पताल वरदान है। यहां पर लो विजन विभाग में अत्याधुनिक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्मार्टफोन आधारित तकनीक से मरीजों को फिर से चलने-फिरने और दैनिक कार्य करने योग्य बनाया जाता है।

शिक्षण कार्य प्रभारी डॉ .विनीता सिंह

अस्पताल का स्वर्णिम काल और दुर्दिन

2009 में बतौर चीफ मेडिकल ऑफिसर नियुक्त होने वाली **कर्नल डॉ . मधु भदौरिया** का कहना है कि जब उन्हें की जिम्मेदारी दी गई थी, प्रशासनिक अधिकारी उनके पति आर एस भदौरिया को नियुक्त किया गया था। उस दौरान अस्पताल समेत पूरा ट्रस्ट तमाम झंझावतों से जूझ रहा था, अस्पतालों में व्यवस्थाएं चरमरा चुकी थीं। नए संसाधन जुटे नहीं, पुराने संसाधन निष्क्रिय होने लगे, आर्थिक बोझ बढ़ता गया। यही वजह है कि सीतापुर में तमिलनाडु के मदुरै के अरविंद आई केयर सिस्टम के साथ मिलकर नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में काम करने का एमओयू भी किया गया था।

कर्नल डॉ . मधु भदौरिया

इतिहास : राजधानी से करीब 80 किमी दूर सीतापुर में वर्ष 1926 में फूस की झोपड़ी से शुरू हुई यह सेवा-यात्रा संस्थापक पद्मश्री एवं पद्मभूषण डॉ . महेश प्रसाद मेहरे की दूरदर्शिता का परिणाम है। आर्थिक लाभ की चाह से दूर, उन्होंने 1945 में महारानी एलिजाबेथ से प्राप्त दान से 11 .22 एकड़ भूमि पर अस्पताल की औपचारिक नींव रखी। इसके बाद उन्होंने दूरदराज के गरीब मरीजों तक इलाज पहुंचाने के लिए प्रदेश में 32 शाखा अस्पताल खोले।

कई पीएम व राष्ट्रपति कर चुके संस्थान का भ्रमण

500 बेड वाले मुख्य अस्पताल में रोजाना सैकड़ों नेत्र सर्जरी होती थीं। मोतियाबिंद, कार्निया प्रत्यारोपण, ग्लूकोमा, रेटिना सर्जरी, सबका उपचार यहां सहज और सुलभ था। इसी कारण एशिया में इसका बड़ा नाम हुआ। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और पूर्व राष्ट्रपति डॉ . सर्वपल्ली राधाकृष्णन तक इस संस्थान का भ्रमण कर चुके हैं।

नेत्र शिक्षा का मजबूत ढांचा

- एमएस ऑप्थल्मोलॉजी- 15 सीटें (हर साल नीट के जरिए)
- कुल 45 पीजी रेजीडेंट प्रशिक्षण ले रहे
- बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री (बीआप्ट) - 40 सीटें
- डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक असिस्टेंट - 30 सीटें
- डीओए, एमसीओपी तथा लो विजन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ओटी असिस्टेंस व मिड-लेवल ऑप्थल्मिक तकनीशियन तैयार किए जाते हैं

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम

लखनऊ के चौपड़ परिसर स्थित अस्पताल में 5 विशेषज्ञ डॉक्टर और 30 पैरामेडिकल स्टाफ सेवाएं दे रहे हैं। सुबह 9 बजे से पंजीकरण के साथ शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक ओपीडी सेवाएं चलती है। रोजाना 100 से 150 मरीज दिखाने आते हैं।

अस्पताल के विशेषज्ञों में

- डॉ . विनीता सिंह - बाल नेत्र रोग
- डॉ . ज्योति भट्ट - ग्लूकोमा/ कैट्रेक्ट
- डॉ . अश्वनी सिंह - कार्निया और रेफ्रेक्टिव
- डॉ . शरीन मिश्रा पाण्डेय - रेटिना
- डॉ . गुरसिमरन कौर- एंटिरियर सेगमेंट

नेत्र शिक्षा का बड़ा केंद्र

1964 में स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी ने इस संस्थान को नेत्र विशेषज्ञों की पाठशाला बना दिया। इसका शिलान्यास तत्कालीन राष्ट्रपति राधाकृष्णन और उद्घाटन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। वर्ष 1981 में भारत सरकार ने इसे रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी का दर्जा दिया। साल 1974 में संस्थापक की मृत्युपरांत उनके पुत्र और ट्रस्ट सचिव डॉ . मिथलेश कुमार (एमके) मेहरे ने 2011 तक कमान संभाली। इस दौरान इस अस्पताल और ट्रस्ट को हथियाने के षड्यंत्र भी रचे गए। वर्ष 1994 में राजनैतिक हस्तक्षेप से संस्थान में वरिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल भी हुई, ट्रस्ट के समक्ष मुश्किलें इस कदर खड़ी कर दी गई थी कि संस्थान की सुरक्षा के लिए तत्कालीन ट्रस्ट प्रशासन को बाहुबलियों का सहयोग लेना पड़ा, जिसमें आर्थिक व्यय अत्यधिक था। हालांकि आर्थिक चुनौतियां आदि इस संस्थान के पतन के कारण बने। वर्ष 2002 में कार्यकारी प्रशासनिक अधिकारी डॉ . ए . के . पॉल के निधन और बाद में व्यवस्थागत कमजोरियों के बीच अस्पताल लगातार लड़खड़ाता गया। हालांकि वर्ष 2009-10 में ट्रस्ट ने जिम्मेदारी कर्नल डॉ . मधु भदौरिया और प्रशासनिक प्रबंधन आर . एस . भदौरिया को सौंपी, जिसके बाद पुनरोद्धार की प्रक्रिया शुरू हुई।

गंभीर बीमारियों का अत्याधुनिक इलाज

संस्थापक डॉ . मेहरे द्वारा 1949 में बनाए गए ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित सीतापुर नेत्र चिकित्सालय में वर्तमान नामित ट्रस्टी (कर्नल) डॉ . मधु भदौरिया का कहना है कि वर्तमान में सीतापुर अस्पताल समेत प्रदेश में पांच अस्पताल संचालित हो रहे हैं, प्रयागराज स्थित अस्पताल वर्तमान में राज्य सरकार से लौटकर पुन : ट्रस्ट के पास वापस आ चुका है, जिसे मरीजों के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2008-09 में जो अस्पताल बंद हो गया था, उस अस्पताल में एक साल में 50 हजार से ज्यादा सर्जरी हो रही हैं, जो कि साल दर साल आकंड़ा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजधानी लखनऊ समेत अन्य शाखा अस्पतालो में डे केयर की सुविधा के साथ नेत्र संबंधी समस्त चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। राजधानी में हजरतगंज स्थित चौपड़ हास्पिटल परिसर में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीमारियों में बताया कि मोतियाबिंद के ऑपरेशन के साथ ही, रेटिना ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक ऑप्थलमोलॉजी, आई बैंक, कार्निया प्रत्यारोपण और ग्लूकोमा तक का अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है।

पोस्ट ग्रेजुएट की हैं 45 सीटें

सीतापुर आई हॉस्पिटल के कॉलेज में एमएस ऑप्थल्मोलॉजी पीजी की 15 सीटें हैं, जिन पर हर साल नीट काउंसिलिंग के द्वारा दाखिला मिलता है। इस प्रकार तीन साल के करीब 45 पीजी विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण के साथ चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा चार वर्षीय बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री (बीआप्ट) की 40 सीटों पर हर साल दाखिला मिलता है। डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक एसिस्टेंट की 30 सीटों पर हर साल दाखिला मिलता है। इसके आलवा डीओए और एमसीओपी पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिसमें मिड लेवल आप्थैालमिक टेक्नी शियन का प्रशिक्षण दिया जाता है, मरीजों को ओटी में तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। लो विजन ट्रेनिंग प्रोग्राम भी सिखाया जाता है।

उपलब्ध सेवाएं -

- मोतियाबिंद सर्जरी, ग्लूकोमा उपचार, रेटिना सर्जरी, कॉर्निया सर्जरी, बाल नेत्र रोग, न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी, ओकुलोप्लास्टी, नेत्र पुनर्वास सेवाएं।

अनुभूति

लंबे चौधरी और होली की मस्ती

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

बात उन दिनों की है जब मैं अपने जनपद बदायूं के एस.के. इंटर कॉलेज में फर्स्ट ईयर में पढ़ रहा था। कॉलेज में होली की छुट्टियां हो गई थीं और मैं होली मनाने गांव आ गया था। उन दिनों होली कम से कम एक सप्ताह की होती थी।

गांव में एक थे लंबे चौधरी। उनका असली नाम क्या था किसी को नहीं मालूम, सब उन्हें लंबे चौधरी के नाम से ही जानते थे। लंबी चौड़ी कद काठी, गठा हुआ शरीर और रूआबदार चेहरा। निपट अनपढ़ थे। मगर उनकी स्मरण शक्ति बड़ी गजब की थी। हम लोग गांव के रिश्ते से उन्हें बाबा कहते थे, मगर लंबे चौधरी हम लोगों से भी हंसी मजाक और ठिठोली करने से नहीं चूकते थे। एक बार हम लोगों ने होली पर लंबे चौधरी को उनकी हंसी मजाक का जवाब उन्हीं के अंदाज में देने की योजना बनाई। लंबे चौधरी को छेड़ने का मतलब था, सांप के बिल में हाथ डालना। मगर हम लोग अपने निर्णय पर अडिग थे। हमारी योजना तब और आसान हो गई। जब लंबे चौधरी के हम लोगों के हम उम्र चार-पांच भतीजे हमारी योजना में शामिल हो गए।

होली के चार-पांच दिन बाकी रह गए थे। गांव में होली का उल्लास पूरे जोरों पर था। रात को काफी देर तक बड़ी चौपाल पर ढोल-नगाड़े के साथ होली के गीत होते रहते और आधी रात के बाद शुरू होता गांव की होली को ऊंचा और बड़ा करने का अभियान। सब दूर-दूर से सूखी लकड़ी पेड़ों की टहनी, पुराने ठूंठ लेकर आते और होली पर डालते।

एक रात जब सब लोग होली बढ़ाने के अभियान के लिए चले गए, तो योजना के अनुसार हम लोग लंबे चौधरी की चौपाल पर पहुंचे, मगर हम लोग यह देखकर हैरान रह गए कि लंबे चौधरी जाग रहे थे। लगातार तीन दिन तक हम लोग आधी रात के बाद लंबे चौधरी की चौपाल पर जाते रहे मगर हमें सफलता हाथ नहीं लगी। अगली रात को जब हम लोग लंबे चौधरी की चौपाल पर पहुंचे, तो हम सब की बांछें खिल गईं। वे गहरी नींद में सो रहे थे और उनके खर्राटे दूर-दूर तक गूंज रहे थे। ईश्वर शायद आज हम लोगों पर कुछ अधिक ही मेहरबान था। लंबे चौधरी चौपाल पर बिल्कुल अकेले थे।

अपनी योजना के अनुसार हम लोगों ने रस्सी से लंबे चौधरी को चारपाई से अच्छी तरह से बांध दिया और फिर हममें से चार लड़के लाठियां डालकर चारपाई को कंधों पर रखकर होली की तरफ चल दिए। किसी खतरे की सूचना देने के लिए दो-तीन लड़के हमसे कुछ दूरी पर आगे-आगे चल रहे थे और दो-तीन पीछे-पीछे। यह एक संयोग ही था कि हमें किसी ने नहीं देखा और बिना किसी रुकावट के हम लोग होली के पास पहुंच गए। हमने लंबे चौधरी को चारपाई सहित होली पर रख दिया और फिर चुपचाप अपने-अपने घरों को लौट गए।

सुबह जब गांव के लोग जागे तो सबने होली पर एक अजब नजारा देखा। होली के ढेर पर चारपाई से बंधे लंबे चौधरी खर्राटे भर कर सो रहे थे। धीरे-धीरे होली के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोग आपस में कानाफूसी कर रहे थे। लोगों की आवाजें सुनकर लंबे चौधरी जाग गए। उन्होंने चारपाई से उठने की कोशिश की मगर चारपाई से अच्छी तरह से बंधे होने के कारण वे उठ नहीं पाए। उन दिनों गांवों में यह मान्यता थी कि होली के ढेर पर एक बार जो चीज रख दी गई उसे वापस नहीं उठाया जा सकता। अब लंबे चौधरी के साथ क्या किया जाए, सब इसी के बारे में बातचीत कर रहे थे। धीरे-धीरे पूरा गांव वहां जमा हो गया था। हम लोग भी एक तरफ खड़े यह नजारा देख रहे थे। इस समस्या पर विचार करने के लिए गांव के कुछ बुजुर्गों की एक पंचायत बैठी। काफी देर के विचार-विमर्श के बाद उन लोगों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि लंबे चौधरी के भाई लंबे चौधरी के वजन से दोगुनी लकड़ी होली के ढेर पर रखें तभी लंबे चौधरी को होली के ढेर से उतारा जा सकता है।

अब इतनी सूखी लकड़ी कहां से आए यह समस्या चौधरी के भाईयों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। उन लोगों ने अपनी एक पुरानी बैलगाड़ी को कई घंटे की मेहनत के बाद कुल्हाड़ियों से चीरकर होली के ढेर पर रखा तब कहीं जाकर लंबे चौधरी को होली के ढेर से उतारा जा सका। लंबे चौधरी की यह हालत देखकर लोग मन ही मन मुस्कुरा रहे थे। औरतें घूंघट मुंह में दबाकर हंस रही थीं। लंबे चौधरी किसी नाग की तरह फुफकार रहे थे और धारा प्रवाह गालियां दे रहे। उनकी गालियां भी हम लोगों को होली के प्रसाद की तरह लग रही थीं।

जॉब का पहला दिन

भावनाएं, अनुभव और एक नई शुरुआत

जीवन में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जो समय बीत जाने के बाद भी स्मृतियों में सदैव ताजे बने रहते हैं। नौकरी का पहला दिन भी ऐसा ही एक अविस्मरणीय अनुभव है। यह केवल रोजगार की शुरुआत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास की दिशा में उठाया गया पहला सशक्त कदम होता है। उस दिन मन में उत्साह, जिज्ञासा, हल्की घबराहट, भविष्य के सपने और स्वयं को सिद्ध करने का संकल्प सभी भावनाएं एक साथ उमड़ती हैं।

प्रो . हिमांशु शेखर सिंह
अयोध्या

मेरे जीवन में यह महत्वपूर्ण अवसर तब आया, जब मैं 10 जनवरी 1994 को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में अपने प्रथम कार्य दिवस हेतु पहुंचा। प्रारंभिक रूप से 8 जनवरी को भी मैं बड़े उत्साह से वहां गया था, पर द्वितीय शनिवार होने के कारण कार्यालय बंद मिला और कार्यभार ग्रहण नहीं कर सका। हल्की निराशा के बावजूद मन में दृढ़ विश्वास था कि शीघ्र ही नई यात्रा प्रारंभ होगी। दो दिन बाद पुनः पहुंचा तो मन में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का भाव अधिक प्रबल था। विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही ऐसा लगा मानो जीवन का एक नया अध्याय खुल रहा हो।

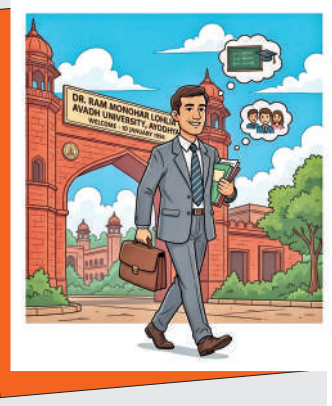

विभागाध्यक्ष प्रो. एस. सी. सक्सेना तथा अन्य वरिष्ठ शिक्षकों ने अत्यंत आत्मीयता से स्वागत किया। उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार मेरे लिए प्रेरणास्रोत बना। नियुक्ति संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए जब मैंने संबंधित कार्यालयों में पत्र जमा किए, तो लगा कि लंबे समय से प्रतीक्षित लक्ष्य साकार हो गया है। उस समय विभाग नवस्थापित था, इसलिए कक्षाएं प्रारंभ नहीं हुई थीं। हम सबने मिलकर पाठ्यक्रम निर्माण और शैक्षणिक योजनाओं पर चर्चा की। चाय की चुस्कियों के साथ हुआ संवाद केवल औपचारिक नहीं, बल्कि सहयोग और भविष्य निर्माण की भावना से ओतप्रोत था। पहली नौकरी व्यक्ति को विद्यार्थी से जिम्मेदार पेशेवर की भूमिका में परिवर्तित कर देती है। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं- क्या मैं अपेक्षाओं पर खरा उतर पाऊंगा?

कार्य का वातावरण कैसा होगा? किंतु यही प्रश्न आत्मविश्वास को भी जन्म देते हैं। विशेषकर शिक्षण क्षेत्र में पहली बार कक्षा में प्रवेश करना अत्यंत भावनात्मक अनुभव होता है। विद्यार्थियों का आदरपूर्ण अभिवादन यह एहसास कराता है कि शिक्षण केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य गढ़ने की प्रक्रिया है। समय के साथ अनुभव बढ़ता गया और प्रारंभिक संकोच आत्मविश्वास में बदलता गया। 33 वर्षों की इस यात्रा ने मुझे सिखाया कि सफलता का आधार केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण है।

चुनौतियां हर क्षेत्र में आती हैं, पर वही हमें परिपक्व और सशक्त बनाती हैं। एक शिक्षक के रूप में मैंने अनुभव किया कि ज्ञान बांटने से स्वयं का ज्ञान भी समृद्ध होता है और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही वास्तविक संतोष देता है। नए शिक्षकों के लिए मेरा संदेश है कि शिक्षण को केवल नौकरी न समझें, बल्कि इसे समाज निर्माण का पवित्र दायित्व मानें। निरंतर अध्ययन, विनम्रता, नई तकनीकों को अपनाने की तत्परता और विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता ये गुण एक आदर्श शिक्षक की पहचान हैं। यदि व्यक्ति अपने मूल्यों, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को बनाए रखे, तो हर दिन नई सीख और नई उपलब्धि लेकर आता है। अंततः निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और समर्पण ही जीवन में आगे बढ़ने के सच्चे मूल मंत्र हैं।

कुमाऊंनी होली : नाद, राग और स्वर की जीवित विरासत

कुमाऊं की होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि शास्त्रीय संगीत की भाव-समृद्ध परंपरा का जीवंत उत्सव है। यहां होली नाद, राग और स्वर के विशिष्ट संयोजन से सजी होती है। जिन्होंने भी इस परंपरा को अपने ज्ञान, साधना और सुरों की तपस्या से आगे बढ़ाया, उनकी समझ और गायकी की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। कुमाऊंनी होली में शास्त्रीय संगीत का अनुशासन भी है और लोकजीवन की सहजता भी, यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

एक समय था जब गांवों में होली का इंतजार बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को रहता था। बड़े ढोल की थाप पर गोल घेरे में खड़े होकर होली गाई जाती थी। कम से कम बीस-पच्चीस होलियारों की टोली, ढोल की गूंज और बीच-बीच में मिलने वाले गुड़ या आलू के गुटके, बच्चों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं था, जो लोग रोजगार के लिए बाहर गए होते, वे भी होली पर अपने घर जरूर लौटते थे। उनकी उपस्थिति से गांव में रौनक बढ़ जाती और बच्चों को होलियारों की टोली में शामिल होने का अवसर मिलता, लेकिन समय बदला, पलायन बढ़ा और त्योहारों पर घर लौटने की परंपरा कम होती गई। गांव खाली होने लगे और होली गायन की धारा भी मंद होने लगी। अब इस परंपरा को बचाए रखने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है।

मुझे याद है जब गांव का होली में प्रयोग होने वाला बड़ा ढोल खराब हो गया था और उसे उपयोग में नहीं लाया जा सका। मान्यता थी कि एक बार होली छोड़ दी तो फिर वह दोबारा नहीं हो सकती इसलिए तब हमने एक कनस्तर को ही ढोल बना लिया और पूरे गांव में होली गाई। वह साधन भले ही साधारण था, पर उत्साह और परंपरा के प्रति समर्पण असाधारण था।

बैठकी और खड़ी होली : अनुशासन और उल्लास

कुमाऊं में मुख्यत : दो प्रकार की होली प्रचलित है बैठकी और खड़ी होली। बैठकी होली में शास्त्रीय रागों का आधार स्पष्ट दिखाई देता है। यह विशेष रूप से अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, नैनीताल और चंपावत में अपने पूरे सौंदर्य के साथ जीवित है। खड़ी होली खुले स्थान पर गोल घेरे में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते हुए गाई जाती है। इसमें सामूहिकता और उत्सवधर्मिता का अद्भुत संगम होता है।

स्त्रियों की होलियां और मर्यादा का संगीत

पहाड़ों में महिलाओं की होलियां और स्वांग भी अत्यंत रोचक होता है। वे तात्कालिक रचनाएं करती हैं, श्रृंगार और हंसी-ठिठोली के रंग बिखेरती हैं, पर मर्यादा का ध्यान बनाए रखती हैं। शिव के मन माहि बसे काशी, जल कैसे भरूं जमुना गहरी जैसी होलियां आज भी लोकप्रिय हैं।

चंपावत : होली परंपरा का अग्रणी जनपद

वर्तमान समय में यदि पुरानी परंपरा से कुमाऊंनी होली की जीवंतता की बात करें, तो चंपावत जनपद अग्रणी माना जाता है। कभी चंद्रवंशी शासकों की राजधानी रही यह चंपा नगरी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ अपनी सांगीतिक परंपराओं के लिए भी जानी जाती है। हालांकि यहां की होली में बरसाना की लठमार होली की तरह को विशेषता तो नहीं, पर अपनी सौम्यता और सामूहिक नृत्य-गायन और होलियारों विशेष कदम और ढोल की थाप के कारण यह विशिष्ट पहचान रखती है। यहां महिलाएं और पुरुष समान रूप से दिन में गोल घेरे में खड़े होकर होली गाते हैं। होली में विजयसार की लकड़ी से बने ढोलों का प्रयोग होता है, जिनकी कीमत आज बीस हजार से 30 हजार रुपये तक हो सकती है।

परंपरा की चुनौती और हमारी जिम्मेदारी

आज पलायन, आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के कारण यह परंपरा धीरे-धीरे सिमट रही है। शराब जैसी कुप्रथाएं भी कहीं-कहीं इस पावन उत्सव की गरिमा को प्रभावित करती हैं। फिर भी आशा की किरण जीवित है, जब तक युवाओं में अपने लोक-संगीत और संस्कृति के प्रति प्रेम रहेगा, कुमाऊंनी होली का नाद गूंजता रहेगा। कुमाऊं की होली केवल गीत नहीं, बल्कि पीढ़ियों से हस्तांतरित होती आ रही सांस्कृतिक चेतना है। इसे संजोना और आगे बढ़ाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी ढोल की थाप पर उसी उल्लास से गा सकें 'बलमा घर आए फागुन में...'

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,287.19	25,178.65
बढ़त /गिरावट	961.42	317.90
प्रतिशत में	1.17	1.25

सोना 1,64,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 28 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

आईएमएफए ने किया टाटा स्टील के फेरोक्रोम संयंत्र का अधिग्रहण

नई दिल्ली। इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज (आईएमएफए) ने 707.26 करोड़ रुपये में टाटा स्टील से ओडिशा में स्थित फेरोक्रोम संयंत्र का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। ओडिशा के कलिंगनगर में 115 एकड़ में फैले इस संयंत्र में वर्तमान में चार भट्टियां हैं, जो हर साल 1,00,000 टन उत्पादन करने में सक्षम हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वहां पांचवीं भट्टी का काम अभी अधूरा है, जिसे लगभग एक साल में पूरा कर लिया जाएगा। इससे संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 1,50,000 टन सालाना हो जाएगी।

एफडीआई 18 % बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में देश के भीतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 47.87 अरब यूएस डॉलर पहुंच गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में देश के भीतर 40.67 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। आंकड़ों के मुताबिक, पुनर्निवेशित आय सहित कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर 2025-26 के दौरान 73.31 अरब डॉलर रहा।

अब देश में ही बनेगा एमॉर्फस स्टील

दिल्ली। बिजली के ट्रांसफॉर्मरों में इस्तेमाल होने वाला एमॉर्फस स्टील अब देश में ही बनेगा। इसके लिए जापानी कंपनी प्रोटेरियल की भारतीय इकाई प्रोटेरियल इंडिया ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में जनवरी में फैक्ट्री लगाने का काम शुरू किया है और इस साल अक्टूबर तक उत्पादन आरंभ होने की उम्मीद है। बता दें कि भारत अब तक इसका आयात करता रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार और एवीपीएन ने सिंगापुर में एमओयू पर हस्ताक्षर किए

लखनऊ। एशिया में सामाजिक निवेशकों के सबसे बड़े नेटवर्क एवीपीएन ने सिंगापुर में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राज्य के वैश्विक कंपनियों और निवेशकों के साथ साझेदारी को मजबूत करने के निवेश अभियान के तहत संपन्न हुआ। इस सहयोग के माध्यम से निवेश-तैयार परियोजनाओं की श्रृंखला विकसित कर, परियोजना तैयारी को सुदृढ़ बनाकर और लेन-देन तत्परता में सुधार कर अगले पांच वर्षों में 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,700 करोड़ रुपये) से अधिक निवेश जुटाने की संभावना है। एवीपीएन की चीफ ऑफ मार्केट्स एवं उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी पैट्रिसयन लो ने कहा एवीपीएन एशिया भर में व्यापक प्रभाव के लिए उत्प्रेरक पूंजी जुटाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्लू जेट करेगी 2,300 करोड़ का निवेश

विशाखापत्तनम। ब्लू जेट हेल्थकेयर लिमिटेड आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के रामबिली इंडस्ट्रियल पार्क में नई औषधि विनिर्माण इकाई का शनिवार को शिलान्यास करेगी। कंपनी इस कारखाने के विकास में 2,300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल 102 एकड़ में फैली इस इकाई में कॉन्ट्रास्ट मीडिया इंटरमीडिएट्स हाई-इंटेंसिटी स्वीटनर्स और बहुउद्देश्यीय रसायनों का उत्पादन किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाने वाली इस इकाई के वित्त वर्ष 2028-29 तक परिचालन में आने की उम्मीद है।

देखो मेरी दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली पर्यटन की अत्याधुनिक डबल डेकर इलेक्ट्रिक टूरिस्ट बस सेवा 'देखो मेरी दिल्ली' को हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। फोटो : एजेंसी

16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आयोजित सम्मेलन में बोले मोंटेक सिंह अहलूवालिया

बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य

हैदराबाद, एजेंसी

अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा है कि राज्य सरकारें अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए उन बड़े खेतों पर कर लगा सकती हैं जो विविधीकरण से उच्च आय अर्जित कर रहे हैं। यहां बुधवार को 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आयोजित एक सम्मेलन में पूर्ववर्ती योजना आयोग के वाइस चेयरमैन रह चुके अहलूवालिया ने कहा कि राज्य विविधीकृत कृषि पर कराधान से प्राप्त राजस्व पूरी तरह अपने पास रख सकते हैं। इसे केंद्र के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि संपूर्ण कृषि पर केंद्र कर नहीं

लगा सकता और केवल राज्य ही कर लगा सकते हैं। क्या यह मान लिया जाए कि कृषि को हमेशा के लिए आयकर से मुक्त रखा जाना चाहिए, चाहे खेत का आकार कुछ भी हो? इसका बचाव करना बहुत कठिन है। अहलूवालिया ने कहा, ''यदि आपके पास विविध तरह

- **कहा-वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए ज्यादा इनकम वालों पर टैक्स लगा सकती हैं सरकारें**

के मध्यम आकार के खेत हैं तो वे निश्चित रूप से पर्याप्त उच्च आय उत्पन्न कर सकते हैं। आयकर की श्रेणी में आ सकते हैं। वह कर 100 प्रतिशत राज्यों को जाएगा। उसे केंद्र द्वारा नहीं लिया जाएगा।''

उन्होंने कहा कि संविधान में ऐसा कुछ नहीं है जो किसी राज्य सरकार को नीचे के स्तरों पर संसाधनों का हस्तांतरण करने से रोकता हो, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि प्रायः दबाव केंद्र सरकार की ओर निर्देशित किया जाता है। अहलूवालिया ने कहा कि यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक निर्णय के रूप में सरकार के तीसरे स्तर यानी स्थानीय निकायों को धन हस्तांतरित और विकेंद्रीकृत करने का निर्णय लेता है, तो उसे केंद्र की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

अर्थशास्त्री ने यह भी कहा कि कि अधिकांश देशों में मानव पूंजी...जिसमें बाल स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य, शिक्षा और संबंधित क्षेत्र शामिल है...राष्ट्रीय स्तर की तुलना में सरकार के निचले स्तरों से अधिक जुड़ी हुई है। उन्होंने भारतीय राज्यों में मौजूद असमानताओं का जिक्र करते हुए कहा कि दक्षिणी राज्यों ने उल्लेखनीय रूप से कम प्रजनन दर के कारण जनसंख्या वृद्धि में काफी कमी हासिल की है।

हालात बदले तो डील भी बदलेगी: गोयल

टैरिफ मुद्दे पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर बदलते हालात पर सरकार की नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत फिलहाल रुको और इंतजार करो की स्थिति में है। हालात लगातार बदल रहे हैं और सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। यह बात उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राइजिंग भारत समिट 2026 को सम्बोधित करते हुए कही। एक प्रश्न के उत्तर में गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संवाद में हैं और आंतरिक स्तर पर भी विचार-विमर्श जारी है।

उद्योग मंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत बेहतर अवसरों के लिए संवाद की नीति पर कायम है। वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही बातचीत का उद्देश्य ऐसा समझौता सुनिश्चित करना है, जिससे भारत को अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खुलें।

व्यापार समझौते में भारत की स्थिति क्या है? पूछने पर गोयल ने कहा कि परिस्थितियां अभी गतिशील हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है। उन्होंने संकेत दिया कि हालात बदलने पर व्यापार समझौते में संतुलन (रीबैलेंस) की शर्त रखी गई है। यानी डील में बदलाव हो सकता है।

टैरिफ दरों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि अगर शुल्क दर 18 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत होती है, तो निर्यात को बिना बाधा जारी रखने में मदद मिलेगी।

गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। उनके अनुसार, अगर भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर मिलती है, तो यह निर्यात के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पहले 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत को निर्यात में बड़ा नुकसान झेलना पड़ता था, जबकि इसे कम स्तर पर लाना भारत के लिए महत्वपूर्ण लाभ साबित हो सकता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या शुल्क में बदलाव भारत के लिए कोई फायदा देता है, तो मंत्री ने कहा कि यह घरेलू कंपनियों को बिना रुकावट निर्यात जारी रखने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, "ध्यान रखें, कोई भी व्यापार समझौता या अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। इसका मतलब केवल यह नहीं कि शुल्क कितना है, बल्कि यह भी देखा जाता है कि इससे आप अपनी प्रतिस्पर्धा में कितनी बढ़त पा सकते हैं। और निश्चित रूप से, जब शुल्क 50 प्रतिशत था, हमारी कंपनियों को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।"

अमेरिकी सेब पर शुल्क रियायत के खिलाफ सेब उत्पादक करेंगे प्रदर्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब उत्पादक अमेरिकी सेब पर प्रस्तावित शुल्क रियायत के खिलाफ अगले महीने दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका को सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी है। अमेरिका से आने वाले सेब भारतीय बाजार में बिना किसी आयात शुल्क के प्रवेश करेंगे। उत्पादकों को आशंका है कि अमेरिका से सेबों की बाढ़ भारतीय बाजार में आ जाएगी और इससे घरेलू किसानों को बड़ा झटका लगेगा। कुलगाम के विधायक एवं श्रमिक संघ नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने यहां पत्रकारों से कहा, 'हमने कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों को शामिल करते हुए ''एप्पल फार्मर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया'' (एएफएफआई) का गठन किया है। हमने मार्च में (व्यापार समझौते के खिलाफ) दिल्ली में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।' तारिगामी ने कहा कि एएफएफआई ने संयुक्त किसान मोर्चा से देश के सेब किसानों के समर्थन में एकजुटता दिखाने की अपील की है, जो अपनी आजीविका पर हमले का सामना कर रहे हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर तारिगामी ने कहा कि यह 'व्यवहारिक रूप से अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण है।' उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि इस व्यापार समझौते में अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने पर प्रतिबंधित किया है। यदि हमारे देश को कुछ खरीदना है तो हमें अमेरिका की इच्छाओं पर विचार करना होगा। ऐसे में हम व्यापार संबंधी अपने निर्णयों में संप्रभु नहीं रहेंगे।' कुलगाम के विधायक ने कहा कि सेब उद्योग, कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा, 'जम्मू में छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं, लेकिन यहां अधिक नहीं हैं। हमारे पास हस्तशिल्प था लेकिन वह भी गिरावट के दौर में है। हमारी अंतिम उम्मीद सेब है लेकिन अब हम अमेरिकी सेब से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।'

सरकारी लेनदेन वाले बैंकों के लिए नियमावली जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

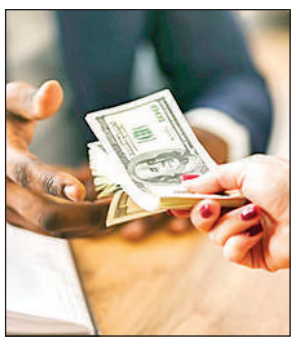

लेखा महानियंत्रक टी.सी.ए. कल्याणी ने सरकारी लेनदेन करने वाले बैंकों के संचालन और दक्षता को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में सरकारी बैंक डैशबोर्ड और सरकारी बैंक नियमावली का शुभारंभ किया।

सरकारी बैंक नियमावली बैंकों को सरकारी लेनदेन की प्रक्रिया के संबंध में एक व्यापक और मानक ढांचा प्रदान करती है। इसमें परिचालन प्रक्रियाओं, रिपोर्टिंग दायित्वों, मिलान की समय-सीमा और अनुपालन आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से बताया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इसका उद्देश्य अस्पष्टता और परिचालन जोखिम को कम करना तथा सभी हितधारकों के बीच जवाबदेही को मजबूत करना है।

सरकारी बैंक डैशबोर्ड सरकारी कामकाज से संबंधित महत्वपूर्ण बैंकिंग कार्यों की वास्तविक समय में डेटा-आधारित निगरानी की सुविधा प्रदान करता है। यह प्रेषण की समय-सीमा, स्क्रॉल अनुपालन, मिलान स्थिति, लेनदेन की सफलता की दर और सेवा-स्तर के मानकों के पालन पर नजर रखता है। श्रीमती कल्याणी ने कहा कि ये सुधार सार्वजनिक धन की सुरक्षा में साझा जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि सुधारों के अगले चरण में गहन डिजिटल एकीकरण, मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों, उन्नत विश्लेषणात्मक क्षमताओं और संस्थागत क्षमता निर्माण पर फोकस किया जायेगा जिससे सरकारी बैंकिंग संचालन के पारितंत्र का और आधुनिकीकरण किया जा सकेगा।

विमान में खतरनाक वस्तुएं ले जाने के नए नियम

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन मंत्रालय ने विमान में खतरनाक वस्तुओं को ले जाने के बारे में संशोधित नियम अधिसूचित कर दिए हैं। इनमें ऐसी वस्तुओं की साज-संभाल के लिए प्रमाणन-आधारित और जवाबदेही-आधारित व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। खतरनाक वस्तुओं से आशय उन वस्तुओं या पदार्थों से है जो स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकते हैं।

नियमों में खतरनाक वस्तु की आवाजाही की जानकारी देने संबंधी ढांचे को कड़ा किया गया है। ये नियम अघोषित या गलत जानकारी देकर खतरनाक वस्तुओं को विमान में लेकर जाने से जुड़े हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को इन वस्तुओं के प्रबंधन में चूक के मामलों में जांच के आदेश देने का अधिकार मिला है।'विमान (खतरनाक वस्तुओं का परिवहन) नियम, 2026' को हितधारकों से परामर्श के बाद 17 फरवरी को अधिसूचित किया गया।

विमानन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खतरनाक वस्तुओं के परिवहन से संबंधित

- **स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली वस्तुएं शामिल**

2003 के नियम पूर्ववर्ती विमान अधिनियम के तहत बनाए गए थे और मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के मानकों के अनुरूप परिचालन अनुपालन विनियमों के रूप में कार्य करते थे।

इस अधिकारी ने 'एजेंसी' से कहा कि नए नियमों में सुस्पष्ट निगरानी चक्र, औपचारिक स्वीकृतियां तथा व्यवस्थित प्रवर्तन शक्तियां शामिल हैं। अन्य प्रावधानों के तहत भारतीय एयरलाइंस को खतरनाक वस्तुओं के परिवहन के लिए डीजीसीए से प्रमाणन लेना जरूरी होगा।

साथ ही, विदेशी विमानन कंपनियों को भारत से और भारत के लिए खतरनाक वस्तु ले जाने के लिए पूर्व-अनुमति लेनी होगी।

नियमों के मुताबिक, कोई भी प्रेषक या उसका एजेंट हवाई परिवहन के लिए किसी भी खतरनाक वस्तु के पैकेज या 'ओवरपैक' की पेशकश तब तक नहीं करेगा जब तक यह सुनिश्चित न कर ले कि ऐसी खतरनाक वस्तुएं हवाई परिवहन के लिए निषिद्ध नहीं हैं और उन्हें तकनीकी निर्देशों में निर्दिष्ट शर्तों के अनुरूप सही ढंग से चिह्नित, वर्गीकृत, पैक और लेबल नहीं किया गया है।

'ओवरपैक' में किसी प्रेषक कंपनी द्वारा एक या अधिक पैकेज को एक साथ रखा जाता है, ताकि उन्हें संभाल पाना और रखना आसान हो।

बरेली यूनिवर्सिटी में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन कॉन्क्लेव का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, बरेली। अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में बीएमआईआईएल की ओर से विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हाल में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हसन खिमजी ने टीम को आगे बढ़ने की दिशा में काम करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और मौजूद लोगों को भविष्य की रणनीति बनाने पर जोर दिया। इस दौरान एमबीबीएस एवं आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की टीम बनाकर केस स्टडी गतिविधियां आयोजित की गई, तथा जागरुकता बढ़ाने के लिए क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई। इसमें विवि के प्रतिनिधियों ने विभिन्न नीतियों के निर्माण की रुपरेखा तैयार की, जिन्हें आगामी समय से प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार, प्रधानाचार्य, विभागाध्यक्ष तथा कैंपस कैटलिस्ट्स मौजूद रहे।

जानकारी

जानें कैपिटल गेन टैक्स से जुड़ी हर जरूरी बात

प्रॉपर्टी, शेयर या सोना बेचने पर कितना लगेगा टैक्स और कितनी होगी छूट

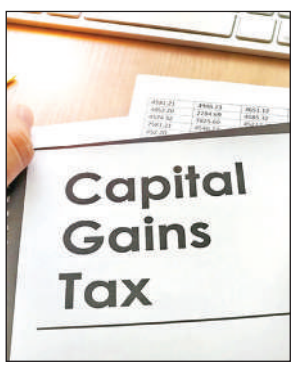

कारोबार डेस्क

भारत में कैपिटल गेन टैक्स (पूंजीगत लाभ कर) और उससे मिलने वाली छूट (एग्जेंप्शन्स) के नियमों को समझना किसी भी निवेशक या संपत्ति के मालिक के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बजट 2024 के बाद इन नियमों में काफी बदलाव आए हैं। यहाँ विस्तार से इसकी जानकारी दी गई है

1. कैपिटल गेन क्या है?

जब आप किसी ''कैपिटल एसेट'' (जैसे जमीन, मकान, शेयर, म्यूचुअल फंड, सोना, बॉन्ड आदि) को उसकी खरीद की कीमत से अधिक दाम पर बेचते हैं, तो होने वाले मुनाफे को कैपिटल गेन कहा जाता है। इस लाभ पर जो टैक्स सरकार को दिया जाता है, उसे कैपिटल गेन टैक्स कहते हैं।

इसे दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है :

- **शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) :** कम समय के लिए संपत्ति रखने पर।
- **लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) :** लंबे समय तक संपत्ति रखने के बाद बेचने पर।

2. होल्डिंग पीरियड और टैक्स की दरें (बजट 2024 के बाद)

संपत्ति को कितने समय तक रखने पर उसे ''लॉन्ग-टर्म'' माना जाएगा, यह एसेट के प्रकार पर निर्भर करता है :

2.1) लिस्टेड शेयर और इक्विटी म्यूचुअल फंड

समय सीमा : 12 महीने (1 साल)।

- एसटीसीजी (1 साल से कम) : अब 20% की दर से टैक्स लगता है।
- एलटीसीजी (1 साल से अधिक) : अब 12.5% की दर से टैक्स लगता है।
- छूट : एक वित्तीय वर्ष में 1.25 लाख तक का लॉन्ग-टर्म मुनाफा टैक्स-फ्री होता है।

2.2) अचल संपत्ति (रियल एस्टेट- घर या जमीन)

समय सीमा : 24 महीने (2 साल)।

- एसटीसीजी : आपकी कुल आय में जोड़ा जाता है और आपके इनकम टैक्स स्लैब (5%, 20%, 30%) के अनुसार टैक्स लगता है।
- एलटीसीजी : अब फ्लैट 12.5% की दर से टैक्स लगता है। (पहले यह 20% था लेकिन इंडेक्सेशन का लाभ मिलता था, जिसे अब नए नियमों में हटा दिया गया है)।

2.3) अनलिस्टेड शेयर और सोना

समय सीमा : 24 महीने।

- एसटीसीजी : टैक्स स्लैब के अनुसार।
- एलटीसीजी : 12.5%।

3. टैक्स बचाने के उपाय (एग्जेंप्शन्स)

भारत का आयकर कानून (इनकम टैक्स एक्ट, 1961) निवेशकों को कुछ विशेष निवेश करने पर टैक्स से छूट देता है।

मुख्य धाराएं नीचे दी गई हैं :

- **धारा 54 (सेक्शन 54) :** घर बेचकर घर खरीदना यह छूट केवल ''रेसिडेंशियल हाउस'' (रहने वाले घर) की बिक्री पर मिलती है। **शर्त :** पुराने घर को बेचने के बाद आपको दूसरा घर खरीदना होगा।

समय : नया घर बिक्री की तारीख से 1 साल पहले खरीदा गया हो, या 2 साल के भीतर खरीदा जाए। यदि आप घर बना रहे हैं, तो 3 साल का समय मिलता है।

लाभ : जितना पैसा आप नए घर में निवेश करेंगे, उतने मुनाफे पर टैक्स नहीं लगेगा। यदि नया घर मुनाफे से महंगा है, तो पूरा टैक्स बच जाएगा।

- **धारा 54EC :** कैपिटल गेन बॉन्ड्स

यदि आपने जमीन या मकान बेचा है और आप दूसरा घर नहीं खरीदना चाहते, तो आप बॉन्ड्स में निवेश कर सकते हैं।

कहाँ निवेश करें : एनएचएआई, आरईसी, पीएफसी या आईआरएफसी के स्पेसिफाइड बॉन्ड्स में। **शर्त :** संपत्ति बेचने के 6 महीने के भीतर निवेश करना अनिवार्य है।

सीमा : आप एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 50 लाख तक निवेश कर सकते हैं।

लॉक-इन पीरियड : इन बॉन्ड्स को 5 साल तक बेचना नहीं होता।

- **धारा 54F :** घर के अलावा अन्य संपत्ति बेचकर घर खरीदना। यदि आपने सोना, शेयर या कमर्शियल प्लॉट बेचकर मुनाफा कमाया है, तो भी आप टैक्स बचा सकते हैं।

शर्त : आपको मुनाफे के पैसे से एक रेसिडेंशियल हाउस खरीदना होगा।

विशेष नियम : धारा 54 में सिर्फ ''मुनाफा'' निवेश करना होता है, लेकिन 54F में आपको 'पूरी बिक्री राशि' निवेश करनी पड़ती है। यदि आप केवल आधा पैसा निवेश करते हैं, तो छूट भी आनुपातिक (प्रोपोर्शनल) मिलेगी।

वाहन खरीदने में यूपी, महाराष्ट्र गुजरात के लोग सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

वाहन खरीदने के मामले में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के लोग सबसे आगे रहे। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश में कुल 12.76 लाख यात्री वाहन बिके। इसमें 12.4 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर रहा जिसमें 1.58 लाख वाहन बिके। उत्तर प्रदेश 10.8 फीसदी के साथ दूसरे और गुजरात 8.2 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर रहा। यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन आते हैं।

घरेलू बाजार में तिमाही के दौरान दुपहिया की कुल बिक्री 56.96 लाख इकाई रही। सबसे ज्यादा 8.62 लाख इकाई (15.1 प्रतिशत) की बिक्री उत्तर प्रदेश में हुई। महाराष्ट्र (11.3 प्रतिशत) दूसरे, तमिलनाडु (8.0 प्रतिशत) तीसरे और गुजरात (7.4 प्रतिशत) चौथे स्थान पर रहा। खास बात यह है कि कुछ राज्य जो यात्री वाहनों की खरीद में काफी पीछे थे, दुपहिया की खरीद में काफी आगे दिख रहे हैं। तिपहिया की बिक्री में 25 हजार इकाई (11.7 प्रतिशत) के साथ गुजरात ने बाजी मारी। उत्तर प्रदेश 11.5 प्रतिशत और महाराष्ट्र 11.2 प्रतिशत के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में भरी उड़ान

जयपुर, एजेंसी

- रचा इतिहास : राफेल व सुखोई में भी उड़ान भर चुकी हैं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरकर इतिहास रचा। मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान राफेल और सुखोई में भी उड़ान भर चुकी हैं।

भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने आलिव ग्रीन रंग की वर्दी और हेलमेट पहन प्रचंड में बतौर सह-पायलट उड़ान भरी। यह मिशन दो विमानों के एलसीएच फॉर्मेशन के रूप में क्रियान्वित किया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ पहले विमान में उड़ान भरी जबकि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और ग्रुप कैप्टन ए महेंद्र दूसरे विमान में नंबर दो के रूप में सवार थे।

लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान, उन्होंने गडिसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से उड़ान भरी और एक टैंक लक्ष्य पर हमला किया। उन्होंने उड़ान के दौरान दिए अपने संदेश में 'प्रचंड' को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताया।

किशोरियों को देंगे सुरक्षा कवच

भारत की बेटियों को जानलेवा कैंसर से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 14 वर्ष की किशोरियों के लिए राष्ट्रव्यापी मुफ्त टीकाकरण अभियान (एचपीवी वैक्सिनेशन) शुरू करने का निर्णय लिया है। यह पहल न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करेगी, बल्कि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भारी कमी लाएगी। भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई क्रांति का आगाज हो रहा है। केंद्र सरकार ने 14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के लिए मुफ्त टीकाकरण अभियान की रूपरेखा तैयार की है। सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, हर साल हजारों परिवारों को उजाड़ देता है। देश में हर साल लगभग 1.23 लाख से अधिक नए मामले सामने आते हैं और करीब 77,000 से ज्यादा महिलाओं की मौत हो जाती है।

सर्वाइकल कैंसर

बीमारी का मुख्य कारण

- इस घातक बीमारी (सर्वाइकल कैंसर) का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किशोरियों को यौन रूप से सक्रिय होने से पहले यह टीका लगा दिया जाए तो उनमें इस कैंसर का खतरा 93% से 100% तक कम हो जाता है। वर्तमान में निजी अस्पतालों में इस टीके की कीमत हजारों में है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से यह बाहर था। सरकार के इस फैसले से अब हर वर्ग की बेटी को यह सुरक्षा कवच मुफ्त मिलेगा। यह अभियान केवल एक स्वास्थ्य योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ नारी, सशक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा निवेश है। टीकाकरण की यह सरकारी योजना पांच साल तक चलेगी।

क्या है सर्वाइकल कैंसर

- सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के गर्भाशय ग्रीवा यानी बच्चेदानी के निचले हिस्से को प्रभावित करता है। यह धीरे-धीरे विकसित होने वाली बीमारी है जो अक्सर एचपीवी वायरस के संक्रमण से शुरू होती है।
- प्रभावित अंग : यह मुख्य रूप से गर्भाशय के प्रवेश द्वार की कोशिकाओं को प्रभावित करता है।
- लक्षण : असामान्य रक्तस्राव, पीरियड्स के बीच ब्लीडिंग, संबंध बनाने के बाद दर्द, पेल्विक हिस्से में लगातार दर्द इसके मुख्य लक्षण हैं।

टीके की कीमत

- बाजार मूल्य : निजी अस्पतालों में गार्डासिल जैसे टीकों की एक खुराक की कीमत 2,000 से 4,000 तक होती है, जबकि गार्डासिल-9 की कीमत 10,000 रुपये से भी अधिक है।
- स्वदेशी विकल्प : भारत का अपना स्वदेशी टीका 'सर्वावैक' सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाया गया है, जिसकी कीमत काफी कम है।
- सरकारी योजना : सरकार मुफ्त टीकाकरण प्रदान करेगी।

14 साल की उम्र ही क्यों

- वैज्ञानिक कारण : 9 से 14 वर्ष की आयु में बच्चों का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) अधिक सक्रिय होता है, जिससे टीका लगने पर एंटीबॉडी का निर्माण अधिक प्रभावी ढंग से होता है।
- सुरक्षा का दायरा : यह टीका संक्रमण होने से पहले (प्री-एक्सपोज़र) सबसे अधिक प्रभावी होता है।
- एकल खुराक : सरकार 14 साल की लड़कियों के लिए सिंगल डोज़ रणनीति अपना सकती है जो शोधों में प्रभावी पाई गई है।

स्तन का कैंसर भारती महिलाओं में सबसे आम। सर्वाइकल दूसरा सबसे आम। मुंह का कैंसर पुरुषों में सबसे अधिक पाया जाता है। फेफड़ों का कैंसर पुरुषों में मृत्यु का प्रमुख कारण।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में विधायिका के 19 सदस्य बर्खास्त

बीजिंग। चीन की विधायिका ने अपनी वार्षिक बैठक शुरू होने से एक सप्ताह पहले 19 सदस्यों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें नौ सैन्य अधिकारी शामिल हैं। गुरुवार को की गई इस घोषणा में यह नहीं बताया गया कि इस सदस्यों को क्यों हटाया गया है, लेकिन आमतौर पर इस तरह की कार्रवाई को भ्रष्टाचार संबंधी जांच से जोड़कर देखा जाता है। चीन के नेता शी जिनपिंग द्वारा शुरू किया गया भ्रष्टाचार रोधी अभियान एक दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी थमता नजर नहीं आ रहा है। हाल के वर्षों में इस अभियान के दायरे में सेना भी आई है।

दुष्कर्म के दोषी भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक मलेशियाई व्यक्ति को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के मामले में 12 वर्ष कारावास और 12 बेंत मारने की सजा सुनाई गई है। शरवीन चेट्टी (48) ने चार फरवरी को 35 वर्षीय इंडोनेशियाई महिला से दुष्कर्म के एक आरोप में दोष स्वीकार किया। घटना 11 जुलाई 2022 की है जब रात करीब आठ बजे लिटिल इंडिया मास रेपिड ट्रांसिज स्टेशन के बाहर चेट्टी ने झाड़ियों में महिला से दुष्कर्म किया। पीड़िता अपने मित्रों के साथ थी, लेकिन चेट्टी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उससे दुष्कर्म किया

यूएस नौका पर क्यूबा जल क्षेत्र में हमला

हवाना। क्यूबा के उप विदेश मंत्री ने कहा कि क्यूबा के जलक्षेत्र में एक अमेरिकी नौका पर हुई घातक गोलीबारी के बाद क्यूबा सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने कहा कि क्यूबा सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान करने को तैयार है। क्यूबा इस बारे में अमेरिका से जानकारी मांगने की योजना बना रहा है कि इस घटना में शामिल संदिग्धों कौन थे और उन्होंने आगे की यात्राओं के लिए किन साधनों का इस्तेमाल किया।

शंघाई के मेयर से मिले भारतीय वाणिज्य दूत

बीजिंग। शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने शुक्रवार को नगर के मेयर गोंग झेंग से मुलाकात की, जो चीनी राजनीतिक पदानुक्रम में एक प्रभावशाली अधिकारी हैं। शंघाई वाणिज्य दूतावास ने कहा कि आज सुबह शंघाई में चयापचय रोगों संबंधी एससीओ सहयोग केंद्र के उद्घाटन अवसर पर शंघाई के मेयर गोंग झेंग से मुलाकात हुई। झेंग ने एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों के मजबूत होने पर खुशी व्यक्त की।

संसद को कानून बनाने का अधिकार वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं

बीएनएस की धारा 152 की वैधता से जुड़ी याचिका पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

- प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने की मामले की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण विशेषाधिकार है और वह केंद्र द्वारा अदालत के समक्ष दिए गए किसी भी शपथपत्र से बाध्य नहीं है। ये टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने की, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी।

बीएनएस की धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं में से एक ने कहा कि धारा 152 पूर्ववर्ती आईपीसी की धारा 124ए (राजद्रोह) को पुनः लागू करती है। मई 2022 में, उच्चतम न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने राजद्रोह से संबंधित औपनिवेशिक काल के दंड कानून पर तब तक रोक लगा दी थी, जब तक कि एक उपयुक्त सरकारी प्राधिकार इसकी पुनः समीक्षा नहीं करता और केंद्र एवं राज्यों को इस अपराध का हवाला देते हुए कोई भी नई प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया था। शुक्रवार को वकील ने कहा कि 2022 में केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष राजद्रोह कानून की समीक्षा करने के लिए एक शपथपत्र दिया था। वकील ने कहा कि अदालत के समक्ष एक शपथपत्र देने के बाद सरकार बीएनएस में इस प्रावधान को दोबारा पेश नहीं कर सकती। पीठ ने कहा, भारत सरकार ने भले ही अदालत के समक्ष शप पत्र दिया हो, लेकिन संसद उस शपथपत्र से बाध्य नहीं है। कानून बनाने का पूर्ण अधिकार संसद के पास है।

शांति अधि. के खिलाफ याचिका सुनी जाएगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति) अधिनियम, 2025 के कई प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। शीर्ष अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए टिप्पणी की कि उठाया गया सवाल एक दिखने वाले वास्तविक एवं ठोस राष्ट्रीय हित और एक दुर्भाग्यपूर्ण काल्पनिक नुकसान के बीच है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस मामले को अत्यंत संवेदनशील मुद्दा बताते हुए विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता जताई और याचिकाकर्ताओं से अन्य देशों के तुलनात्मक नियामक तंत्र प्रस्तुत करने को कहा।

बंगाल : न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आपत्ति खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस आपत्ति को खारिज कर दिया, जिसमें राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आपत्ति जताई गई थी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायिक अधिकारी किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे और इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। सिब्बल ने पीठ को बताया, कुछ अजीबोगरीब घटना घटी है। माननीय न्यायाधीशों ने आदेश पारित किया कि सभी तौर-तरीके कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और समिति द्वारा तय किए जाएंगे, जबकि निर्वाचन आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं और एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं।

कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भूकंप

कोलकाता। बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में शुक्रवार दोपहर 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद कोलकाता और आसपास के जिलों में भी उसके झटके महसूस किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप दोपहर एक बजकर 22 मिनट पर महसूस किया गया और लोग दहशत में आ गए। उन्होंने कहा कि भूकंप धरती की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश का सतखीरा जिला था, जो कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर तथा उत्तरी 24 परगना जिले में सीमावर्ती क्षेत्र ताकी से महज 25 किलोमीटर दूर है।

भूकंप से जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है लेकिन कोलकाता के उत्तरी हिस्से में कुछ प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों ने भूकंप के कारण दीवारों में दरारें पड़ जाने का दावा किया। भूकंप के झटके लगभग 10 सेकंड तक महसूस किए गए जिससे कोलकाता के लोग घबरा कर अपने अपने घरों से निकलकर खुली सड़कों पर आ गए। राज्य सचिवालय, विधानसभा भवन और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों में दहशत फैल गई।

डॉल्फिन हंटर आईएनएस अंजदीप का जलावतरण

चेन्नई, एजेंसी

- भारतीय नौसेना की पनडुब्बीरोधी युद्ध क्षमता को बढ़ाएगा

भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को आईएनएस अंजदीप युद्धपोत का जलावतरण किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने चेन्नई बंदरगाह पर पोत का जलावतरण किया।

आईएनएस अंजदीप एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है। यह पोत डॉल्फिन हंटर के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पोत का जलावतरण किया। 77 मीटर लंबे इस पोत में एक हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है, जो इसे त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर संचालन के लिए 25 समुद्री मील की अधिकतम गति हासिल करने में सक्षम बनाता है। नौसेना ने कहा कि कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित अंजदीप को विशेष रूप से तटीय और राष्ट्र की सुरक्षा के लिहाज से अहम, उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है।

बचाव अभियानों को भी अंजाम देगा

पनडुब्बी रोधी युद्ध भूमिका के अलावा यह पोत तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तथा खोज एवं बचाव अभियानों को अंजाम देने में भी सक्षम है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धक हथियारों और सेंसर पैकेज से लैस है जिसमें सोनार अभय भी शामिल है और यह हल्के टॉरपीडो एवं पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से युक्त है। अंजदीप का नाम कर्नाटक के कारवार तट (अरब सागर) के निकट स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है।

अब अभिभावकों को सतर्क करेगा इंस्टाग्राम

वॉशिंगटन, एजेंसी

- आत्महत्या से संबंधित शब्द बार-बार खोजने पर भेजेगा संदेश

सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम ने घोषणा की है कि यदि किशोर उपयोगकर्ता आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने से संबंधित शब्दों को बार-बार खोजते हैं, तो वह उनके अभिभावकों को सूचित करेगा। यह अलर्ट केवल उन अभिभावकों को भेजे जाएंगे जो इंस्टाग्राम के पैरेंटल सुपरविजन कार्यक्रम में नामांकित हैं।

इंस्टाग्राम का कहना है कि वह पहले से ही ऐसे संवेदनशील कंटेंट को किशोरों के सर्च परिणामों में दिखने से रोकता है और उपयोगकर्ताओं को हेल्पलाइन की ओर निर्देशित करता है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा बच्चों को होने वाले कथित नुकसान से जुड़े दो मुकदमों का सामना कर रही है। लॉस एंजिलिस में चल रहे एक मुकदमे में यह सवाल उठाया गया है कि क्या मेटा के मंच जानबूझकर नाबालिगों को लत लगाने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। वहीं, न्यू मैक्सिको में एक अन्य मामले में यह जांच की जा रही है कि क्या मेटा अपने मंच पर बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रही। हजारों परिवारों, जिलों और सरकारी संस्थाओं ने मेटा तथा अन्य सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए हैं। आरोप है कि ये कंपनियां अपने मंच को जानबूझकर इस तरह डिजाइन करती हैं कि उनकी लत लग जाए।

झुग्गी की छात्रा को ऑस्ट्रेलिया में मिला वजीफा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पीरागढ़ी स्थित झुग्गी बस्ती की एक युवती ने ऑस्ट्रेलिया में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री ने कैनबरा में आयोजित एक राष्ट्रीय उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में उसकी शैक्षिक यात्रा की सराहना की। दिल्ली स्थित एनजीओ आशा के सहयोग से पली-बढ़ी नैन्सी को मेलबर्न विवि में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला है। एनजीओ ने गुरुवार को कहा कि नैन्सी को मेलबर्न वेलकमिंग यूनिवर्सिटीज स्कॉलरशिप प्रदान की गई है और वह अगले सप्ताह से अपना पाठ्यक्रम शुरू करेंगी। उन्हें कैनबरा में आयोजित यूनिवर्सिटीज ऑस्ट्रेलिया सॉल्यूशंस समिट 2026 में भी आमंत्रित किया गया था।

मेलानिया करेंगी संरा सुरक्षा परिषद बैठक की अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- बैठक की अध्यक्षता करने वाली पहली प्रथम महिला होंगी

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह पहली बार होगा जब कोई प्रथम महिला इस परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पत्रकारों को बताया कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप सोमवार दोपहर को सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष की कुर्सी संभालेंगी तो यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा।

15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बारी-बारी से आने वाली अध्यक्षता मार्च के लिए अमेरिका के पास है। प्रथम महिला के कार्यालय ने बताया कि वह जिस बैठक की अध्यक्षता करेंगी उसका उद्देश्य सहिष्णुता और विश्व शांति को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका को रेखांकित करना होगा। मेलानिया ट्रंप ने संघर्षरत क्षेत्रों में बच्चों के मुद्दे को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा है।

उन्होंने पिछले वर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी पत्र लिखा था, जिसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विस्थापित कुछ बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने की पहल की गई। दुजारिक ने बताया कि सोमवार की बैठक का विषय संघर्ष की परिस्थितियों में बच्चे, प्रौद्योगिकी और शिक्षा होगा।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज अपनी छवि को लेकर कुछ चिंतित रहेंगे। उधार धन लेना पड़ सकता है। आप फोकस होकर अपने कार्यों में लगे रहें।

वृष — आज नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। अपनी दिनचर्या में आप परिवर्तन ला सकते हैं।

मिथुन — आज टीम भावना को रखते हुए काम करें। काम के पूरा न होने से मन में असंतोष रहेगा। नए व्यावसायिक संपर्क विकसित हो सकते हैं।

कर्क — आज आय की दृष्टि से दिन बहुत ही अच्छा है। अधूरे पड़े कार्य आप पुनः प्रारंभ कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके नए मित्र बन सकते हैं।

सिंह — आज आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। आपको कुछ आकस्मिक खर्च करने पड़ेंगे। अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

तुला — आज व्यवसाय में अचानक धन लाभ हो सकता है। दूसरों के कार्यों में अधिक हस्तक्षेप न करें। शेयर से जुड़े कार्यों से लाभ होगा।

वृश्चिक — आज अधिकारी आपके कार्यों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में गति आ सकती है। आपको पुराने अनुभवों से लाभ हो सकता है।

धनु — आज आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। जीवन की सत्यता का सामना करना पड़ेगा। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें।

मकर — आज आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी तरक्की से जलेंगे। दांपत्य संबंध में कड़वाहट हो सकती है।

कुंभ — आज मित्रों का आपके ऊपर काफी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी आपका उत्साहवर्धन करेंगे। आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

मीन — आज का दिन काफी अच्छा रहना वाला है। दूसरों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 28 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 20.43 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 21.35 तक तत्पश्चात पुष्य।

सुडोकू - 74 का हल

7	8	3	4	2	9	6	1	5
5	1	2	7	6	8	4	3	9
9	4	6	3	5	1	8	2	7
6	9	5	1	4	2	3	7	8
4	3	1	8	7	6	5	9	2
8	2	7	5	9	3	1	6	4
3	5	4	9	1	7	2	8	6
2	7	8	6	3	5	9	4	1
1	6	9	2	8	4	7	5	3

सुडोकू -75

	7	1				4		3
			2			7		
5	6			1		9		
9		6		3				8
		4				6		
1				7				5
		7		4			2	
		2			5			
8					1	3	9	

लक्ष्य : प्रति वर्ष 1.15 करोड़ लड़कियों को एचपीवी टीका

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे टीकाकरण योजना की शुरुआत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान का लक्ष्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिवर्ष 14 वर्ष आयु की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को इस टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, यह टीका निर्धारित सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

टीकाकरण आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-जिला और जिला अस्पतालों के साथ-साथ सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में किया जाएगा। इसने कहा कि टीकाकरण स्वैच्छिक होगा और टीका लगाने से पहले माता-पिता या अभिभावकों से सहमति प्राप्त की जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि यह विशेष अभियान तीन महीने की अवधि के लिए मिशन मोड में चलेगा, इस दौरान पात्र लड़कियां टीका लगवा सकती हैं। इसके बाद, नियमित टीकाकरण दिवसों पर टीका उपलब्ध होता रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रव्यापी स्तर पर इस पहल की शुरुआत भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य यात्रा में एक निर्णायक कदम है और यह की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा | व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ कोई कार्रवाई तर्कसंगत होनी चाहिए

पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग

- एक मामले में केंद्र के फैसले को रद्द करते हुए दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। न्यायालय ने कहा कि जब अधिकारियों की कोई भी कार्रवाई ऐसे किसी अधिकार का उल्लंघन करती है, तो यह तर्कसंगत होनी चाहिए और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने केंद्र सरकार के उस फैसले को रद्द करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें रहेजा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक योगेश रहेजा का पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन करते समय उनके खिलाफ लंबित प्राथमिकी की जानकारी न देने के कारण जब्त कर लिया गया था। याचिकाकर्ता का पासपोर्ट जब्त करने का आदेश अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित किया गया था, और इस निर्णय के खिलाफ उसकी अपील को अपीलीय प्राधिकरण द्वारा 25 मार्च, 2025 को खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि विदेश मंत्रालय के 2019 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केवल प्राथमिकी दर्ज होना पासपोर्ट जारी करने के संदर्भ में आपराधिक कार्यवाही लंबित माने जाने के समान नहीं है, जब तक कि सक्षम अधिकार क्षेत्र वाली अदालत ने कथित अपराध का संज्ञान न ले लिया हो। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता का पासपोर्ट जब्त करने के लिए अधिकारियों द्वारा दिए गए कारण कानून की कसौटी पर खरे नहीं उतरे, क्योंकि उसने अक्टूबर 2024 में अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था।

राज्य करे प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों का पालन

अदालत ने कहा कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का एक अभिन्न अंग है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि पासपोर्ट रखने के अधिकार का अतिक्रमण करने वाली राज्य की किसी भी कार्रवाई को युक्तिसंगतता की कसौटी पर खरा उतरना होगा तथा वह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। प्रतिवादियों द्वारा पारित निर्णय को बरकरार नहीं रखा जा सकता।

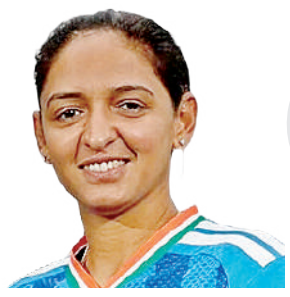

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।

-हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शनिवार ,28 फरवरी 2026

सुपर-8 में आज

टीम	समय
श्रीलंका-पाकिस्तान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन

अलीगढ़/नोएडा। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार तड़के लंबी बीमारी के बाद ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सिंह 58 वर्ष के थे और कैंसर से पीड़ित थे। काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू के पिता लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था और आज तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। अलीगढ़ जिले के निवासी 28 वर्षीय रिंकू की सफलता के पीछे उनके पिता का बहुत बड़ा हाथ रहा है। अलीगढ़ में गैस सिलेंडर आपूर्ति का काम करने वाले सिंह ने तमाम अभावों के बावजूद रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में हरसंभव मदद की।

न्यूजीलैंड के हेनरी को पितृत्व अवकाश मिला

कोलंबो। न्यूलीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी इंग्लैंड के खिलाफ टीम के टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले के बाद अपने दूसरे बच्चे के जन्म के मौके पर पत्नी के साथ रहने के लिए शुक्रवार रात स्वदेश लौट जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने कहा कि टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर हेनरी टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं।

भारत-वेस्टइंडीज मैच में ईडन गार्डन्स पर रन वर्षा की उम्मीद

'वर्चुअल क्वार्टर फाइनल' की तरह होगा मुकाबला, कोलकाता पहुंची टीम

टी-20 विश्व कप

कोलकाता, एजेंसी

भारत का रविवार को टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ 'वर्चुअल क्वार्टर फाइनल' उसी पिच पर खेला जाएगा जहां स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट का पहला 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। स्थानीय क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के अनुसार भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर-8 का मुकाबला उसी पिच पर होगा जिस पर टी-20 विश्व कप का दूसरा मैच खेला गया था।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार शाम पिच और आउटफील्ड को पूरी तरह ढकने से पहले उसका निरीक्षण किया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने मुखर्जी और बोर्ड के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ लंबी चर्चा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने दोनों छोर से पिच की सतह का मुआयना किया। मुखर्जी ने कहा गांगुली पिच की तैयारी देखकर खुश दिखे। यह वही पिच है जिसका इस्तेमाल विश्व कप के दूसरे मैच में हुआ था। यह पारंपरिक ईडन विकेट है जिस पर काफी रन बनते हैं और गेंदबाजों के लिए भी कुछ न कुछ होता है। उन्होंने साथ ही कहा कि मैदान पर काफी ओस भी रहने की संभावना है। स्कॉटलैंड ने नौ फरवरी को इटली के खिलाफ चार विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाकर इस विश्व कप का पहला 200 रन से ज्यादा का स्कोर दर्ज किया। उसने इटली को 134 पर आउट कर दिया। पिच काफी सूखी होने की संभावना है जिसके कारण स्पिन गेंदबाजी फिर से अहम भूमिका निभा सकती है। हालांकि ईडन पिच पर अच्छा उछाल मिलता है। इंग्लैंड के मुकाबलों में यह साफ देखा गया जहां जोफ्रा आर्चर ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या भी अपने मौके को भुनाने की उम्मीद रख सकते हैं। भारत इस चरण में ईडन गार्डन्स पर अपना पहला मैच खेलेगा जबकि वेस्टइंडीज को थोड़ा फायदा मिल सकता है क्योंकि उसने पहले ही यहां दो ग्रुप मैच (स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ) खेले हैं जिसमें उसे जीत मिली है। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टइंडीज को हराने और भारत के जिम्बाब्वे को बाहर करने के बाद यह सुपर आठ मुकाबला लगभग नॉकआउट जैसा बन गया है।

टीम के साथ कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे वाशिंगटन सुंदर और तिलक वर्मा। एजेंसी

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा

चेन्नई। तिलक वर्मा ने कहा कि शुरू में विकेट गंवाने के बावजूद भारत मौजूदा टी-20 विश्व कप में अपने आक्रामक रवैए पर कायम रहेगा, क्योंकि इससे विपक्षी टीम के गेंदबाजों में खौफ पैदा होता है। भारत ने सभी बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से जिम्बॉब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में चार विकेट पर 256 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद 72 रन से आसान जीत दर्ज की। तिलक ने संवाददाताओं से कहा हम एक टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर चर्चा की कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी खो दें तब भी आक्रामक अंदाज में ही बल्लेबाजी करेंगे।

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

1. इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.096
2. न्यूज़ीलैंड	3	1	1	1	3	1.390
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

अभिषेक ने चुप करा दिया आलोचकों को

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर बोले-अभिषेक को रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर आलोचकों को चुप कराने के लिए अभिषेक शर्मा की सराहना की लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें इस विस्फोटक बल्लेबाज को रक्षात्मक शॉट खेलते देखकर हैरानी हुई। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज। जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।

उन्होंने कहा अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले। गावस्कर ने कहा इस मैच में उन्होंने वास्तव में रक्षात्मक शॉट खेले। उन्होंने कुछ गेंद को रोका भी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के लिए यह एक सीखने का दौर है। गावस्कर ने कहा मुझे सच में लगता है कि यह उसके लिए सीखने का एक अच्छा मौका है।

बुमराह, सिराज के साथ अपने कौशल पर काम कर रहा हूं : अर्शदीप

चेन्नई। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत की 72 रन से जीत के बाद अर्शदीप ने पत्रकारों से कहा मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्केल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं। मेरा साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक (पंड्या) भाई जैसे बहुत अच्छे गेंदबाजी सहयोगी हैं। अर्शदीप से पूछा गया कि क्या 256 रन के विशाल स्कोर बनाने से गेंदबाजों को मदद मिली, उन्होंने कहा हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे थे कि हमने कितने रन बनाए। हम बस अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करना चाहते थे और अपने स्तर को बनाए रखना चाहते थे।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

- सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए कीवी टीम को करना होगा इंतजार
- जैक्स और रेहान ने हरफनमौला खेल दिखाया

कोलंबो, एजेंसी

विल जैक्स और रेहान अहमद के हरफनमौला खेल के दम पर इंग्लैंड ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में शुक्रवार को यहां हार के कगार से वापसी करते हुए न्यूजीलैंड पर चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। जैक्स ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट और रेहान ने तीन ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लेने बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सातवें विकेट के लिए 16 गेंद में 44 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैक्स ने 18 गेंद में नाबाद 32 रन की ताबड़तोड़ पारी जबकि रेहान ने सात गेंद में नाबाद 19 रन बनाये।

न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 159 रन पर रोकने के बाद इंग्लैंड ने तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते समय इंग्लैंड की टीम 17 ओवर में छह विकेट पर 117 रन बनाकर संकट में फंसी हुई थी और उसे आखिरी 18 गेंदों पर 43 रन की दरकार थी। टूर्नामेंट में चौथी बार मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये जैक्स और रेहान ने 18वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स पर 22 रन बटोरकर मैच का रुख पलट दिया और समीकरण 12 गेंदों में 21 रन पर ला दिया। इस जोड़ी ने कप्तान मिचेल सैंटनर के ओवर से 16 रन जुटाकर इंग्लैंड को निर्णायक बढ़त दिला दी और इंग्लैंड ने तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले जैक्स और रेहान के साथ आदिल रशीद (28 रन पर दो विकेट) की स्पिनरों की तिकड़ी ने अच्छी शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड को बड़ स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली न्यूजीलैंड को किसी बल्लेबाज ने बड़ी पारी नहीं खेली। ग्लेन फिलिप्स (28 गेंदों पर 39 रन), टिम सिफर्ट (25 गेंदों पर 35 रन) और फिन एलेन (19 गेंदों पर 29 रन) ने बल्ले से अहम योगदान दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही, जब मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने-अपने पहले ओवर में विकेट लेकर स्कोर दो रन पर दो विकेट कर दिया। अनुभवी जोस बटलर 10वीं बार टी20 अंतर्राष्ट्रीय में खाता खोले बिना आउट हुए। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा बाद शून्य पर आउट होने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गये।

शॉट लगाते इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स। एजेंसी

पाकिस्तान के लिए ये होंगे समीकरण

पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवित हो गई हैं। अब उसे आज पल्लेकल में श्रीलंका को 64 रनों से हराना होगा या 13.1 ओवर में लक्ष्य का पीछा करना होगा नहीं तो न्यूजीलैंड क्वालीफाई कर जाएगा। इंग्लैंड पहले ही तीनों जीत से अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंच चुका है।

न्यूजीलैंड

159/7 (20 ओवर)

टिम सीफर्ट स्टंप बटलर बो रशीद	35
फिन एलन का बेथल बो जैक्स	29
रचिन रविंद्र का बेथल बो रेहन	11
ग्लेन फिलिप्स बो जैक्स	39
मार्क चैपमैन स्टं बटलर बो रशीद	15
डेरिल मिचेल का जैक्स बो डॉसन	03
मिचेल सैंटनर नाबाद	09
कोल मैककोंची बो रेहान	14
मैट हेनरी नाबाद	01

गेंदबाजी : आर्चर 3-1-24-0, डॉसन 4-0-32-1, रशीद 4-0-28-2, जैक्स 4-0-23-2, रेहान 3-0-28-2

इंग्लैंड

161/6 (19.3 ओवर)

फिल सॉल्ट का सीफर्ट बो हेनरी	02
बटलर का सीफर्ट बो फर्ग्यूसन	00
हैरी ब्रूक का मिचेल बो फिलिप्स	26
जैकब बेथल का फिलिप्स बो रविंद्र	21
टॉम बैंटन का चैपमैन बो रविंद्र	33
सैम कुरेन का फिलिप्स बो रविंद्र	24
विल जैक्स नाबाद	32
रेहान अहमद नाबाद	19

गेंदबाजी : हेनरी 2.3-0-19-1, फर्ग्यूसन 2-0-14-1, फिलिप्स 4-0-43-1, रविंद्र 4-0-19-3

व्यक्तिगत नहीं, टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है : कैगिसो रबाडा

अहमदाबाद, एजेंसी

कैगिसो रबाडा टी-20 विश्व कप में अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसा वह चाहते थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका का जीत का सिलसिला जारी है और इसलिए यह तेज गेंदबाज बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से संतुष्ट है। दक्षिण अफ्रीका की गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट से जीत के बाद रबाडा ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत नहीं टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है। रबाडा ने अब तक टूर्नामेंट में केवल चार विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड, यूएई और भारत के खिलाफ विकेट लेने में नाकाम रहे थे। उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक टीम अच्छा प्रदर्शन करती रहेगी तब तक व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात नहीं की जा सकती है। ऐसी बात बाद में की जा सकती है।

रबाडा को क्षेत्ररक्षकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। अब तक उनकी गेंदबाजी पर चार कैच छूट चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर रबाडा ने कहा यही क्रिकेट का खेल है। कई बार चीजें आपके पक्ष में होती है और कई बार नहीं। दुर्भाग्य से अभी ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जीत रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच अभी तक शानदार संतुलन देखने को मिला है और उन्होंने बहुत अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है। उसके सभी खिलाड़ियों नेअपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। अगर डेविड मिलर ने एक मैच में टीम को जीत दिलाई तो कप्तान एडन मार्क्रम ने दूसरे मैच में यही कमाल किया। गेंदबाजों ने भी जरूरत पड़ने पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, चाहे वो मार्को यानसन हों या लुंगी एनगिडी।

रबाडा ने कहा यह अच्छा संकेत है। हमारी टीम में काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। साथ ही कई युवा खिलाड़ी भी हैं। अगर आप सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखें, तो उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलता है और यही आत्मविश्वास मैचों में भी दिख रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय घरेलू टूर्नामेंट एसए20 को भी दिया जिसमें विश्व कप से पहले कई प्रमुख खिलाड़ियों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल की। रबाडा ने कहा यह लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और यह उम्मीद बनाए रखने से जुड़ा है कि चीजें हमारे पक्ष में हो जाएंगी। रबाडा ने अपने लंबे समय से नए गेंद के अपने साथी लुंगी एनगिडी की प्रशंसा भी की जिन्होंने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लगातार 12वीं वनडे शृंखला जीती

होबार्ट, एजेंसी

जॉर्जिया वोल के आकर्षक शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को यहां मौजूदा चैंपियन भारत को दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 83 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर तीन मैच की शृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका रावल की 81 गेंद पर खेली गई 52 रन की पारी से भारत ने अच्छी शुरुआत की। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके लगाए। भारतीय टीम हालांकि बीच के ओवरों में लड़खड़ा गई। इसके बाद हरमनप्रीत ने 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई जॉर्जिया वोल (82 गेंद पर 101 रन, 13 चौके, एक छक्का) और फोबे लिचफील्ड (62 गेंद पर 80 रन) की उम्दा पारियों की मदद से 36.1 ओवर में पांच विकेट पर 252 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में अपना शानदार रिकॉर्ड जारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक भारत के खिलाफ सभी 12 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखलाएं जीती हैं।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपनी आखिरी अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेल रही कप्तान एलिसा हीली (06) का विकेट जल्दी गंवा दिया जिन्हें कासवी गौतम (47 रन देकर दो विकेट) ने इनस्विंग यॉर्कर पर बोल्ड किया। इसके बाद हालांकि लिचफील्ड और वोल ने अगले लगभग 15 ओवर तक भारत को कोई सफलता हाथ नहीं लगने दी और इस बीच दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन की साझेदारी की। इन दोनों ने भारत के तेज और स्पिन आक्रमण का सहजता से सामना किया और भारत के खराब क्षेत्ररक्षण का भी फायदा उठाया। वोल को दो जीवनदान मिले।

जॉर्जिया वोल।

रणजी ट्रॉफी फाइनल | कर्नाटक की टीम पहली पारी में 293 रनों पर सिमटी, आकिब नबी ने झटके पांच विकेट, कुल बढ़त हुई 477 रनों की

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक खिताबी जीत तय

हुबली (कर्नाटक), एजेंसी

अनुभवी तेज गेंदबाज आकिब नबी (54 रन देकर पांच विकेट) और सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार प्रदर्शन से जम्मू-कश्मीर की टीम शुक्रवार को यहां चौथे दिन कर्नाटक के खिलाफ विशाल बढ़त की बदौलत अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने के करीब पहुंच गई है। इकबाल (नाबाद 94) के सातवें प्रथम श्रेणी अर्धशतक से जम्मू-कश्मीर ने स्टंप तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 186 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 477 रनों की कर ली।

दिन की शुरुआत में नबी ने सत्र का सातवीं बार पांच विकेट झटकने का कारनामा किया जिससे कर्नाटक की टीम पहली पारी में 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल की। कर्नाटक की पारी में पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल (266 गेंद में 160 रन) के शतक का अहम योगदान रहा क्योंकि अन्य खिलाड़ी संभलकर नहीं खेल सके। पर नबी के पांच विकेट अग्रवाल के शानदार शतक पर भारी पड़े। जम्मू-कश्मीर का यह तेज गेंदबाज बेहतरीन फॉर्म में था। कर्नाटक ने सुबह पांच विकेट पर 220 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया। विकेट के लिए 80 से ज्यादा रन जोड़कर अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन दूसरी नई गेंद लिए जाने के बाद उनकी कोशिश नाकाम रही। साहिल लोत्रा ने कृतिक को पगबाधा आउट कर इस भागीदारी को समाप्त किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने विद्याधर पाटिल का विकेट झटककर दबदबा बनाए रखा। लेकिन नबी ने अग्रवाल का विकेट झटककर कर्नाटक की बची उम्मीद भी खत्म कर दी। उनकी गेंद अग्रवाल के पैड पर गेंद लगी और डीआरएस ने मेजबान टीम को करारा झटका दिया। लोत्रा से यह पूछने पर कि पहली बार ट्रॉफी उठाने की उम्मीद कितनी रोमांचक है तो उन्होंने कहा यह तो बस शुरुआत है, हम सब खुश और उत्साहित हैं। यह पहली बार है जब हम फाइनल में खेल रहे हैं और यह हमारे लिए बहुत गर्व का पल है।

कर्नाटक के मयंक अग्रवाल का विकेट लेने के बाद टीम के साथ जश्न मनाते जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584, 186/4
कर्नाटक	293/10

हालांकि जम्मू-कश्मीर के 584 रन के स्कोर को पार करना मुश्किल था लेकिन कर्नाटक को उम्मीद थी कि उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी करने का प्रयत्न करेंगे। अग्रवाल और कृतिक कृष्णा (36) ने छठे

आकिब नबी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के करीब: गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने जम्मू कश्मीर की कर्नाटक के खिलाफ अपने पहले रणजी ट्रॉफी फाइनल में शानदार प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा कि तेज गेंदबाज आकिब नबी में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की काबिलियत है। नबी ने रणजी के वर्तमान सत्र में 60 विकेट लिए हैं। इनमें कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में 54 रन देकर पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। गांगुली ने एक्स पर लिखा जम्मू कश्मीर ने दुनिया को दिखा दिया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने राज्य को गौरवान्वित किया है।